हिन्दी दैनिक पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, बुधवार | 05 मार्च 2025 | वर्ष : 03 अंक : 62 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

पहलवान सुशील कुमार को मिली नियमित जमानत, पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड का है मामला

एजेंसी

दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पहलवान सुशील कुमार को नियमित जमानत दे दी, जो 2021 जूनियर पहलवान सागर धनखड़ हत्या मामले में कथित संलिप्तता के लिए तिहाड़ जेल में बंद थे। इससे पहले उन्हें जुलाई 2023 में घुटने की सर्जरी के लिए सात दिन की अंतरिम जमानत दी गई थी। उनके वकील एडवोकेट आर एस मलिक ने कहा कि काफी देरी हो चुकी है। वह पिछले साढ़े तीन साल से जेल में हैं। सभी गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। अभी तक उनके खिलाफ कोई सबूत पेश नहीं किया गया है। कोर्ट ने इसे जमानत का एक आधार माना, इसलिए आज उन्हें जमानत दे दी गई। 31 गवाहों से पूछताछ की गई है। एडवोकेट सुमीत शौकीन ने कहा कि आदेश की अभी घोषणा ही हुई है और हम अभी भी आदेश की हार्ड कॉपी का इंतजार कर रहे हैं। इस मामले पर आज बहस हुई और करीब डेढ़-दो घंटे तक बहस चली। कोर्ट ने मामले के सभी तथ्यों की सराहना की है।

दिलीप जायसवाल फिर बने बिहार बीजेपी के बॉस, मनोहर लाल खट्टर ने किया ऐलान, 3 साल होगा कार्यकाल

भाजपा नेता ने कहा कि हमें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में डॉ दिलीप जयसवाल मिले हैं। 2025 में भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि दिलीप जयसवाल प्रदेश अध्यक्ष बन गये हैं और उनके नेतृत्व में बीजेपी और आगे बढ़ेगी।

एजेंसी

पटना: पूर्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप जायसवाल को आधिकारिक तौर पर बिहार के नए पार्टी अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया है। इसकी घोषणा मंगलवार को बिहार भाजपा परिषद प्रभारी मनोहर लाल खट्टर ने की। यह एक महत्वपूर्ण समय पर आया है क्योंकि राज्य अक्टूबर-नवंबर के महीने में विधानसभा चुनाव के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि भाजपा सर्वसम्मति से चुने गए अपने नए अध्यक्ष के नेतृत्व में बिहार प्रदेश संगठन पर्व मना रही है। आज बिहार को एक ऐसा अध्यक्ष मिला है जो अनुभवी, सरल स्वभाव वाला और मेहनती है। भाजपा नेता ने कहा कि हमें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में डॉ दिलीप जयसवाल मिले हैं। 2025 में भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि दिलीप जयसवाल प्रदेश अध्यक्ष बन गये हैं और उनके नेतृत्व में बीजेपी और आगे बढ़ेगी। नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में यहां एनडीए की सरकार बनेगी. लोगों में

काफी उत्साह है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आज संगठन का चुनाव था, हमारा संगठन महोत्सव आज समाप्त हुआ। हमारे प्रदेश में डॉ. दिलीप जयसवाल पार्टी अध्यक्ष बने, उनके नेतृत्व में संगठन आगे बढ़ेगा।

इससे पहले 26 फरवरी को, जयसवाल ने अपनी पार्टी की 'एक व्यक्ति, एक पद' की नीति के अनुरूप नीतीश कुमार मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। महत्वपूर्ण राजस्व और भूमि सुधार विभाग संभालने वाले जायसवाल को पिछले साल जनवरी में सीएम नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने के साथ राज्य में भाजपा की सत्ता में वापसी के बाद कैबिनेट में शामिल किया गया था। पिछले साल जुलाई में उन्होंने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की जगह प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष का पद संभाला था।

दिलीप जायसवाल ने कहा कि मुझे अध्यक्ष पद का दायित्व दिया गया है और मैं अपनी जिम्मेदारी पूरा करूंगा। दिलीप जायसवाल ने कहा कि 2047 तक हम विकसित भारत के सपने को पूरा करेंगे। दिलीप जायसवाल की ताजपोशी में पूरे बिहार से कार्यकताओं को बुलाया गया था। दिलीप जायसवाल की गिनती सीमांचल के बड़े नेताओं में होती है।

दिलीप जायसवाल पिछले साल जुलाई के महीने में बिहार बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष बने थे। दिलीप जायसवाल नीतीश सरकार में भूमि एवं राजस्व सुधार मंत्री भी थे। लेकिन कार्यकारी अध्यक्ष बनने के करीब 7 महीने बाद दिलीप जायसवाल ने नीतीश कैबिनेट से यह कहते हुए हाल ही में अपना इस्तीफा दे दिया कि वो पार्टी के एक व्यक्ति एक पद के मंत्र को फॉलो कर रहे हैं। दिलीप जायसवाल के इस्तीफे के बाद उनका अब विधिवत उन्हें बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

देश में फंडिंग को लेकर तेज हुई सियासत, क्या विदेशी ताकतों के हाथों में खेलने को मजबूर हुआ विपक्ष?

एजेंसी

नई दिल्ली: हाल ही में भारत में अमेरिकी एजेंसी वरअक्क्ऊ की फंडिंग को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से खंडन किया है जिसमें कहा गया था कि वरअक्क्ऊकी धनराशि का उपयोग भारत में मतदाता, मतदान को प्रभावित करने के लिए किया गया था। आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि वरअक्क्ऊकी वित्तीय भागीदारी भारत में केवल विकास परियोजनाओं तक सीमित है और इसका चुनावी प्रक्रियाओं से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, कांग्रेस ने इस मुद्दे को सरकार के खिलाफ हथियार बनाते हुए अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश की है। हाल ही में वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वरअक्क्ऊभारत में सात परियोजनाओं में शामिल था, जिसमें कुल 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग थी। ये परियोजनाएं मुख्य रूप से कृषि, जल स्वच्छता, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य से संबंधित थीं। इनमें मतदाता मतदान को प्रभावित करने का कोई उल्लेख नहीं था। डोनाल्ड ट्रंप के आरोपों के विपरीत, जांच रिपोर्टों से पता चला कि जिस 21 मिलियन डॉलर की बात हो रही थी, वह वास्तव में 2022 में बांग्लादेश को दी गई राशि थी, जिसका उपयोग 2024 के चुनावों से पहले छात्रों के राजनीतिक और नागरिक जुड़ाव को बढ़ाने के लिए किया गया था। इस 21 मिलियन में से 13.4 मिलियन डॉलर पहले ही जारी किए जा चुके थे। इसके बावजूद ट्रंप द्वारा इस मुद्दे को बार-बार दुहराने से कूटनीतिक स्थिति और उलझ गई।

हमारे चाहने वाले उधर भी हैं, नीतीश सरकार गिरने के दावे पर विधानसभा में मंत्री ने ली चुटकी

एजेंसी

पटना: बिहार विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच मंगलवार को खट्टी-मीठी नोंकझोंक देखने को मिली। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही लालू एवं तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक ललित यादव ने सत्ता पक्ष के सदस्यों की कम संख्या पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि आज नीतीश सरकार गिर सकती है। इस पर नीतीश सरकार में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) कोटे के मंत्री विजय चौधरी ने तुरंत विपक्ष को जवाब दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारे चाहने वाले तो उधर (विपक्षी खेमे में) भी बैठे हैं। मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर नंद किशोर यादव ने प्रश्नोत्तर काल शुरू करने का निर्देश दिया। तभी विपक्षी खेमे में बैठे आरजेडी विधायक ललित यादव ने सत्ता पक्ष पर तंज कसना शुरू किया। उन्होंने स्पीकर से कहा कि आज सरकार गिर स?ैबाकती है क्योंकि सत्ता पक्ष के सदस्यों की संख्या सदन में बहुत कम है। इस पर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बगल में बैठे मंत्री विजय कुमार चौधरी उठे।

किसी को मियां-तियां या पाकिस्तानी कहना गलत, लेकिन अपराध नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि मियां-तियां या पाकिस्तानीजैसे शब्दों का इस्तेमाल गलत हो सकता है। लेकिन यह कोई आपराधिक अपराध नहीं है। यह फैसला ऐसी टिप्पणी करने के आरोपी 80 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामले को रद्द करते हुए आया। न्यायाधीश बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता पर मुखबिर को 'मियां-तियां' और 'पाकिस्तानी' कहकर उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है। निस्संदेह, दिए गए बयान खराब स्वाद वाले हैं। हालाँकि, यह मुखबिर की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के समान नहीं है। यह मामला उर्दू अनुवादक और

कार्यवाहक क्लर्क (सूचना का अधिकार) मोहम्मद शमीम उद्दीन की शिकायत के आधार पर झारखंड के बोकारो में दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) से उत्पन्न हुआ है। शिकायत के अनुसार, 80 वर्षीय व्यक्ति हरि नंदन सिंह ने कथित तौर पर सांप्रदायिक अपशब्दों का उपयोग करके शिकायतकर्ता का अपमान किया और उसके खिलाफ आपराधिक बल का प्रयोग किया, जबकि वह अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन कर रहा था। इस घटना के कारण आईपीसी की धारा 298 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना), 504 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करना), 506 (आपराधिक धमकी), 353 (लोक सेवक को ड्यूटी से रोकने के लिए हमला करना) और 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच पूरी होने पर, पुलिस ने आरोप पत्र दायर किया।

औरंगजेब विवाद पर अबू आजमी ने दी सफाई, बोले- मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़कर किया गया पेश

एजेंसी

महाराष्ट्र: मुगल शासक औरंगजेब को 'अच्छा प्रशासक' बताकर बड़ा विवाद खड़ा करने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक अबू आजमी ने अपना बयान वापस लेते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि इस मुद्दे को शांत कर दिया जाए। औरंगजेब की प्रशंसा के बाद सपा के महाराष्ट्र अध्यक्ष आजमी की भारी आलोचना हुई। बॉलीवुड फिल्म छावा में ऐतिहासिक चित्रणों पर टिप्पणी करते हुए, आजमी ने दावा किया कि इतिहास ने औरंगजेब की विरासत को विकृत कर दिया है और

वह एक क्रूर शासक नहीं था। अबू आजमी ने कहा कि अगर मेरे बयान से लोगों को ठेस पहुंची है तो मैं अपना बयान वापस लेता हूं। मैंने कभी बड़े लोगों के खिलाफ बुरा नहीं बोला। इस मुद्दे पर विधानसभा की कार्यवाही रोकना महाराष्ट्र की जनता के साथ अन्याय होगा, मैं अपना बयान वापस लेता हूं, मैं चाहता हूं कि मामले को शांत किया जाए। उन्होंने कहा कि मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर दिखाया गया है। औरंगजेब रहमतुल्लाह अलेह के बारे में मैंने वही कहा है जो इतिहासकरों और लेखकों ने कहा है। मैंने छत्रपति शिवाजी महाराज, संभाजी महाराज या अन्य किसी भी महापुरषों के बारे में कोई अपमानजनक टिपण्णी नहीं की है - लेकिन फिर भी मेरी इस बात से कोई आहत हुआ है तो मैं अपने शब्द, अपना स्टेटमेंट वापस लेता हूँ।

क्या बिहार में भी BJP लेकर आएगी महिलाओं के लिए लाडली बहन योजना? मिला ये जवाब

एजेंसी

पटना: बिहार में विधानसभा चुनाव छह महीने दूर हैं और राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए अभी से ही राज्य के कोने-कोने का दौरा कर रहे हैं। टकराव की तीव्रता इतनी है कि विपक्षी राष्ट्रीय जन दल (राजद) ने पहले ही अपने प्रमुख वादों की घोषणा कर दी है, जिसमें राज्य की महिलाओं को माई बहिन मान योजना के तहत प्रति माह 2,500 रुपये और अन्य पेंशन वृद्धि लाभ शामिल हैं। 'माई बहिन मान योजना' मध्य प्रदेश में

भाजपा द्वारा शुरू की गई 'लाडली बहन योजना' के समान है। तब से, भाजपा ने इस योजना को महाराष्ट्र और दिल्ली में दोहराया है, और दोनों राज्यों में जीत हासिल की है। कांग्रेस ने भी इस योजना की नकल की और झामुमो के साथ गठबंधन करके कर्नाटक और झारखंड में जीत हासिल की। अब सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या बीजेपी एक बार फिर बिहार में भी यह योजना लाएगी? सवालों पर पलटवार करते हुए बीजेपी नेता और पूर्व एमएलसी रणबीर नंदन ने कहा कि चुनावी गणित के आधार पर संबंधित राज्यों में योजनाओं के फैसले लिए जाते हैं। नंदन ने कहा कि जहां तक ??महिला सम्मान योजना जैसी योजनाओं का सवाल है, हम आने वाले महीनों में एक साथ बैठेंगे।

धनंजय मुंडे ने महाराष्ट्र के मंत्री पद से इस्तीफा दिया, सरपंच हत्याकांड में जुड़ा था नाममहाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री धनंजय मुंडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है

एजेंसी

महाराष्ट्र: कैबिनेट मंत्री धनंजय मुंडे को इस्तीफा देने के लिए कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था। धनंजय मुंडे का इस्तीफा पीए प्रशांत जोशी ने मुख्यमंत्री को सौंपा है। बता दें कि इसकी जानकारी खुद देवेंद्र फडणवीस ने भी दी है। उन्होंने बताया कि धनंजय मुंडे ने इस्तीफा अपना मुझे सौंपा है। उनका इस्तीफा स्वीकार किया गया है। अब राज्यपाल के पास आगे की कार्रवाई के लिए उनका इस्तीफा भेजा जाएगा। गौरतलब है कि धनंजय मुंडे तब से चर्चा में आ गए हैं जबसे उनके करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड का नाम सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में जुड़ा है। मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड को संतोष देशमुख की हत्या के मामले में आरोपी बनाया गया है। वहीं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार की रात को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। उन्होंने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में अपराध अन्वेषण विभाग की ओर से आरोपपत्र दायर करने पर चर्चा की थी। इस मामले में ही कराड को आरोपी बनाया गया है। बता दें कि धनंजय मुंडे बीड जिले के परली से एनसीपी के विधायक हैं। महाराष्ट्र सरकार में उनके पास खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय था। इस पद को संभालने से पहले वो बीड के संरक्षक मंत्री रह चुके है। एनसीपी प्रमुख अजित पवार पुणे के साथ बीड जिले के संरक्षक थे। जानकारी के मुताबिक बीड के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख को नौ दिसंबर 2024 को अगवा किया गया था। देशमुख ने एक ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर की जा रही जबरन वसूली के प्रयास को रोकने की कोशिश की थी। इस कारण देशमुख को अगवा किया गया और बाद में उनकी हत्या की गई थी।

नीतीश और निशांत पर घमासान; विधानसभा में तेजस्वी और सम्राट चौधरी के बीच तीखी नोकझोंक

एजेंसी

पटना: बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर जवाब देते हुए नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और तेजस्वी के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। जिसके बाद सदन में हंगामा शुरू गया। स्पीकर नंद किशोर यादव ने किसी तरह मामला शांत कराया। दरअसल तेस्जवी ने सम्राट चौधरी के पिता का नाम लिए बिना कहा कि नीतीश कुमार के बारे में क्या बोलते थे, वो किसी से छिपा नहीं है। क्या आपके पिताजी ने मुख्यमंत्री के लिए अपशब्द नहीं बोला? नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के बारे में क्या बोला था। अगर नहीं बोले थे, तो खड़े होकर बोलिए। जिसके बाद सम्राट चौधरी भी भड़के गए, उन्होने कहा कि नेता

विरोधी के तौर पर अपना भाषण दीजिए। आपके पिताजी ने क्या क्या बोला? यह बताइए। मैं तो जेल भी गया था। लालू जी ने लाठी से मुझको पिटवाया, यह भी मैं नहीं भुला हूं। इसके बाद राजद और भाजपा के विधायक हंगामा करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने दोनों पक्षों को शांत करवाते हुए कहा कि आपलोग एक-दूसरे पर व्यक्तिगत आक्षेप मत कीजिए। इससे पहले सम्राट चौधरी पर तंज कसते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि कि वो असली भाजपाई नहीं हैं। इस पर सम्राट चौधरी ने कहा कि जो नकली समाजवादी हैं। उन्हें सब नकली ही लगता है। इनको लगता है समाजवाद पर इनके परिवार का ही कब्जा रहा है। तब तेजस्वी यादव ने सम्राट से पूछा कि आप आरएसएस कब ज्वाइन किए? आप नागपुर गए कब थे? इस पर सम्राट चौधरी भड़क गए और भाजपा विधायक हंगामा करने लगे। उधर तेज प्रताप यादव भी उंगली दिखाते हुए सम्राट चौधरी को चुप रहने के लिए कहते रहे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू यादव ने 150 साल के जुर्म को चंद सालों में खत्म कर दिया। उन्होंने दलितों, पिछड़ों और मुसलमानों को उपहार दिया। 1990 के बाद लालू जी ने दंगे नहीं होने दिए। दंगा फैलाने वाले को उन्होंने बिहार की जमीन पर गिरफ्तार करवाया। लालू जी ने हर जात के लोगों को मंत्री, एमएलसी, एमपी और एमएलए बनाया।

समाजसेवी राजू सहनी के टीम ने अग्नि पीड़ितों को राशन मुहैया कराया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर प्रखंड मुख्यालय से सटे भगवानपुर कमला गांव निवासी समाजसेवी भाई राजू सहनी पर इन दिनों एक कहावत काफी सटीक बैठती है। जहां ना पहुंचे रवि, वहां पहुंचे कवि अर्थात जिस जगह पर सूर्यदेव की रोशनी भी नही पहुंच पाती है। वहां हमारे कवि पहुंच जाते हैं और आजकल इस कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं समाजसेवी भाई राजू सहनी। ताजा मामला भी उजियारपुर प्रखंड मुख्यालय का ही है। जहां रायपुर पंचायत के उजियारपुर गांव में सोमवार 03 मार्च की अहले सुबह खाना बनाने के दौरान सिलेण्डर के लीकेज होने घर में आग लग गयी। जिसमें विशुनदेव महतो व उनके दोनों बेटे हरिवंश कुमार तथा शत्रुघन कुमार का घर व घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। इस

दौरान खाना बना रही महिला पूजा कुमारी भी घर में जल रहे सामानों को बचाने के दौरान इस अगलगी की घटना में झुलस गयी। जिन्हें ईलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उजियारपुर में भर्ती कराया गया। जहां घायल महिला का ईलाज भी किया जा रहा है। इसी दौरान इस घटना की सूचना जैसे ही स्थानीय समाजसेवी उजियारपुर प्रखंड के भगवानपुर कमला गांव निवासी, भाई राजू सहनी को हुई, उन्होंने तत्काल अपने टीम के लोगों को पीड़ित परिवार से मिलने भेज दिया, तथा मौके पर ही निजि कोष से करीब 25-30 हजार का राशन के सामान के साथ साथ बर्तन, कपड़े व इस अगलगी की घटना में झुलसी महिला के ईलाज के लिए नकद राशि भी उपलब्ध करा दिया। वहीं सारा सामान व नकद राशि पाने के बाद पीड़ित लोगों के चेहरे पर काफी संतोष का भाव दिखाई दे रहा था। इस दौरान पीड़ित लोगों ने बताना कि 03 मार्च की सुबह खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में रिसाव रहने के कारण सिलेंडर सहित घर में भी आग लग गया था। सुबह का समय होने के कारण स्थानीय ग्रामीण घर पर ही थे। आग की लपटें देखकर सभी ग्रामीण उनके घर पर पहुंचे, तथा आग पर काबू पाये, लेकिन तब तक घर में रखा उनके दोनों भाईयों का सारा सामान जलकर राख हो गया। जिसके कारण वह सपरिवार बेघर हो गये हैं। पीड़ित परिवार ने बताया कि इस अगलगी की घटना में घर में रखा खाद्यान्न, बिस्तर, कपड़े, बर्तन एवं नगद रुपये तक जलकर राख हो गये। पीड़ित युवक ने यह भी बताया कि उजियारपुर के अंचलाधिकारी आकाश कुमार के द्वारा सहायता के नाम पर एक मात्र पॉलिथिन उपलब्ध कराया गया है। इस दौरान अग्नि पीड़ित युवक शत्रुघन कुमार ने समाजसेवी राजू सहनी का धन्यवाद करते हुए बताया कि पहले तो खबर में पढ़ते थे कि समाजसेवी राजू सहनी के द्वारा किसी भी प्रकार की परेशानी में फंसे लोगों की सहायता की जाती है, लेकिन आज उन्होंने देख भी लिया।

एक पेड़ बेटी के नाम अभियान का हुआ शुभारंभ, पर्यावरण सुरक्षा के साथ बेटियों को मिलेगा सम्मान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण जिले के अमनौर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में डीपीओ अनुपमा सिन्हा के आदेशानुसार सीडीपीओ सौम्या के निदेशानुसार आंगनबाड़ी केंद्रों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का जिले से पहुंची निभा कुमारी ने निरीक्षण किया। पौधारोपण कार्यक्रम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत आयोजित किया गया जिसमे एक पेड़ बेटी के नाम से लगाया गया। महिला पर्यवेक्षिका खुशबू कुमारी ने रसूलपुर, हुसैपुर, मदारपुर समेत अन्य पंचायतों के आंगनवाड़ी केन्द्रों पर कार्यक्रम आयोजित किया और पौधारोपण करा कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका खुशबू कुमारी ने बताया कि गांवों में आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बेटियों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल "एक पेड़, बेटी के नाम" अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान का उद्देश्य न केवल बेटियों के प्रति समाज में सम्मान बढ़ाना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। इस पहल के तहत प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र पर बेटी के नाम पर एक पेड़ लगाया जाएगा, जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। यह कदम जहां बेटियों के प्रति समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव लाएगा, वहीं पर्यावरण को संरक्षित करने में भी मदद करेगा। सीडीपीओ सौम्या ने बताया कि पेड़ न केवल पर्यावरण को हरा-भरा रखते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को भी कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अज्ञात वाहन के ठोकर से बाईक सवार युवक की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। अज्ञात वाहन की टक्कर हो जाने से एक बाईक सवार युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान हलई थाना क्षेत्र के मालपुर गांव निवासी शिव किशोर मिश्रा के 33 वर्षीय पुत्र नव प्रभात कुमार के रूप में हुई है। घटना जिले के पटोरी थाना क्षेत्र के आरती जगदीश महिला कॉलेज रोड में सोमवार की रात हुई।

घटना की सूचना मिलने पर पटोरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। वही पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। वहीं अज्ञात वाहन की तलाश जारी है। इस घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि नव प्रभात रात में अपने किसी दोस्त के घर दावत में भोजन करने गया था। देर रात वह भोजन कर बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान आरती जगदीश महिला कॉलेज रोड पटोरी के पास किसी वाहन से उसकी टक्कर हो गई, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। घटना के दौरान ही उसकी मौत हो गई। परिजनों को घटना की जानकारी काफी बाद में हुई। हालांकि घटना की सुचना के बाद पहुंचे परिजन उसे अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना को लेकर पटोरी के डीएसपी बीके मेधावी ने बताया कि बीती रात बाइक और वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना को लेकर पटोरी थाने में अज्ञात वाहन मालिक पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

डॉ राजीव मिश्रा का निधन, राजद परिवार ने जताया शोक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले लोकप्रिय चिकित्सक डॉ राजीव मिश्रा के निधन पर स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, पूर्व विधान पार्षद सह राजद जिलाध्यक्ष रोमा भारती, प्रदेश महासचिव मो फैजुर रहमान फैज, विपीन सहनी, राकेश कुमार ठाकुर, ललन यादव, सत्यविन्द पासवान, राम विनोद पासवान, जिला महासचिव मो परवेज आलम, राजेन्द्र राम, महेश राम, सचिव रोशन यादव, राकेश यादव, संतोष कुमार यादव, राजीव राय, चंदन कुमार, मुकेश कुमार, लक्ष्मण पासवान, एस के निराला, मोङ्ग शाहिद हुसैन, जयशंकर ठाकुर, रंजीत कुमार रंभू तथा संदीप सरकार आदि ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। स्थानीय विधायक सह बिहार विधान सभा के मुख्य सचेतक

अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि घटना बेहद दुःखद है तथा वे बेहद मर्माहत है। उन्होंने कहा कि एक लोकप्रिय समाजसेवी व चर्चित चिकित्सक के रूप में राजीव सदैव याद आते रहेंगे।

सात मार्च को डीपीओ के समक्ष होगा धरना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ कल्याणपुर की कमिटी की आवश्यक बैठक प्रखंड मुख्यालय में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जय किशोर राय ने की। उन्होंने बैठक के माध्यम से कहा कि पदाधिकारियों के उदासीनता के कारण जीओबी से वेतन पाने वाले नियोजित शिक्षकों एवं विशिष्ट शिक्षकों को विगत दो महीनों से वेतन लंबित है। सरकार एवं पदाधिकारी शिक्षकों की समस्याओं को नजर अंदाज कर सिर्फ शोषण को उतारू है। स्नातक ग्रेड व प्रधानाध्यापक में प्रोन्नति, विशिष्ट को सेवा निरंतरता एवं पूर्ण वेतन संरक्षण के साथ भुगतान, सेवापूर्व नियोजित शिक्षकों का वेतन सुधारते हुए अंतर वेतन भुगतान, विद्यालय अध्यापक का वार्षिक वेतन वृद्धि, वेतन विसंगति सुधार आदि को लेकर 7 मार्च को होने वाले धरना में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील शिक्षको से किया। बैठक में अजीत देव, फरीदा खातून, अभय कुमार, चंद्रभूषण शर्मा, रंजेश कुमार, नीरज कुमार, वरूण गोविंद, राजेश राय आदि मौजूद थे।

पुलिस ने वारंटी को पकड़कर भेजा जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के अंतर्गत चकमहेसी थाना की पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर थाना क्षेत्र के बसुवाड़ी गांव में छापेमारी कर एक एनबीब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार किया। इस संबंध में थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि गुप्त सूचना मिलते ही थाने से अवर निरीक्षक शेखर सुमन को दलबल के साथ भेजा गया, जहां से स्वर्गीय राम लगन दास के पुत्र उमेश दास को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

चूल्हे की चिंगारी से 09 घरों में लगी आग, पांच घर जलकर हुआ राख, चार घर आंशिक रूप से जला है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के तहत चकमेहसी थाना क्षेत्र के सोरमार पंचायत श्रीनाथ पारन गांव में आग लगने से एक साथ 5 घर जलकर राख हो गया, जबकि 4 घर आंशिक रूप से जला है। इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार श्रीनाथ पारन गांव में मंगलवार को एक घर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपेटे ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर कल्याणपुर थाने से पहुंची अग्निशामक दस्ता दल ने ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि जबतक आग पर काबू पाया जाता, तबतक 5 घर जलकर राख हो गया। जबकि 4 को आंशिक क्षति हुई। आग लगने का कारण चूल्हे से निकली चिंगारी से आग लगना बताया गया है। आग लगने से घर में रखे अनाज, कपड़ा, बर्तन आदि सामान जलकर राख हो गया। आग लगने से लाखों रुपए की संपत्ति खाक होने का अनुमान लगाना गया है। पीड़ित परिवारो में माधो दास, टुनटुन दास, पिंकी देवी, सोनू दास, संदीप दास, माखन दास, विकास सहनी, पंकज सहनी, मिथिलेश सहनी का घर बताया गया है। इस संबंध में कल्याणपुर सीओ शशि रंजन ने बताया कि आग लगने की सूचना मिली है। जांच के लिए हल्का कर्मचारी को भेजा जाएगा उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिवान में बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर बाइक सवार की मौत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान पचरुखी 4 मार्च मंगलवार। सराय ओपी थाना क्षेत्र के सिवान छपरा मुख्य मार्ग पर चांप प्राथमिक मकतब के समीप बेकाबू ट्रक ने छपरा जिला के दाउदपुर निवासी उपेन्द्र सिंह को टक्कर मार दिया जिनकी मौत घटना स्थल पर हो गई। घटना के बाद मौके पर ही ट्रक चालक ट्रक छोड़ कर फरार हो गया। वही स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना सराय ओपी थाना को दी जहां पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल सिवान भेज दिया। मृतक की शिनाख्त उनके पॉकेट में रखे कागजात से की और परिजनों को सूचित कर दिया जहां परिजन शव को लेकर चले गए।

मशरक में निजी कृषि क्लीनिक से कृषि उपकरण चोरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक मलमलिया रोड में किराए के मकान में खुले निजी कृषि क्लीनिक से अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की घटना सामने आई है। हालांकि चोरी की घटना को लेकर अलग-अलग चचाओं का बाजार गर्म है। हसनैन अंसारी पिता रउफ अंसारी ने बताया कि उसने कृषि विभाग से अनुदान लेकर निजी कृषि क्लीनिक खोलें हों जिसमें से अज्ञात चोरों के द्वारा लाखों रूपए का सामान चोरी कर ली गई है। थाना पुलिस को आवेदन दिया गया।

मशरक में बाइक दुर्घटना में वृद्ध महिला घायल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक छपरा मुख्य मार्ग पर प्रखंड कार्यालय परिसर के मुख्य गेट पर बाइक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल वृद्ध महिला को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल मढ़ौरा थाना क्षेत्र के मोथहा गांव निवासी मोगल महतो की 60 वर्षीय पत्नी हेवाती देवी हैं। वृद्ध महिला बाइक पर सवार होकर बकवा से गौरा होकर घर जा रही थी। जहां से वृद्ध महिला को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया।

जदयू परिवार ने दिया दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

लोहिया आश्रम में जिला जदयू कार्यकारिणी के बैठक में दिवंगत जदयू नेता उपेंद्र पोद्दार एवं हरिश्चन्द्र पोद्दार के असामयिक निधन पर मौन धारण कर शोक प्रकट किया गया।

समस्तीपुर। सोमवार को लोहिया आश्रम में जिला जदयू कार्यकारिणी के बैठक में दिवंगत जदयू नेता उपेंद्र पोद्दार एवं हरिश्चन्द्र पोद्दार के असामयिक निधन पर मौन धारण कर शोक प्रकट किया गया। जिलाध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने कहा कि उनके निधन से पूरा जदयू परिवार शोकाकुल है और दुःख की इस घड़ी में मृत आत्मा कि शांति के लिए तथा परिवार के सदस्यों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना करते हैं। दोनो दिवंगत नेता आखिरी समय तक पार्टी के मजबूती के लिए काम कर रहे थे। उनका निधन पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति है। शोक व्यक्त करने वालों में जिला जदयू संगठन प्रभारी भूमिपाल राय पूर्व सांसद अश्वमेघ देवी, प्रो तकी अख्तर, सुबोध कुमार सिंह, रामबहादुर सिंह, धर्मदेव सिंह कुशवाहा, अनस रिजवान, दिनेश सिंह, अरुण पासवान, अशरफी सहनी, विरेन्द्र सिंह, प्रेम पासवान, रंजीत महतो, पूर्व प्रमुख शिव शंकर महतो, जिला सचिव संतोष कुमार साह, अब्दुस समद खां, अफजाल अहमद उर्फ उजाले, मो तौहीद अंसारी, आलोक कुमार सिंह आदि ने शोक प्रकट किया है

अलबेंडाजोल की दवा खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर उप स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ हैदर एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी श्रीमती मीरा कुमारी, यूनीसेफ बीएमसी शंकर सुमन महिला पर्यवेक्षिका अंजू कुमारी के द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 64 मिल्की रमौली में बच्चों को अलबेंडाजोल की दवा खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा स्वास्थ्य उपकेंद्र मधुरापुर टारा एवं सोमनाहा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में सीएचओ आयुष कुमार एवं एएनएम स्मिता राज उपस्थित थी, जबकि एएनएम रीता कुमारी एवं सुन्दर कुमारी अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थी। वही स्वास्थ्य उपकेंद्र सोमनाहा में सीएचओ सुरभि कमल उपस्थित थी, जबकि वहां उपस्थित तीन एएनएम में सभी एएनएम सुनीता कुमारी, नीलम कुमारी एवं सीता कुमारी बिना किसी पूर्व सूचना के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थी। प्रभारी ने अनुपस्थित एएनएम से स्पष्टीकरण के साथ उचित कार्रवाई करने की बात कही है।

वाराणसी मण्डल के बैतालपुर - देवरिया सदर स्टेशन के मध्य ऑटोमेटिक सिगनलिंग के कमीशनिंग एवं नान-इण्टरलॉक कार्य के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में किया गया बदलाव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रेलवे द्वारा आधारभूत संरचना में विस्तार के क्रम में वाराणसी मण्डल के गोरखपुर कैण्ट - भटनी रेल खण्ड पर बैतालपुर - देवरिया सदर स्टेशन के मध्य ऑटोमेटिक सिगनलिंग के कमीशनिंग एवं नान - इण्टरलॉक कार्य हेतु ब्लाक दिए जाने के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है। परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें :- कटिहार से 06 मार्च, 2025 को खुलने वाली 15707 कटिहार - अमृतसर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग सीवान - भटनी - गोरखपुर कैण्ट के स्थान पर परिवर्तित मार्ग सीवान - थावे - कप्तानगंज - गोरखपुर कैण्ट के रास्ते

चलाई जाएगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव देवरिया सदर स्टेशन पर नही रहेगा। नई दिल्ली से 05 मार्च, 2025 को खुलने वाली 12554 नई दिल्ली - सहरसा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग गोरखपुर कैण्ट - भटनी - सीवान के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोरखपुर कैण्ट - कप्तानगंज - थावे - सीवान के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव देवरिया सदर स्टेशन पर नही रहेगा। अमृतसर से 05 मार्च, 2025 को खुलने वाली 14604 अमृतसर - सहरसा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग गोरखपुर कैण्ट - भटनी - सीवान के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोरखपुर कैण्ट - कप्तानगंज - थावे - सीवान के रास्ते चलाई जाएगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव देवरिया सदर स्टेशन पर नही रहेगा। नियंत्रित कर चलायी जाने वाली ट्रेन :- काठगोदाम से 05 मार्च, 2025 को खुलने वाली 13020 काठगोदाम - हावड़ा एक्सप्रेस पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में 90 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी। पुनर्निर्धारित कर चलायी जाने वाली ट्रेन - दरभंगा से 06 मार्च 2025 को खुलने वाली 02569 दरभंगा - नई दिल्ली स्पेशल दरभंगा से 120 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी

08 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- 08 मार्च 2025 (शनिवार) को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री विनोद कुमार तिवारी ने अलग अलग विभिन्न विभागों के पदाधिकारी के साथ समीक्षात्मक बैठक किया।

उन्होंने दावा वादों,ग्राम कचहरी के मामले,विभिन्न सरकारी विभागों के मामले एवं बैंक ऋण संबंधी मामलों के चयन,प्रि काउंसलिंग,निष्पादन के लिए अंतिम रूप से तैयार मामलों की समीक्षा किया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि बीमा कंपनियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की जरूरत है।

उन्होंने प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारियों को ग्राम कचहरियों में लंबित मामलों को निष्पादित कराने का लक्ष्य दिया। पिछले लोक अदालत में बेहतर प्रदर्शन के लिए बीपीआरओ केवटी एवं बीपीआरओ गौड़ाबौराम को सम्मानित भी किया गया।

विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान प्रधान जिला सत्र ने ऋणधारकों को लोक अदालत में विशेष छूट उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

दूसरी ओर विद्युत,मापतौल,श्रम आदि विभागों के अधिकारियों के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रंजन देव ने समीक्षात्मक बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 08 मार्च को वर्ष का प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत है और इसे सफल बनाने के लिए सभी तरह की तैयारियां की जा रही है।

बैठक के दौरान बिहार मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण दरभंगा प्रमंडल के अध्यक्ष एवं विशेष उत्पाद न्यायाधीश द्वितीय श्री रविशंकर कुमार भी मौजूद थे।

बिहार राज्य अस्मिता खेलो इंडिया अंडर 13 बालिका फुटबॉल लीग चैंपियनशिप के दूसरे दिन रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकैडमी और बेतियां की जीत

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा।बिहार राज्य फुटबॉल संघ द्वारा मैरवा के रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया अंडर 13 बालिका फुटबॉल चैंपियनशिप के दूसरे दिन बेतियां और रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी ने जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया ।4 मार्च को पहले मैच में मढ़ौरा सारण तथा एफ एस एस ए के बीच कांटे के टक्कर में मैच बराबरी पर रहा वहीं रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकैडमी की टीम ने विद्यापति फुटबॉल क्लब समस्तीपुर को 5-1 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया वहीं बेतियां की टीम ने खेलो इंडिया स्माल सेंटर सिवान को 4-1 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी की खिलाड़ी पिंकी को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। इस मैच के मुख्य रेफरी धर्मनाथ यादव,एकराम अली,विक्रमा यादव एवं बबलू खान रहे ।मैच प्रारंभ होने के पूर्व भारतीय खेल प्राधिकरण के पर्यवेक्षक मनीष कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया ।इस अवसर पर बिहार फुटबॉल संघ के तकनीकी पदाधिकारी ऋषिकेश कुमार सिंह ,आर एल बी एस ए फाउंडेशन के निदेशक राजीव लोचन मिश्रा, रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी की खेल पदाधिकारी सलमा खातून, अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी खुशबू कुमारी, एन आई एस कोच रंजीत लकड़ा सहित सैकड़ो की संख्या में खिलाड़ी एवं दर्शक उपस्थित रहे।

आर्केस्ट्रा में नाबालिगों के शोषण के मामले में सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई,

पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देश पर विगत वर्ष से अबतक सारण जिलान्तर्गत कुल-116 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराकर 16 कांड दर्ज करते हुए 47 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया, शेष अभियुक्तों के विरूद्ध अनुसंधान जारी है।

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

एसपी सारण के निर्देश पर विभिन्न थानों के टीम द्वारा आज अहले सुबह छापामारी कर 14 नाबालिग लड़कियों को कराया गया मुक्त।

आपरेशन में चाइल्ड लाइन छपरा और मिशन मुक्ति NGO के सदस्य भी रहे शामिल ।

विगत वर्ष से अबतक अभियान चलाकर कुल-116 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराकर 16 कांड दर्ज करते हुए 47 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

दिनांक 04.03.2025 को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पत्र के आलोक में पुलिस अधीक्षक सारण के निदेशानुसार महिला थाना द्वारा टीम गठित कर गरखा, अमनौर एवं दरियापुर थानान्तर्गत आर्केस्ट्रा का विधिवत घेराबंदी कर छापामारी किया गया।इस क्रम में जबरन प्रताड़ित कर आर्केस्ट्रा में नृत्य करवाये जाने वाली 14 नाबालिग लड़कियों जिनमें देवरिया (उत्तर प्रदेश)-05. कुच पश्चिम बंगाल-09 को मुक्त कराया गया तथा आर्केस्ट्रा के संचालकों के विरूद्ध महिला थाना कांड सं0-19/25, दिनांक-04.03.2025 दर्ज कर अग्रतर करवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देश पर विगत वर्ष से अबतक सारण जिलान्तर्गत कुल-116 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराकर 16 कांड दर्ज करते हुए 47 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया, शेष अभियुक्तों के विरूद्ध अनुसंधान जारी है।

> छापामारी दल में शामिल सदस्य :-

1. थानाध्यक्ष महिला /गरखा/अमनौर / दरियापुर थाना एवं अन्य पदाधिकारी/कर्मी।
2. NGO मिशन मुक्ति के सदस्य एवं चाइल्ड लाईन छपरा।

उल्लेखनीय है की सारण पुलिस द्वारा लगातार ये अभियान चलाया जा रहा है। जनता से सुचना और सहयोग की अपील है।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पुलिस मुख्यालय द्वारा होली पर्व के अवसर पर आयोजित विशेष समकालीन अभियान के तहत वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण निदेर्शानुसार पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), सारण के नेतृत्व में अवैध शराब कारोबारियों के विरूद्ध सतत निगरानी रखते हुए आसूचना संकलन किया जा रहा था

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

सोनपुर थानान्तर्गत वृन्दावन कॉलोनी से कुल-6912 ली० विदेशी शराब बरामद कर 01 हाईवा ट्रक, 01 पिकअप, 02 मोटरसाइकिल एवं 02 कार को किया गया जप्त।

पुलिस मुख्यालय द्वारा होली पर्व के अवसर पर आयोजित विशेष समकालीन अभियान के तहत वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण निदेर्शानुसार पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), सारण के नेतृत्व में अवैध शराब कारोबारियों के विरूद्ध सतत निगरानी रखते हुए आसूचना संकलन किया जा रहा था इसी क्रम में सोनपुर थाना को गुप्त सूचना मिली कि एक 18 चक्का हाईवा ट्रेलर में बने गुप्त तहखाने में बड़े पैमाने पर अंग्रेजी शराब बड़ी खेप उत्तर प्रदेश से सोनपुर थानान्तर्गत वृन्दावन कॉलोनी लाई जा रही है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वृन्दावन कॉलोनी पहुँच कर छापामारी प्रारंभकिया गया। छापामारी के क्रम में कुल-6912 ली0 विदेशी शराब की खेप बरामद कर शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन को जप्त किया गया। इस संबंध में सोनपुर थाना कांड सं0-186/25, दिनांक-04.03.25, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधि० दर्ज किया गया है। इस कांड में संलिप्त शराब तस्करों / कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। है।

>जप्त / बरामद सामानों की विवरणीः-

1. विदेशी शराब-6912 ली०,
2. हाईवा ट्रक- 01 (18 चक्का),
3. पिकअप-01,
4. कार-02,
5. मोटरसाइकिल-02

>टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी :-

1. 2. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर
3. थानाध्यक्ष सोनपुर थाना एवं थाना के अन्य कर्मी।

पूर्व से बकाया परिसर में पहले दिया दो- दो कनेक्शन, मामला फंसने पर जल्दबाजी में काटी लाईन, उखाड़ ले गए सही उपभोक्ता का मीटर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी।बिजली विभाग के रोज की नई नई अजीबोगरीब कारस्तानी से हर कोई वाकि फ हैं। इनका ये कारनामा आम जनता को केवल परेशानी में डालने के लिए ही किया जाता है। आवासीय परिसर में कई वर्षों पूर्व से बकाया था एक कंज्यूमर का विद्युत विपत्र और सात-आठ माह पूर्व दिया दूसरे के नाम से नया कनेक्शन । अपनी गर्दन फंसता देख विद्युत विभाग के कर्मियों ने न्यायिक विधी विरूद्ध जाकर एसडीओ साहब के आदेश से पहले काटी लाईन और नाकामी छुपाने के उद्देश्य से उखड़वा डाली मीटर। ऐसा हीं एक मामला नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड के विद्युत अवर प्रमंडल सीतामढ़ी (विद्युत आपूर्ति प्रशाखा सीतामढ़ी 3) शहरी अन्तर्गत पुनौरा थाना क्षेत्र के तलखापुर से सामने आया है जिसमें बिजली विभाग की करतूत सामने आने पर चारों तरफ तरह तरह की चचाएं हो

रहीं हैं। आपकों बता दें कि तलाखपुर निवासी बारीक खान ने बताया कि लगभग सात-आठ माह पूर्व हमने विद्युत विभाग से कनेक्शन लिया था। जिसका प्रीपेड मीटर के माध्यम से नियमित रीचार्ज. कराते हुए बिजली का उपभोग करते आ रहा था। अभी भी मेरे मीटर में 1300 रूपयों के आसपास शेष बैलेंस दिखा रहा है। बावजूद इसके दिनांक 25.02.2025 को दिन के करीब 01:35 अपराह्न में बिजली विभाग के मुकेश कुमार सहायक विद्युत अभियंता, (शहरी) सीतामढ़ी, प्रेम कुमार शरण कनीय विद्युत अभियंता सीतामढ़ी 3, मानव बल श्रवण कुमार एवं दिलीप कुमार समेत अन्य कर्मियों के साथ मेरे आवासीय परिसर में आए और मुझे बिना कोई सूचना दिए पोल से विद्युत आपूर्ति विच्छेद कर दिया और विधि विरूद्ध कार्य करते हुए मेरा प्रीपेड मीटर उखाड़ कर चलते बने। जाते जाते मेरे परिवार के महिला सदस्यों को यह कह गए कि 2लाख देकर भेजो, नहीं तो केश कर देंगे। बिजली विभाग की इस करतूत को लेकर पीड़ित ने सीतामढ़ी डीएम श्री रिची पाण्डे, सहायक विद्युत अभियन्ता, कनीय विद्युत अभियंता को लिखित आवेदन दे कर मामले में संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की माँग की है। पीड़ित ने इसकी सूचना लिखित आवेदन के रूप में देकर उक्त मामले में नामित सभी कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज करने हेतू पुनौरा थाना प्रभारी आलोक कुमार यादव को दी है। इधर बिजली विभाग अपनी गर्दन फंसते देख कनीय विद्युत अभियंता सीतामढ़ी 3 प्रेम कुमार शरण ने मूल तथ्य छुपाते हुए पुनौरा थाना में पीड़ित के खिलाफ बिजली बिल बकाया और विद्युत चोरी से सम्बंधित आवेदन दिया है। पुनौरा थाना प्रभारी आलोक कुमार यादव ने बताया कि दोनों पक्ष से आवेदन प्राप्त हुआ है, जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी ।एसडीओ सह सहायक विद्युत अभियंता (शहरी) सीतामढ़ी मुकेश कुमार ने बताया की।

बारीक खान के आवासीय परिसर में पूर्व से ही 1,87,607 रुपया बकाया निगेटिव रहने के कारण विच्छेद हो गया था। जिसके कारण नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड को 24,156 रुपए राजस्व की क्षति हुई हैं। इस प्रकार कुल 2,11,763 रुपए राजस्व की क्षति हुई है। भूलवश दूसरा कनेक्शन आवंटित कर दिया गया था।

पुलिस अधीक्षक सारण द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

आज दिनांक 04.03.2025 को पुलिस अधीक्षक सारण द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई।,जनसुनवाई में आए 34 आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।विदित हो कि पुलिस कार्यालय में सप्ताह में दो दिन सोमवार एवं शुक्रवार लाइव वेबिनार के माध्यम से एवं प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 11:00`. से 1:00स्त्र. तक जनसुनवाई की जाती है।

आयुक्त ने अधिरोपित किया जुमार्ना की राशि

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- प्रभारी पदाधिकारी लोक शिकायत निवारण कोषांग आयुक्त कार्यालय दरभंगा प्रमंडल दरभंगा द्वारा बताया गया कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 अन्तर्गत प्रथम अपील वाद डॉ० गणेश पंजियार में 07.02.2025 को सुनवाई के क्रम में असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, समस्तीपुर के अनुपस्थित रहने के कारण आयुक्त महोदय द्वारा खेद प्रकट किया गया।

अन्य प्रतिनिधि के भी उपस्थित नहीं रहने के कारण प्रधान सहायक,असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय,समस्तीपुर पर जुमार्ने की राशि 02 हजार रुपये अधिरोपित किया गया है।

उक्त जुमार्ने की राशि उक्त प्रधान सहायक से वसूल कर संबंधित शीर्ष में जमा कर ,अनुपालन
प्रतिवेदन यथाशीघ्र कार्यालय को उपलब्ध करायें ।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 अन्तर्गत प्रथम अपील वाद श्री अर्जुन महतो में दिनांक 07.02.2025 को सुनवाई के क्रम में जिला पंचायत राज पदाधिकारी,समस्तीपुर के अनुपस्थित रहने के कारण आयुक्त महोदय द्वारा खेद प्रकट किया गया। अन्य प्रतिनिधि के भी उपस्थित नहीं रहने के कारण प्रधान सहायक, जिला पंचायत राज कार्यालय, समस्तीपुर पर जुमार्ने की राशि 02 हजार रुपये) अधिरोपित किया गया है।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 अन्तर्गत प्रथम अपील वाद (श्री शिवशंकर सहनी) में दिनांक 07.02.2025 को सुनवाई के क्रम में जिला खनन कार्यालय, समस्तीपुर से प्राप्त प्रतिवेदन संतोषजनक नहीं रहने के कारण आयुक्त महोदय द्वारा खेद प्रकट किया और प्रधान सहायक,जिला खनन कार्यालय, समस्तीपुर पर जुमार्ने की राशि 04 हजार रुपये अधिरोपित किया गया है।

* उक्त जुमार्ने की राशि उपर्युक्त प्रधान सहायक से वसूल कर संबंधित शीर्ष में जमा करायें और अनुपालन प्रतिवेदन यथाशीघ्र कार्यालय को उपलब्ध करायें।

राजद नगर अध्यक्ष अजहर मिकरानी ने बजट को बताया गरीब विरोधी और चुनावी लॉलिपॉप

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता,ताजपुर / समस्तीपुर : - - ताजपुर राजद नगर अध्यक्ष अजहर मिकरानी ने बिहार विधान सभा में पेश बजट पर प्रेस विज्ञापन जारी कर अपनी प्रक्रिया व्यक्त किया है। राजद नेता कहा बिहार विधान सभा में वित्त मंत्री द्वारा वित्तीय वर्ष 2025/26 के लिए करीब 3.17 लाख करोड़ रुपयों का बजट पेश किया गया है लेकिन यह बजट पुरी तरह से चुनावी लॉलीपॉप हैं उन्होंने ने कहा इस बजट में बिहार के विकास के लिए बेहतर शिक्षा, स्वस्थ युवाओं को नौकरी देने की दिशा में कहीं कोई चर्चा नहीं की गई है जो बेहद दुर्भाग्य पूर्ण है इस बजट में छात्र युवाओं मजदूरों को दर किनार करना आगे आने वाले दिनों में नीतीश सरकार को बहुत महंगा पड़ेगा गरीब छात्र महिला विरोधी बजट के बाद बिहार विधान सभा चुनाव 2025 में जदयू भाजपा सहित एनडीए का सुपड़ा साफ होना है।

नई बस्ती मालवीय नगर में जन सुराज द्वारा जन संवाद कार्यक्रम आयोजित, बड़ी संख्या में लोगों ने ली पार्टी की सदस्यता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीवाने बिहार में आम से लेकर खास लोगों के बीच काफी तेजी से अपनी पहचान और पैठ बना रही चर्चित राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की राजनीतिक पार्टी जन सुराज द्वारा पूर्व नगर पार्षद और युवा नेता अभिनव कुमार उर्फ रानू के नई बस्ती महादेवा मालवीय नगर स्थित आवास पर जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जन सुराज के प्रदेश से आए अधिकारी आकाश भारद्वाज और उनकी टीम की देख रेख में आयोजित इस जन संवाद कार्यक्रम में नई बस्ती, महादेवा और मालवीय नगर के लोगों ने बड़ी संख्या में शिरकत किया। वहीं आकाश भारद्वाज ने उपस्थित लोगों को प्रशांत किशोर की सोच और जन सुराज के उद्देश्य और उसके एजेंडे के बारे में जानकारी दी। वहीं जन सुराज के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अभिनव कुमार उर्फ रानू ने कहा कि जहां बिहार में सभी दलों के नेता लोगों से वोट लेकर खुद का और अपने परिवार की भला करने की सोच रखते हैं, जबकि प्रशांत किशोर ऐसे व्यक्ति हैं जो खुद के बजाए बिहार और बिहारवासियों का भला करने की नीयत से जन सुराज की स्थापना कर पिछले तीन-चार वर्षों से दिन रात लगातार मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति में बदलाव लाकर एक स्वच्छ और ईमानदार सरकार बनाना चाहते हैं, जिसमें हम सभी का दायित्व बनता है कि हम उनके साथ होकर उनके इस नेक इरादे को मजबूती प्रदान कर धरातल पर लाने में सहयोग करें। अभिनव कुमार रानू ने बताया कि जन सुराज की सरकार बनाकर प्रशांत किशोर बिहार की स्थिति और दशा को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जन सुराज के मुख्य रूप से पांच महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिसमें सबसे पहले बिहार से युवाओं का पलायन रोकना, दूसरा 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले महिला और पुरुषों को 2000 रुपए का पेंशन, तीसरा महिलाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना, चौथा 15 साल तक बच्चों को विश्वस्तरीय निःशुल्क शिक्षा व्यवस्था और पांचवां किसानों की मदद के लिए मुफ्त के मजदूरों की व्यवस्था कराना शामिल है।

दो दिवसीय दौरे पर मुंगेर पहुंचे पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे

मुंगेर। पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे आईजी पद से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को पहली बार मुंगेर पहुंचे हैं। बता दें कि वो दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे है। उन्होंने मंगलवार की सुबह जमालपुर के जुबलीवेल चौक से रन फॉर सेल्फ कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में सैकड़ों युवाओं ने उनका साथ दिया। यह दौड़ का रूट जुबली बेल चौक से शुरू होकर सफिया बाद, छोटा मिजार्पुर, संदलपुर, कोणार्क मोड, कौडा मैदान और भगत सिंह चौक होते हुए मुंगेर के पोलो मैदान तक रहा। कुल 10 किलोमीटर की

इस दौड़ में लांडे रास्ते भर युवाओं से मिलते और बातचीत करते रहे। मुंगेर में यह दौरा शिवदीप लांडे के लिए खास जगह है। बता दें कि उन्होंने यहीं से प्रशिक्षु आईपीएस के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी। मुंगेर सीमा में प्रवेश करते ही समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने अपने परिवार के साथ कई ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण भी किया। मुंगेर को अपनी कर्मभूमि बताया लांडे ने मुंगेर को अपनी कर्मभूमि बताया है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करने के लिए रन फॉर सेल्फ कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान वे युवाओं के साथ जमालपुर से मुंगेर तक की दौड़ में शामिल रहे। कहा कि वो अपने परिवार के साथ मुंगेर आए है क्योंकि उनका कर्म भूमि मुंगेर है और कैरियर की शुरूआत भी यही से किया है। वही जब मीडिया ने पूछा कि क्या अपने कैरियर को लेकर कुछ बड़ा ऐलान भी करना चाहते है तो उन्होंने कहा कि अभी ऐसा कोई प्लान नहीं है वे अभी देख रहे की युवाओं कितना बदलाव को तैयार है ।साथ ही जब मीडिया ने पूछा कि वे चुनाव में आयेंगे तो उन्होंने साफ इस बात से मना कर दिया। बिहार दिशा और दशा बदलने की ली शपथ युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि आगामी 10 सालों में बिहार की दिशा और दशा बदलने की शपथ ली । वे बिहार में युवाओं के अंदर आग जगाने निकले हैं। वे बिहार के युवाओं की सोच जानने के लिए पूरे बिहार में ₹रन फॉर सेल्फ₹ के आयोजन की घोषणा भी की।उन्होंने देश निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया । उन्होंने कहा कि यदि युवक फिट हैं, तो उनका परिवार फिट है ।यदि परिवार फिट है, तो समाज फिट है। यदि समाज फिट है ,तो देश फिट है।

बिक्रमगंज में युवक की गोली मारकर हत्या

रोहतास। में मंगलवार की सुबह बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के करियवा बाल के पास एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बरना गांव निवासी सिंहासन सिंह के 25 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में हुई। उसका शव उसके गांव से करीब 4 किमी दूर मिला है। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि युवक की मौत गोली लगने से हुई है। घटनास्थल पर एसएफएल टीम को बुलाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। घटना की सूचना पर पहुंचे बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि पुलिस मामले की हर दिशा से जांच कर रही है।

मृतक का शव उसके गांव से लगभग चार किलोमीटर दूर मिला है। बताया जा रहा है कि मृतक का बड़ा भाई सेना में कार्यरत है। वह गांव में रहकर पैसों के लेन-देन का काम करता था। पुलिस को आशंका है कि हत्या का कारण आर्थिक लेन-देन से जुड़ा हो सकता है। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

राबड़ी बोलीं- बिना चोरी किए लालू जी को सजा हुई

पटना। बिहार विधान परिषद में सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी गुस्से में नजर आईं। राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद के दौरान जदयू की ओर से भगवान सिंह कुशवाहा बोल रहे थे। इसी दौरान राबड़ी सत्ता पक्ष पर भड़क गई और कहा कि 'आप बीजेपी का साथ छोड़िए, हम आपके साथ आ जाएंगे।' जदयू एमएलसी नीरज कुमार ने भी बोलना शुरू कर दिया, तो राबड़ी देवी ने सवाल किया कि भागलपुर का दंगा कब और किसके समय में हुआ था? नीरज कुमार ने जवाब दिया- 1989 में कांग्रेस की सरकार के समय। इस पर पूर्व सीएम ने कहा कि फिर आप लोग हर बात पर जंगलराज-जंगलराज क्यों कहते रहते हैं? आजादी के बाद जंगलराज नहीं था क्या? लालू

प्रसाद को आप लोग क्यों कोसते रहते हैं? जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार से राबड़ी देवी ने कहा कि 'हम लोगों ने आज तक चोरी नहीं किया है। न ही अब तक एऊ या उइकने कोई चोरी पकड़ी है। बिना चोरी के लालू प्रसाद यादव को सजा हुई है।' 'पिछले दो दिन के अंदर पूरे परिवार को नोटिस भेजा गया है। हम कहीं भागने वाले नहीं हैं। बिहार हम लोगों का है और हम लोग बिहार में ही रहेंगे। पारिवारिक रिश्ता अलग चीज होती है, राजनीतिक अलग।' आरक्षण के सवाल पर राबड़ी देवी ने कहा कि 'फाइल उठाकर देख लीजिए पंचायती राज में आरक्षण का विरोध जेडीयू ने किया था। कहा था- पहले चुनाव होने दीजिए, इसके बाद आरक्षण लागू होगा। अब उल्टा चोर कोतवाल को डांट रहा है। सिर्फ आरजेडी में दोष निकाला जा रहा है।' जेडीयू के एमएलसी से राबड़ी ने कहा कि आप लोग दोनों तरफ मिठाई खाएंगे यह नहीं चलेगा। राबड़ी देवी ने कहा कि 'बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल बेहाल है। मरीज मार रहे हैं। विभागों में लूट खसोट और घोटाला कायम है। बिना पैसा लिए किसी भी थाने में मामला दर्ज नहीं हो रहा है। गरीबों के खाते में 15-15 लाख रुपए नहीं आ रहे हैं। राज्य में लड़कियों का अपहरण हो रहा है।' 'कुंभ मेले में मारे गए बिहार के लोगों का सर्वे सरकार करवाए और उन्हें मुआवजा दें। सत्ता पक्ष 15 साल को भुला नहीं पा रहा है, जबकि बिहार की जनता भूल चुकी है।'

हर सीट को भाजपा का समझकर जिताइए

पटना। के बापू सभागार में मंगलवार को प्रदेश परिषद की बैठक में औपचारिक तौर पर BJP के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के नाम की घोषणा की गई। परिषद के प्रभारी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इसका ऐलान किया। कार्यक्रम में 'बिहार है तैयार फिर से NDA सरकार' का नारा दिया गया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा- 'अगले 6 महीने में सभी कार्यकर्ता लगकर सभी सीट को भाजपा की सीट समझकर जिताने का काम करें।। 2025 में हम 200 प्लस सीटों के साथ NDA सरकार बनाएंगे।' BJP में न कोई पहला, न कोई आखिरी

डिप्टी CM विजय सिन्हा ने कहा- 'BJP दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी केवल संख्या से नहीं, बल्कि कार्यकताओं की ऊर्जा से है। BJP में न कोई पहला होता है

और न आखिरी। यहां पद नहीं, दायित्व मिलता है। पार्टी परिवारवाद से नहीं, कार्यकताओं से आगे बढ़ती है। BJP के कार्यकर्ता तुलसी के पत्ते की तरह हैं।'ल्ल कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी दीपक प्रकाश, डिप्टी CM सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, सांसद राधा मोहन सिंह, रविशंकर प्रसाद, संजय जायसवाल मौजूद हैं। इनके अलावा प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक के 15 हजार कार्यकर्ता शामिल हैं। पार्टी की ओर से जुलाई 2024 से ही दिलीप जायसवाल को अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है। लोकसभा चुनाव के बाद सम्राट चौधरी की जगह दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। इसके बाद औपचारिक संगठन चुनाव से पहले 27 फरवरी को दिलीप जायसवाल ने बिहार सरकार में राजस्व व भूमि सुधार विभाग के मंत्री पद से अपना इस्तीफा दिया था। दिलीप जायसवाल के प्रदेश अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया सोमवार से ही शुरू हो गई थी। उन्होंने पार्टी के चुनाव पदाधिकारी सह प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा के सामने प्रदेश अध्यक्ष के लिए अपना पर्चा दाखिल किया। डिप्टी CM सम्राट चौधरी और

बदमाशों ने फाइनेंस कर्मी को मारी गोली, गंभीर

मधुबनी। के अंधराठाढ़ी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी को गोली मार दी। घटना सोमवार रात मदना गांव के पास की है। घायल कर्मचारी की पहचान समस्तीपुर जिले के रिशु कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि फाइनेंस कंपनी के दो कर्मचारी मदना पंचायत से कैश कलेक्शन कर वापस लौट रहे थे। तभी इसी दौरान रास्ते में घात लगाए बैठे अपराधियों ने हमला कर दिया। अपराधियों ने रिशु कुमार के पैर में गोली मार दी। घायल कर्मचारी को पहले प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए मधुबनी सदर अस्पताल भेज दिया गया। अंधराठाढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है। झंझारपुर डीएसपी भी घटनास्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। पुलिस हमले के कारणों की जांच कर रही है। साथ ही अपराधियों की पहचान के लिए छानबीन में जुटी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं।

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

बांका। के रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला ने बच्ची को जन्म दिया। लेकिन प्रसव के आधे घंटे बाद उसकी हालत बिगड़ गई। बौसी थाना क्षेत्र के डांडे गांव की रहने वाली प्रमिला देवी अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने रजौन के चकसफिया गांव आई थीं। सोमवार रात करीब 10 बजे उन्हें प्रसव पीड़ा हुई। परिजन उन्हें तुरंत रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। डॉक्टर ने जांच के बाद प्रमिला को प्रसव कक्ष में भर्ती किया। उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। प्रसव के बाद प्रमिला को रक्तस्राव होने लगा। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही प्रमिला की मौत हो गई। बच्ची सुरक्षित है। आक्रोशित

परिजन शव लेकर रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष रवि कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे। काफी समझाने-बुझाने के बाद मामला शांत हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।मृतिका की बहन राजो देवी ने बताया की जब मैं अपनी बहन प्रमिला देवी को रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराए तो उसे समय दर्द हो रहा था। मैंने नर्स से कहा की यहां नहीं हो पा रहा है तो हमें दूसरे डॉक्टर के पास भेज दीजिए।

संक्षिप्त डायरी

विवाहित प्रेमिका के डांस से प्रेमी नाराज, गला घोटकर हत्या

गया। में प्रेमी शिवा कुमार (30) ने शिवरात्रि के कार्यक्रम में डांस करने के कारण प्रेमिका विभा देवी (26) की गला घोंटकर हत्या कर दी। विभा शादीशुदा थी। विभा को डेढ़ साल की एक बच्ची भी है। घटना 1 मार्च की रात लुटुआ थाना क्षेत्र के कोठिलवा गांव की है। पुलिस ने महिला के प्रेमी शिवा ओर उसके देवर बबलू कुमार को गिरफ्तार किया है। दरअसल, गया के लुटुआ थाना क्षेत्र के कोठिलवा गांव में शिवरात्रि के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विभा देवी अपने प्रेमी शिवा कुमार और देवर बबलू कुमार के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। वहां वो जमकर डांस कर रही थी। इसे लेकर दोनों में झगड़ा हुआ था। इसके बाद गुस्से में आकर प्रेमी शिवा कुमार ने विवाहित प्रेमिका विभा देवी की गला घोटकर हत्या कर दी। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आई और जांच शुरू कर दी। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर ही हत्या की आशंका जताई थी। दरअसल, घटना के बाद ससुरालवाले गांव छोड़कर फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस जांच में मामला प्रेम प्रसंग का निकला।रउ्रढड अमित कुमार ने बताया कि लुटुआ थाने को 1 मार्च को सूचना मिली थी कि कोठिलवा गांव में एक महिला की हत्या कर दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, इमामगंज के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। तकनीकी और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर भेजा गया। पुलिस को छानबीन के दौरान जानकारी मिली कि विभा आखिरी बार शिवा और बबलू के साथ देखी गई थी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू किया, जिसके बाद पूछताछ में शिवा कुमार ने हत्या की बात कबूल ली। उसने बताया कि मृतका से उसका प्रेम प्रसंग था। शिवरात्रि पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में डांस को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ था। इसके बाद गुस्से में आकर उसने महिला की हत्या कर दी। SDPO ने बताया कि आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। SDPO ने बताया कि पुलिस टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान और पारंपरिक तरीकों से 24 घंटे के अंदर दो आरोपियों शिवा कुमार और बबलू कुमार को गिरफ्तार कर लिया। विभा की शादी 2022 में सतीश से हुई थी। शिवा अक्सर सतीश के घर आता था। शादी के कुछ ही दिन बाद से ही सतीश, विभा पर शक करने लगा था। गांव वालों का कहना है कि सतीश बीते कुछ महीने से प्रदेश में कमाने चला गया था। घटना से एक दिन पहले ही अपने घर लौटा था।

200 हिंदू परिवार अपने ही घरों में कैद

पूर्णिया। में रास्ते के विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। मामला, बायसी थाना क्षेत्र के शर्मा टोली गांव का है, जहां रास्ता न होने से 200 हिंदू परिवार अपने ही घरों में कैद हो गए हैं। लोग पिछले 4 दशकों से निजी सड़क का इस्तेमाल कर अपने घरों तक आते जाते थे। हालांकि बाद में इस जमीन पर अपना दावा करते हुए एक समुदाय ने रास्ता बंद कर दिया। वहीं इस मामले को लेकर लोगों ने DM से रास्ते का समाधान निकालने की गुहार लगाई है।12 डिसमिल जमीन के कारण 100 मीटर लंबा रास्ता बंद ग्रामीण पुष्पा देवी, सुधा देवी, बिंद लाल शर्मा, सुमन कुमार ने बताया कि वो लोग पिछले चार दशक से भी अधिक वक्त से बायसी के शर्मा टोली गांव में रह रहे हैं। उनके इलाके के चारों तरफ मुस्लिम बस्ती है। उनके गांव तक जाने के लिए एक मात्र रास्ता है। इस पर विशेष समुदाय ने अपना दावा करते हुए रास्ता बंद कर दिया। महज 12 डिसमिल जमीन के कारण 100 मीटर लंबा रास्ता बंद हो गया है। उनका कहना है कि उन लोगों ने जमीन मालिक को रास्ते के लिए एक लाख रुपए भी दिए थे, लेकिन बाद में समाज के बढ़ते दवाब के कारण जमीन मालिक ने पैसा लौटा दिए। अब हालात ऐसे हैं कि गांव तक जाने के लिए चारों तरफ से रास्ता बंद कर दिया गया है। इसके कारण पिछले 6 महीने से उन्हें दूसरे रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। वो अपने ही घर में बंद हैं। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें कच्चे और खराब रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता है। रास्ता न होने के कारण गांव में किसी की शादी हो पा रही है। साथ ही गांव में किसी की तबीयत अचानक से बिगड़ने पर उन्हें सही समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। इतना ही नहीं विशेष समुदाय पक्ष के लोग उन्हें पूजा-पाठ करने से भी रोकते हैं और धार्मिक अवसरों पर लाउडस्पीकर तक बजाने से रोका जाता है। सोमवार को हिंदू समाज से जुड़े सभी ग्रामीण अपनी समस्याओं के साथ DM कुंदन कुमार से मुलाकात करने पहुंचे। आवेदन सौंप रास्ते का विवाद सुलझाने का आग्रह किया।

भोजपुर में अवैध हथियार के साथ तीन गिरफ्तार

भोजपुर। जिले के अलग-अलग जगहों पर पुलिस ने छापेमारी कर दो अवैध हथियारों समेत तीन बदमाशों को धर दबोचा। इसकी जानकारी सोमवार को एसपी राज ने दी। इसे लेकर अलग-अलग थानों में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। शाहपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बनाही रोड में छापेमारी कर अवैध हथियारों के साथ दो को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपितों में कृष्णागढ़ थाना के त्रिभुवानी सोहरा गांव निवासी गुलशन कुमार साह एवं शाहपुर थाना के बनाही गांव निवासी मनीष कुमार गुप्ता शामिल है। इस दौरान एक देसी पिस्टल,एक बाइक एवं दो मोबाइल जब्त किया गया है। दोनों रिश्ते में मामा-भांजे बताए जा रहे है। बनाही से शाहपुर की ओर जा रहे थे, तभी बनाही रोड में दोनों ही पकड़े गए। दूसरी ओर, उदवंतनगर थाना पुलिस ने रघुपुर गांव में छापेमारी कर अवैध हथियार के साथ एक को धर दबोचा। पकड़ा गया आरोपित रमेश सिंह रघुपुर गांव का निवासी है। एक देसी कट्टा व दो खोखा बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपित घर में अवैध हथियार रखा है। जिसके बाद टीम गठित कर छापेमारी की गई। घर से ही अवैध हथियार समेत धर दबोचा गया। अंग्रेजी शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार 257 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। उक्त जानकारी जगदीशपुर एसडीपीओ राजीवचंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी शाहपुर थानाक्षेत्र के बीरपुर गांव निवासी कमल कुमार है जिसके पास से एक बोलेरो वाहन भी जब्त किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को रविवार की रात्रि गुप्त सूचना मिली कि अंग्रेजी शराब की एक बड़ी खेप बौलीपुर बगीचे मे उतारा गया है। तब जगदीशपुर थानाध्यक्ष विगाउ राम के नेतृत्व मे एक पुलिस टीम गठित कर मौके पर भेजा गया।

पानी में क्लोराइड-आर्सेनिक, कैंसर पेशेंट सबसे ज्यादा

बेगूसराय। के पानी में आयरन, क्लोराइड और आर्सेनिक की मात्रा अधिक है। शहरी क्षेत्र के ग्राउंड वाटर में आयरन ज्यादा है। वहीं गंगा के क्षेत्र में आर्सेनिक, जबकि गंडक क्षेत्र के पानी में क्लोराइड की मात्रा तय मानक से काफी अधिक है। डीएम तुषार सिंगला ने जिले में पानी के गुणवत्ता की जांच कराई तो चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। जिले के अधिकतर हिस्सों की स्थिति यह है कि हैंडपंप का पानी पीने से कैंसर का खतरा सबसे अधिक है। यही वजह है कि बेगूसराय में कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हेल्थ डिपार्टमेंट के आंकड़ों के अनुसार, सिर्फ बेगूसराय सदर अस्पताल में 60 से 80 कैंसर के मरीज प्रत्येक साल डिटेक्ट किए जा रहे हैं। जबकि इससे 10 गुना अधिक मरीज बिहार और देश के विभिन्न बड़े सरकारी अस्पतालों में इलाज कराते हैं। मौत का आंकड़ा भी कम नहीं है। अब सरकार यहां कैंसर हॉस्पिटल खोलने जा रही है। कल यानी सोमवार को जब बिहार के वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने बजट पेश किया तो, उन्होंने इसकी घोषणा की। पर्यावरणविद् की माने तो जिले में प्रदूषण इतना है कि सिगरेट नहीं पीने वाले भी लंग्स कैंसर के शिकार हो रहे हैं।बेगूसराय के कैंसर स्पेशलिस्ट सर्जन और नवलोक हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉक्टर नवनीत कुमार बताते हैं 'बेगूसराय मेडिकल हब है और यहां सिर्फ जिले के ही नहीं आसपास के कई जिलों से मरीज आते हैं। अगर यहां कैंसर अस्पताल बन जाता है तो आधे दर्जन से भी अधिक जिले के लोगों को फायदा होगा।' डॉक्टर नवनीत कुमार बताते हैं कि 'दूध को फटने से बचाने और बाहर से लाये गए मछलियों को सड़ने-दुर्गन्ध से बचाने के लिए फॉर्मेलिन का हो रहा प्रयोग कैंसर को जन्म देता है। पित्त की थैली के पत्थर से पीड़ित मरीजों में 0.3 प्रतिशत से 3 प्रतिशत में पित्त की थैली का कैंसर मिलता है।' 'इस कैंसर के 70 प्रतिशत मामले अंतिम अवस्था में पता चलता है और करीब 90 प्रतिशत मरीज की मौत रोग का पता चलने के एक साल के भीतर हो जाता है। ट्यूमर मार्कर 80 प्रतिशत मरीजों में बढ़ा हुआ मिलता है। पर्यावरणविद् बोले- गर्व नहीं बेगूसराय के लिए शर्म की बात बेगूसराय में कैंसर हॉस्पिटल बनने की बात पर पर्यावरणविद् शिवप्रकाश भारद्वाज कहते हैं कि 'ये गर्व

नहीं बल्कि बेगूसराय के लिए शर्म की बात है। कैंसर हॉस्पिटल खोलने से कैंसर रोगियों की संख्या कम जाएगी यह नहीं है। मैं नहीं मानता। इसका सबसे बड़ा कारण है कि हमने कावर झील की हत्या कर दी। बगीचे को उजाड़ दिया, विकास किया तो लाखों पेड़ काट दिए और फिर पेड़ लगा नहीं। यह कैंसर बढ़ने का डायरेक्ट इंपैक्ट है।' शिवप्रकाश भारद्वाज के मुताबिक, 'बेगूसराय में कहीं सांस लेने की जगह नहीं है, अभी भी देर नहीं हुआ है, हरियाली की व्यवस्था की जाए तो कैंसर की हालत सुधर सकती है। नहीं तो स्वास्थ्य विभाग और इंश्योरेंस का खर्चा रोज बढ़ता चला जाएगा। दिल्ली में सिगरेट नहीं पीने वाले भी 17 सिगरेट के बराबर प्रदूषण ग्रहण कर रहे हैं, वही स्थिति बेगूसराय की है तो लंग्स कैंसर क्यों नहीं होगा।' 'प्रदूषण बढ़ रहा है, बेगूसराय दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रह चुका है, यह स्थिति सुधरी नहीं है। पॉलिसी मेकर शाम में 7:00 बजे के बाद बाजार को बंद करवा दें, नहीं तो कितना भी अस्पताल बनवा लें, प्रदूषण की स्थिति नहीं सुधरेगी। इमरजेंसी सर्विस को छोड़कर बाजार को 7:00 बजे के बाद बंद कर दिया जाए, हजारों AC चल रहे हैं, लाखों लाइट जल रहा है, उसके बिजली के लिए थर्मल पावर चाहिए। कोई ना कोई बड़ा कदम उठाना होगा।' बेगूसराय के 7 इलाकों का पान पीने लायक भी नहीं बचा भारत सरकार के स्टैंडिंग काउंसिल मेंबर अमरेन्द्र कुमार अमर कहते हैं कि 'जिले में अंडर ग्राउंड वाटर में आयरन, फ्लोराइड, आर्सेनिक की बड़ी मात्रा के साथ बढ़ते विषैले पदार्थ के कारण कैंसर समेत दूसरी गंभीर बीमारियां हो रही हैं। जो जिले में सर्वाधिक खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह कहते हैं कि 'प्रधानमंत्री राहत कोष के तहत केंद्र सरकार की ओर से जानलेवा और लाइलाज बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। जब कैंसर मरीजों का भयावह डेटा सामने आया, तो यह एक गंभीर चिंता का विषय है। डीएम तुषार सिंगला ने जिले के पानी की विस्तृत रिपोर्ट साझा की, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि बेगूसराय में कैंसर मरीजों की संख्या चिंताजनक है। इस रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने बेगूसराय में कैंसर अस्पताल खोलने का प्रावधान किया, जो एक ऐतिहासिक और सराहनीय निर्णय है। यह अस्पताल कैंसर मरीजों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आएगा। भारत में वर्तमान में करीब 35 लाख कैंसर के मरीज हैं। प्रत्येक साल लगभग 12-13 लाख कैंसर के नए मरीज सामने आ रहे हैं। जिसमें पांच से छह लाख की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में साल 2022 में कैंसर के कुल 14.1 लाख नए मामले सामने आए और कुल 9.1 लाख लोगों की मौत हुई।

कैंसर के 33 प्रतिशत मरीज इलाज, 33 प्रतिशत खानपान और 33 प्रतिशत सकारात्मक सोच तथा सकारात्मक वातावरण से ठीक हो सकते हैं। इसके अलावा, सकारात्मक सोच, अहिंसा, योग, नियमित कसरत, टीकाकरण, जीवनशैली में परिवर्तन, आध्यात्मिक लगाव, शारीरिक प्रतिरक्षा तंत्र की मजबूती, तम्बाकू को अलविदा, चबीर्दार खाना से परहेज, स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण कर कैंसर जैसे जानलेवा रोगों से बचा जा सकता है।

3 साल में 2 कुंभ, एक अर्धकुंभ लगेगा

प्रयागराज। महाकुंभ के बाद 3 साल में नासिक, उज्जैन में सिंहस्थ (कुंभ) और हरिद्वार में अर्धकुंभ लगना है। इन तीनों जगहों पर अखाड़ों और नागा संन्यासियों के दर्शन होंगे। प्रयागराज जैसी श्रद्धालुओं की भीड़ तो यहां नहीं उमड़ेगी, लेकिन यहां की सरकारें महाकुंभ जैसे भव्य आयोजन की तैयारी में अभी से जुट गई हैं। इसका मुख्य कारण विश्व में प्रयागराज महाकुंभ की प्रसिद्धि और UP की इकोनॉमी को मिला फायदा है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तराखंड के अफसरों की टीमें प्रयागराज महाकुंभ पहुंचकर स्टडी कर चुकी हैं। इस स्टडी पर तीनों राज्यों की सरकारें तैयारी कर रही हैं। श्रद्धालुओं की संख्या का एनालिसिस किया जा रहा है। प्रयागराज महाकुंभ में सारे रिकॉर्ड भीड़ के टूटे हैं, लिहाजा इस पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ के मुताबिक सुविधाओं के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर, सेफ्टी फीचर पर योजनाएं बनाई जा रही हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए बजट अलॉटमेंट किया जा रहा है। सबसे पहले जानिए कब-कहां पर कुंभ का आयोजन होना है हरिद्वार में गंगा किनारे 2027 में अर्धकुंभ का आयोजन होगा। यह 6 मार्च से लेकर 14 अप्रैल तक चलेगा। इसी साल नासिक में गोदावरी के किनारे 17 जुलाई से 17 अगस्त के बीच कुंभ होगा। फिर इसके अगले साल यानी 2028 में मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन होगा। यह 27 मार्च से 27 मई तक दो महीने चलेगा।प्रयागराज महाकुंभ के बाद उज्जैन के सिंहस्थ की ज्यादा चर्चा होती है। प्रयागराज महाकुंभ की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर लौटे प्रदेश के अधिकारी अब सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में जुट गए हैं। मध्यप्रदेश के करीब आधा दर्जन अधिकारी तीन चरणों में महाकुंभ मैनेजमेंट की जानकारी लेने पहुंचे थे। प्रयागराज पहुंचे अधिकारियों ने मुख्य रूप से पुलिस डिप्लॉयमेंट, ट्रैफिक, फायर और क्राउड मैनेजमेंट के साथ जल पुलिस और रेस्क्यू के लिए ड्रोन की व्यवस्था को करीब से समझा है।

महाकाल की नगरी उज्जैन में तीन साल बाद 2028 में सिंहस्थ कुंभ मेले का आयोजन होगा। सिंहस्थ कुंभ मेला 27 मार्च 2028 से 27 मई 2028 तक है। इस दौरान 9 अप्रैल से 8 मई की तारीखों के बीच 3 शाही स्नान और 7 पर्व स्नान प्रस्तावित हैं। कुंभ मेले में 14 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया गया है। दो महीने लंबे इस पर्व का आयोजन करने में लगभग 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इससे पहले साल 2016 में सिंहस्थ का आयोजन हुआ था। जिसमें करीब सात करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई थी।इस बार शाही स्नान में 3 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसे देखते हुए अधिकारी अभी से तैयारियों में जुट गए हैं, ताकि सामान्य दिनों व पर्वों पर भी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से चल सकें। सूत्रों के मुताबिक सिंहस्थ कुंभ में स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को शिप्रा नदी तक ज्यादा पैदल न चलना पड़े, इस देखते हुए सभी पार्किंग और व्यवस्थाएं बनाई जा जाएंगी। CM से लेकर ACS तक ले चुके हैं बैठक सिंहस्थ-2028 को लेकर उज्जैन में 3 हजार करोड़ से अधिक के काम चल रहे हैं। इसके साथ ही करीब 1500 करोड़ के कार्य प्रस्तावित भी हैं।

ढाढा चीनी मिल द्वारा बसंतकालीन गन्ना विकास गोष्ठी आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के फाजिलनगर ब्लाक स्थित जौरा बाजार में कृषक गोष्ठी का आयोजन किसान बृजराज यादव (अधिशासी अभियंता विद्युत) के आवास पर किया गया। गोष्ठी में डीसीओ देवरिया धनी राम वर्मा, एससीडीआई अनुज कुमार, कृषि वैज्ञानिक सेवरही शोध संस्थान डॉ विनय कुमार मिश्रा, हाटा चीनी मिल से डीजी एएम डी डी सिंह, केन मैनेजर संजय कुमार सिंह, ब्लॉक इंचार्ज अजय कुमार सिंह तथा क्षेत्र इंचार्ज दीपांकर कुमार यदुवंशी, विष्णु कांत मिश्रा, राहुल कुमारने बसन्त कालीन बुआई, ऑटोमैटिक केन प्लांटर से गन्ना बुआई, बीज सुरक्षण, छोटा ट्रैक्टर, हाटा चीनी मिल द्वारा संचालित कार्यक्रम लेबर लेस खेती पर गन्ना बुवाई से लेकर कटाई तक सारे कृषि यंत्रों पर सब्सिडी देने, एसएसटी द्वारा गन्ना की बुआई पर चर्चा की।

किसान दयाशंकर मिश्रा ने अध्यक्षता की। इस दौरान सेक्शन ऑफिसर अनुभाग सचिवालय लखनऊ महातम यादव, हरिशंकर उपाध्याय पूर्व प्रधानाचार्य जौरा बाजार, गोवर्धन सिंह, केशव सिंह, शंभु राय, युगल गुप्ता, शिवकुमार सिंह, संजय राव, रमाकांत यादव वीरेन्द्र राव, महेश बाबू आदि किसान मौजूद थे।

सभी क्षेत्रों के किसानों को पानी की सप्लाई वख्त पर पहुंचाने की कोशिश की जा रही है--- (करन पाल, अधिशासी अभियंता मौदहा बांध निर्माण खण्ड हमीरपुर

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर मौदहा बांध निर्माण खण्ड के अधिशासी अभियंता करन पाल ने बताया कि किसानों को मौदहा बांध की नहर से सिंचाई के लिये सप्लाई किये जाने वाला पानी एक वख्त में क्षेत्र के सभी किसानों को नहीं दिया जा सकता है, क्योंकि इस बार बारिश कम हुई है,अब जबकि गर्मी बढ रही है, इस लिये पानी की उपलब्ता के मुताबिक सभी क्षेत्रों के किसानों को बिना किसी भेदभाव के बारी-बारी से पानी दिया जा रहा है, बल्कि जिन क्षेत्रों में अब तक किसानों को पानी नहीं मिल पाया है, उनके क्षेत्र में भी जल्दी ही पानी पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, वहीं अधिशासी अभियंता करन पाल ने क्षेत्र के सभी किसानों से अपील करते हुये कहा है कि, धैर्य बनाये रक्खें, जल्दी ही उनके क्षेत्र में भी पानी की सप्लाई शुरू हो जायगी।

चौकी इंचार्ज को नेकर बनियान में चौकी में बैठकर महिलाओं से रुबरु होना पड़ा महंगा

संवाददाता

हमीरपुर।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की कलैक्ट्रैट पुलिस चौकी इंचार्ज अशर्फी लाल चौकी में नेकर बनियान में बैठकर महिला फरियादियों से रुबरु हो रहे थे, उनकी इस गैर जिम्मेदाराना हरकत का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया, वही वायरल वीडियो के खिलाफ एक्शन लेते हुये हमीरपुर की तेज तर्रार पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा ने बिना देर किये एस आई अशर्फी लाल को लाईन हाज़िर करने के साथ ही सीओ सदर को जांच सौंप दी,

जबकि इस मामले में पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा की एस आई अशर्फी लाल के खिलाफ कार्यवाही की जहाँ लोग दिल खोलकर तारीफ कर रहे हैं तो वही लापरवाह और अनुशासनहीन पुलिस कर्मियों में पुलिस कप्तान की इस कार्यवाही से दहशत व्याप्त है।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में श्रेष्ठ अंक पाने वाले छात्र हुए सम्मानित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल विकासखंड कसयाके अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिसई(कंपोजिट) के बच्चों को बीईओ विजयपाल नारायण त्रिपाठी ने सम्मानित किया। आयोजित मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी कसया /फाजिलनगर विजयपाल नारायण त्रिपाठी ने कहा कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों की बेहतरीन उपलब्धि के लिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक राज किशोर सिंह सहित संपूर्ण विद्यालय परिवार बधाई के पात्र हैं, जिनकी लगन व मेहनत के बदौलत बच्चों को जिले में विशिष्ट स्थान प्राप्त हुआ है'विशिष्ट अतिथि ताहिरा खातून ने अपने विचार रखे। जनपद की सूची में 120 नंबर लाकर प्रथम स्थान लाने वाले अंकुश कुशवाहा को मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी श्री त्रिपाठी ने साइकिल देकर सम्मानित किया गया। अन्य सभी चयनित छात्राओं में कुमारी सुष्मिता, प्रिया गोंड, दीपिका कुशवाहा, आयुषी यादव, अमित कुशवाहा, सनी कुशवाहा, शिवम शर्मा, एवं दिव्या को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाध्यापक राज किशोर सिंह के द्वारा मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी श्री त्रिपाठी को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर किया गया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गोरखपुर मंडल गोरखपुर के अध्यक्ष राजेश शुक्ला, शैलेश कुमार त्रिपाठी, भगवंत कुमार सिंह, राजीव नयन द्विवेदी, हरिन्द्र कुमार चौरसिया, वाहिद अली, अरुण कुमार वर्मा, दिनेश यादव, वकील सिंह, पूनम मिश्रा, बंदना सिंह ,अनिता कुशवाहा, रिंकू सिंह ,आमिर अंसारी, रामदयाल यादव, डॉ उमेश यादव, पंचदेव शर्मा, रामप्रवेश कुशवाहा ने शुभकामनाएं दी'

राष्ट्रपति को ज्ञापन देकर महाबोधि महाबिहार बोधगया बौद्धों को सौंपने की मांग

संवाददाता

कुशीनगर।

सम्राट अशोक वेलफेयर सोसाइटी, परासखांड, रामपुर कुशीनगर द्वारा बोधगया मुक्ति आंदोलन के क्रम में महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कुशीनगर को सौंपकर महाबोधि महाबिहार बोधगया पूर्ण रूप से बौद्धों को सौंपने की मांग की।

मंगलवार को सोसाइटी के संरक्षक भंते डॉ नन्द रतन महाथेरा के नेतृत्व में पहुंचे बौद्ध भिक्षुओं और उपासकों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। भंते डॉ नन्द रतन ने कहा कि बोधगया केवल भारतीय सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा ही नहीं है आपितु विश्व के करोड़ों बौद्ध श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ज्ञापन में बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 को निरस्त करने, मंदिर प्रबंधन से गैर बौद्धों का हस्तक्षेप समाप्त करने मंदिर का प्रबंध बौद्धों को सौंपने की मांग की गई। इस दौरान भंते विनय, भंते संघदीय, भंते दीक्षा नंद, भंते धर्मवीर, भिक्षु सूर्या, भिक्षु धनन्द, भंते डॉ करुणा, सँवरू प्रसाद, डॉ राघवेंद्र सिंह, जितेंद्र पटेल एडवोकेट, सुभाष कुशवाहा, पारसनाथ, बृजनाथ मौर्य, रामप्रताप कुशवाहा, नंद किशोर कुशवाहा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

युवक की हत्या, परिवार ने हाइवे जाम किया

लखनऊ। में ट्रक ड्राइवर कुलदीप रावत (32) की हत्या को लेकर बनी-मोहान रोड पर जमकर हंगामा हुआ। बंथरा इलाके में लोगों ने सड़क पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। दो घंटे तक हाइवे पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। परिवार वाले हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी और 25 लाख रुपए के मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। पुलिस ने आरोपियों की फोटो दिखाकर गिरफ्तारी की बात कही, लेकिन पत्नी बात मानने को तैयार नहीं थीं। हालांकि बाद में पुलिस ने सभी को समझाकर हाईवे को खाली कराया। दरअसल, कुलदीप रविवार को टहलने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन घर नहीं लौटा। सोमवार को उसका सड़क किनारे शव मिला था। सिर से खून निकल रहा था। भाई बोला- बिरयानी के दुकानदार ने की हत्या सोमवार शाम को पोस्टमॉर्टम के बाद कुलदीप का शव घर पहुंचा। आरोपियों कि गिरफ्तारी नहीं होने से परिजन नाराज थे। उन्होंने शव का अंतिम संस्कार नहीं किया। मृतक के बड़े भाई रंजीत का कहना है कि आरोपी बल्ले शराब दुकान के बगल में बिरयानी की दुकान चलाता है। भाई उसकी दुकान पर गया था। इस दौरान बल्ले और दुकान में काम करने वाले दो लोगों ने भाई की हत्या कर दी।मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मृतक के परिजन शव को शराब दुकान के पास लेकर पहुंचे। यहां बनी-मोहन रोड पर रखकर प्रदर्शन करने लगे। रोड जाम होने पर बंथरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस समझाने की कोशिश करती रही। लेकिन, परिजन हत्यारों की गिरफ्तार की मांग पर अड़े रहे। कुछ देर बाद पुलिस ने बल्ले उर्फ दीपू, शेरा और रामसेवक को गिरफ्तार कर लिया।

शिविर में अनुपस्थित मिले अधिकारी

औरैया। के जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने विकास खंड सहार की ग्राम पंचायत माधवपुर में आयोजित आरोग्यम शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में जन सेवा केंद्र संचालक, लेखपाल और विद्युत विभाग के अधिकारी अनुपस्थित मिले। डीएम ने नाराजगी जताते हुए तत्काल उन्हें बुलवाया। डीएम ने सभी विभागों के अधिकारियों को आगामी शिविरों में अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को अवर अभियंता स्तर के अधिकारी की तैनाती का आदेश दिया, जिससे बिजली बिल संबंधी समस्याओं का मौके पर समाधान हो सके। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत रक्त जांच, टीबी जांच और वजन मापन की व्यवस्था की समीक्षा की गई। डीएम ने गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष जांच की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसमें हीमोग्लोबिन, वजन की जांच और पोषण संबंधी परामर्श शामिल है। शिविर में उपस्थित रहने के निर्देश

जिलाधिकारी ने जरूरतमंद लोगों के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड और राशन कार्ड बनवाने की व्यवस्था करने को कहा। लेखपालों को फार्मर रजिस्ट्री और खसरा पड़ताल सहित राजस्व संबंधी कार्यों के निस्तारण के लिए शिविर में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख ऋषि सिंह, खंड विकास अधिकारी राजनारायण, ग्राम प्रधान रामनरेश सहित अन्य अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रधानाध्यापक भगवंत कुमार सिंह की पहल लाई रंग कांवेंट स्कूलों को मात दे रहे बेसिक के बच्चे

सब पढ़े - सब बढ़े नारे को चरितार्थ कर रहा कसया का कंपोजिट विद्यालय

संवाददाता

कसया, कुशीनगर।

केंद्र और प्रदेश सरकार के सर्व शिक्षा अभियान के तहत सब पढ़े - सब बढ़े नारे को चरितार्थ कर रहा है ब्लाक संसाधन केंद्र कसया के परिसर में स्थित कंपोजिट विद्यालय। जहां बेहतर शिक्षण माहौल होने से विद्यालय की छात्र और छात्राएं कॉन्वेंट विद्यालयों की तरह शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। खेल के साथ पढ़ाई का अच्छा माहौल होने से विद्यालय में अच्छी खासी संख्या है।बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस विद्यालय में पर्याप्त कक्षा कक्ष, प्राकृतिक वातावरण विकसित किया गया है। निजी विद्यालयों की तरह ही स्मार्ट क्लासेज, कंप्यूटर शिक्षा, एलईडी टीवी आदि के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षण को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक भगवंत कुमार सिंह जागरूक हैं। उनकी पहल रंग लाई और बच्चे कॉन्वेंट स्कूलों के बच्चों को मात दे रहे हैं। सभी बच्चों को प्रोजेक्टर माध्यम से पढ़ाया जाता है। एक से आठवीं कक्षा तक के बच्चों को सभी विषयों के साथ अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। विद्यालय के प्राथमिक में 232 और पूर्व माध्यमिक में 230 बच्चे अध्ययनरत हैं। सरकार द्वारा बच्चों को मिड डे मिल, गणवेश, पाठ्य पुस्तक, स्टेशनरी आदि निःशुल्क रूप से दिया जाता है। विद्यालय में स्वच्छ पर्यावरण के लिए बागवानी को बढ़ावा देने के लिए बच्चों ने इको क्लब बनाया है, जिसके तहत बच्चों ने एक पेड़ मां के नाम पर पौधे लगाए हैं। सामाजिक विषयों की समझ के लिए बच्चे मीना मंच के माध्यम से राष्ट्रीय पर्व मनाते हैं और विभिन्न अवसरों पर शिक्षकों सहित एक दूसरे को सेलिब्रेट करते हैं। दिवालों पर शैक्षणिक भित्तिचित्र से बच्चे जहां पढ़ते हैं। निपुण भारत अभियान के तहत योगा क्लासेज, विज्ञान प्रयोगशाला, समर कैंप और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चे गुरुजनों के निर्देशन में शिक्षा, खेल के क्षेत्र में नित सफलता अर्जित कर रहे है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक भगवंत कुमार सिंह ने बताया कि बच्चों को समय प्रबंधन, संस्कार, अनुशासन, नैतिक गुणों के साथ पढ़ने, लिखने और याद करने की सीख दी जाती है। वर्ष 2019 में मै इस विद्यालय में बतौर प्रधानाध्यापक ज्वाइन किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय में मै इकलौता शिक्षक हूं, दो अनुदेशकों और प्राइमरी के शिक्षकों के साथ पूरी शिक्षण व्यवस्था देख रहा हूं। सबके मेहनत से अब बच्चों की संख्या दोगुनी हो गई है और बच्चों में मेधा शक्ति का निरंतर विकास हो रहा है। बता दें कि प्राइवेट विद्यालयों में नामांकन शुल्क, पंजीयन शुल्क, भारी भरकम मासिक शुल्क और अन्य शुल्क देना आम या गरीब लोगों के बूते की बात नहीं है। ऐसे में कसया का यह कंपोजिट विद्यालय कांवेंट स्कूलों की तर्ज पर शिक्षा की अलख जगा रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री सिंह के इस शैक्षणिक प्रयास की लोग खूब सराहना कर रहे हैं।प्रधानाध्यापक भगवंत कुमार सिंह के निर्देशन और शिक्षक दुर्गेश यादव एवं शिक्षिका रश्मि सिंह तोमर, निशु विश्वकर्मा सहित विद्यालय के सभी शिक्षिकाओं के देखरेख में बच्चों ने कई सफलताएं प्राप्त की हैं। आय आधारित छात्रवृति योग्यता परीक्षा में कु.निधि सफल हुई वहीं कुलदीप कुमार जनपद क्रीड़ा प्रतियोगिता में आयोजित दौड़ में प्रथम रहे। पिछले वर्ष दो छात्राएं नवोदय विद्यालय के लिए चयनित हुईं।

विद्यालय में अंग्रेजी, कंप्यूटर सहित विभिन्न विषयों को लेकर स्मार्ट क्लासेज संचालित करने को लेकर वर्ष 2023 में गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानाध्यापक भगवंत कुमार सिंह को सम्मानित किया। श्री सिंह ने कहा कि उचित शैक्षिक माहौल निर्माण और सब पढ़े सब पढ़े के संकल्प से ही विकसित भारत का सपना पूरा होगा।

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुतः यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है - ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे -

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवेलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप निःसन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्रायः किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।
सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं:

- इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई
- फिलमिट अकादमी, मुंबई
- वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

कनाडा, मैक्सिको के खिलाफ ट्रंप की शुल्क धमकी लागू होने व्यापार युद्ध शुरू

- कनाडा और मैक्सिको से आयात पर अब 25 प्रतिशत कर लगेगा

वाशिंगटन ।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको के विरुद्ध लंबे समय से दी जा रही शुल्क की धमकी अंततः मंगलवार को लागू हो गई, जिससे वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल मच गई। अमेरिका के उत्तरी अमेरिकी सहयोगियों द्वारा महंगी जवाबी कार्रवाई की संभावना पैदा हो गई है। सोमवार को आधी रात से ही कनाडा और मैक्सिको से आयात पर अब 25 प्रतिशत कर लगेगा, जबकि कनाडा के ऊर्जा उत्पादों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इसके अलावा, फरवरी में ट्रंप ने चीन से आयात पर जो 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था, उसे दोगुना करके 20 प्रतिशत कर दिया गया है। जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश 21 दिनों के दौरान 100 अरब डॉलर से ज़्यादा के अमेरिकी सामानों पर शुल्क लगाएगा। मेक्सिको और चीन ने फिलहाल किसी जवाबी कार्रवाई के बारे में विस्तार से नहीं बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति के कदमों ने उच्च मुद्रास्फीति और विनाशकारी व्यापार युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है, जबकि उन्होंने अमेरिकी जनता से वादा किया था कि आयात पर कर राष्ट्रीय समृद्धि का सबसे आसान रास्ता है। उन्होंने मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों की चेतावनियों को दरकिनार करने और अपनी खुद की सार्वजनिक स्वीकृति को दांव पर लगाने की इच्छा दिखाई है। उनका मानना है कि शुल्क देश की समस्याओं को ठीक कर सकते हैं। ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा था, यह एक बहुत शक्तिशाली हथियार है जिसका राजनेताओं ने इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि वे या तो बेईमान थे, मूर्ख थे या उन्होंने किसी अन्य रूप में पैसे कमाए थे। कनाडा और मेक्सिको के शुल्क मूल रूप से फरवरी में शुरू होने वाले थे, लेकिन ट्रंप ने दो सबसे बड़े अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों के साथ आगे बातचीत करने के लिए 30-दिवसीय निलंबन पर सहमति व्यक्त की। शुल्क का घोषित कारण ड्रग तस्करी और अवैध आव्रजन को संबोधित करना है, और दोनों देशों का कहना है कि उन्होंने इन मुद्दों पर प्रगति की है।

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के पांच मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच महीनों से लगातार गिरावट का सफर जारी है। इस गिरावट के पीछे आंकड़े के साथ खुला नहीं रहा है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक पांच मुख्य कारणों की वजह से भारतीय शेयर बाजार गिरावट का सामना कर रहे हैं, जो इस प्रकार हैं-

1. ट्रंप, फेड और वैश्विक स्थिति- सितंबर के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए बाजार में सतर्कता बढ़ी। चुनाव के परिणाम से उत्पन्न अनिश्चितता ने बाजार को कमजोर किया है। इसके अलावा, ट्रंप की व्यापार नीतियों से ट्रेड वॉर की आशंका और फेडरल रिजर्व की नजर में मुद्रास्फीति की चिंता है।

2. अर्थव्यवस्था में सुस्ती- भारतीय अर्थव्यवस्था में धीमा विकास का संकेत है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता बढ़ रही है। इसके साथ ही, निवेशकों का भरोसा घट रहा है जिससे बाजार में` गिरावट की स्थिति बनी हुई है।

3. कमजोर कमाई, सुधार की उम्मीद नहीं- कंपनियों के नतीजे निराशाजनक हो रहे हैं और निवेशकों की उम्मीदें कमजोर हो रही हैं। इससे कंपनियों पर बाजार में दबाव बढ़ रहा है, जिससे बाजार को गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।

4. एफआईआईएस की बिकवाली- विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसा निकालने की शुरुआत कर दी है, जिसकी वजह से बाजार में अवसाद दिख रहा है। इससे शेयरों का मूड कमजोर हो रहा है।

5. रुपये की कमजोरी- भारतीय रुपये की कमजोरी और विदेशी मुद्राओं के ताजगी के चलते रुपये में तेजी से गिरावट आई है, जिससे बाजार में और भी कमी आई है। इन प्रमुख कारणों के कारण भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। इससे निवेशकों की जिम्मेदारी बढ़ गई है जिससे उन्हें सतर्क रहने और सही समय पर निवेश के फैसले लेने की आवश्यकता है।

ट्रंप के टैरिफ वॉर के कारण दुनिया भर के बाजार में कोहराम मचा

मुंबई ।

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट देखी गई, क्योंकि शुरुआती कारोबार में ऑटो और आईटी सेक्टर में बिकवाली दर्ज हुई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर के कारण फैली अनिश्चितता वैश्विक व्यापार में बढ़ रही है। उन्होंने कहा, कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ और चीन पर 20 प्रतिशत टैरिफ (अब एडिशनल 10 प्रतिशत लगाया गया है) की धमकियां एक्शन में बदल रही हैं। ट्रंप द्वारा लगाए गए इन टैरिफ का जवाब अभी तक नहीं पता चल सका है। ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ हाइक के जवाब में, कनाडा मंगलवार से 30 बिलियन कनाडाई डॉलर के अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। यह आने वाले 21 दिनों में 125 बिलियन कनाडाई डॉलर के एडिशनल अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाएगा।

बाजार जानकारों के अनुसार, निफ्टी को 22,000 पर तत्काल समर्थन मिला है, इससे पहले 21,850 और 21,600 स्तर पर समर्थन है, जबकि प्रतिरोध 22,500 और इसके बाद 22,600 और 22,800 स्तर पर है। 22,000 से नीचे का ब्रेकडाउन 21,800 की ओर बिक्री दबाव को बढ़ा सकता है, जबकि 22,500 से ऊपर की रिकवरी राहत रैली को ट्रिगर कर सकती है। सूचकांक अभी भी मंदी के दौर में है और ट्रेंड रिवर्सल के लिए निर्णायक ब्रेकआउट की जरूरत है। इस बीच, सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, इंफोसिस, टाटा स्टील, एमएंडएम और टाइटन टॉप लूजर्स रहे। जबकि, केवल आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई ही टॉप गेनर्स रहे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में, डॉव जोन्स 1.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 43,191.24 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,849.72 पर और नैस्डैक 2.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,350.19 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में, केवल बैंकॉक हरे निशान में कारोबार कर रहा था। चीन, जापान, सोल, जकार्ता और हांगकांग लाल रंग में कारोबार कर रहे थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार आठवें दिन अपनी बिकवाली जारी रखी, क्योंकि वे 3 मार्च को 4,788.29 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं: स्वामीनाथन

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसमें उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के महत्व को बल दिया। उन्होंने व्यापक सहानुभूति के साथ समय पर देय ऋण की महत्वता पर चर्चा की और उन्होंने कहा कि छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। स्वामीनाथन जे ने उद्यमों के संगठित ऋण समर्थन को मजबूत करने के लिए आईआरबीआई के पहलों की तारीफ की और डिजिटल माध्यमों के महत्व को उजागर किया। उन्होंने स्थायी सलाहकार समिति की बैठक में एमएसएमई के कर्ज प्रवाह की समीक्षा की और ऋण प्रदान में सुधार करने के लिए उन्होंने डिजिटल समाधानों पर जोर दिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में अनेक संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए और एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट, राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लि., भारतीय बैंक संघ, सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट और अन्य संगठनों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे। डिप्टी गवर्नर के इस संवाद के माध्यम से, यह स्पष्ट हुआ कि आरबीआई उपेक्षित सेक्टरों और छोटे उद्यमों के समर्थन में सकारात्मक कदम उठाना चाहता है। उनकी अपील और आपके संदेश ने उद्यमों के भविष्य को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मस्क की स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं जल्द शुरू करेगी

- लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरिक्ष नियामक से एलन मस्क की स्टारलिंक को जल्द ही मंजूरी मिलने की संभावन जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कंपनी सैटेलाइट द्वारा ग्लोबल मोबाइल व्यक्तिगत संचार लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत हो गई है, लेकिन सुरक्षा संबंधी कुछ आवश्यकताओं पर चर्चा जारी है। संभावना है कि आने वाले दिनों में सुरक्षा संबंधी प्रावधानों पर सहमति बन जाएगी। स्टारलिंक करीब 100 देशों में अपनी इंटरनेट की सेवाएं दे रही है। सूत्रों का कहना है कि कंपनी ने जरूरी जानकारी जमा कर दी है। यह स्टारलिंक के लिए भारत में पहली नियामक मंजूरी होगी, जिसका लक्ष्य भारत में कॉमर्शियल ब्रॉडबैंड-फॉम-स्पेस सेवाएं शुरू करना है। कंपनी उपयोगकर्ता टर्मिनलों के स्थानांतरण और उससे जुड़े प्रावधान का पालन करने के लिए सहमत हो गई है। कंपनी भारत में अपना नेटवर्क नियंत्रण और निगरानी केंद्र बनाने पर भी सहमत है। स्टारलिंक इस बात पर भी सहमत है कि वह यह भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे के माध्यम से डेटा रूट नहीं करेगा। कंपनी का फिलहाल भारत के जमीनी सीमा वाले देशों में कोई गेटवे नहीं है, लेकिन कंपनी ने प्रतिबद्ध किया है कि भविष्य में जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे स्थापित करती है तो वह भारत से जुड़ा डेटा उनके माध्यम से नहीं भेजा जाएगा। लेकिन, इस बार भी सुरक्षा के मोर्चों पर कई सारे प्वाइंट्स हैं, जिनको लेकर निरंतर चर्चा चल रही है। स्टारलिंक चाहती है कि भारत के साथ जल्द से जल्द सेवा शुरू करने वाले शर्तों पर आपसी सहमति बने, जिससे कि वह अपनी सेवा शुरू कर सके।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया चार पैसे की बढ़त के साथ ही 87.28 पर बंद हुआ वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में आज रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.38 पर खुला और फिर 87.40 पर आ गया जबकि सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त के साथ 87.32 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 106.61 पर था। यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीतियों के कारण बढ़ते व्यापार तनाव के बीच आई है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिका द्वारा शुल्क लगाए जाने के कारण जारी अनिश्चितता ने वित्तीय बाजारों में हड़कंप मचा है। इसके अलावा, शुल्क अराजकता ने अमेरिकी डॉलर सूचकांक में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा कर दी है।

भारतीय स्टार्टअप ने फरवरी में कुल 1.65 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई

मुंबई । भारतीय स्टार्टअप ने फरवरी में 8.32 करोड़ डॉलर के औसत मूल्यांकन पर कुल 1.65 अरब डॉलर (करीब14,418 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है। आंकड़ों से पता चलता है कि इससे चालू वित्त वर्ष (2024-25) में फरवरी में कुल फंडिंग 2,200 चरण में 25.4 अरब डॉलर हो गया है। फरवरी का आंकड़ा जनवरी में कुल फंडिंग 1.38 अरब डॉलर से 19.5 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। सालाना आधार पर, जुटाई गई कुल धनराशि फरवरी, 2024 में प्राप्त 2.06 अरब डॉलर से कम थी। बेंगलुरु में उद्यमियों ने 35.3 करोड़ डॉलर का फंड हासिल किया, जिसका औसत चरण आकार 20 लाख डॉलर था। मुंबई में कुल 10.2 करोड़ डॉलर की फंडिंग हुई, लेकिन औसत चरण आकार 50 लाख डॉलर रहा। फरवरी में वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी ऑक्सीजो ने सबसे ज्यादा फंडिंग जुटाई, कंपनी ने पारंपरिक ऋण में 100 करोड़ रुपये जुटाए। इसके बाद ऑनलाइन व्यापारिक मंच 'उड़ान' ने एमएंडजी पीएलसी की अगुआई में सीरीज जी इक्विटी फंडिंग चरण में 7.5 करोड़ डॉलर जुटाए।

ट्रंप की रणनीतिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी मे तेजी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रणनी तिक सरकारी` रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में थोड़ी तेजी आई। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि अमेरिकी सरकार रणनीतिक रिजर्व कोष में विभिन्न प्रकार की डिजिटल परिसंपत्तियों को खरीदे और रखे। यह घोषणा ट्रंप के अस्थिर क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों को अपने सार्वजनिक समर्थन के बैरोमीटर के रूप में उपयोग करने के बढ़ते प्रयासों को उजागर करती है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी सरकार एक 'क्रिप्टो स्ट्रैटेजिक रिजर्व' बनाने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें कम-ज्ञात क्रिप्टोकरेंसी एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो शामिल होंगे। बाद में उन्होंने एक और पोस्ट के साथ कहा कि उनके नियोजित रिजर्व में बिटकॉइन और ईथर भी शामिल होंगे। ये दो सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी हैं।इस घोषणा से क्रिप्टो की कीमतों में हाल ही में हुई बिकवाली के बाद थोड़ी तेजी देखने को मिली। पिछले सप्ताह 80,000 डॉलर से नीचे गिरने के बाद बिटकॉइन करीब 95,000 डॉलर तक पहुंच गया। रविवार को ट्रंप की घोषणा के बाद एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिला।लेकिन सोमवार दोपहर तक कीमतें लगभग उसी स्तर पर आ गईं, जहां वे ट्रंप की घोषणा से पहले थीं। ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना की पुष्टि के बाद सोमवार को अमेरिकी शेयरों में भी तेज गिरावट आई।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी 159 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ेगी

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को मार्च तिमाही में 159 मेगावाट पवन ऊर्जा जोड़ने की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी की परिचालन बिजली उत्पादन क्षमता 8,400 मेगावाट के पार हो गई। कंपनी ने कहा कि यह अतिरिक्त क्षमता पवन मौसम से पहले उपलब्ध है और चरम स्थिति के दौरान बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए तैयार है, जो एक स्थायी बिजली आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस वृद्धि के साथ, कंपनी की कुल परिचालन पवन क्षमता 2,826 मेगावाट हो गई है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी 8.0 गीगावाट की निर्माणाधीन क्षमता के साथ अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का सक्रिय रूप से विस्तार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 से पहले 20 गीगावाट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

भारत की जीडीपी वृद्धि 2025-26 में 6.5 प्रतिशत पर रह सकती

नई दिल्ली ।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत पर रह सकती है। साथ ही मानसून सीजन भी सामान्य रहेगा, जिसके कारण कमोडिटी की कीमतों में नरमी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में निजी खपत में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, निवेश वृद्धि निजी पूंजीगत व्यय पर निर्भर करेगी। रिपोर्ट में बताया गया कि कृषि उत्पादन में सुधार और खाद्य महंगाई में कमी की उम्मीद के कारण निजी खपत में और सुधार की उम्मीद है। खाद्य महंगाई में नरमी से घरेलू बजट में विवेकाधीन खर्च के लिए जगह बनेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि केंद्रीय बजट 2025-26 में इनकम टैक्स में बढ़ाई गई छूट से खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा मौद्रिक नीति में ढील देने से भी खपत को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट में उम्मीद जाहिर की गई है कि आरबीआई वित्त वर्ष 2025-26 में रेपो रेट में 50-75 आधार अंक की कटौती कर सकता है। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देकर रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष की जीडीपी विकास दर 9.2 प्रतिशत से कम है। हालांकि, विकास दर वित्त वर्ष 2011 और 2020 के बीच महामारी से पहले के दशक के औसत 6.6 प्रतिशत के करीब बनी हुई है और इससे भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था का अपना टैग बरकरार रखने में मदद मिलेगी। चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 7.6 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जिससे चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत हो जाएगी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत से अधिक है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई। है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ प्लान से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा और विवेशी निवेशकों ने बाजार से अपना पैसा निकाल लिया। इससे भी बाजार पर भारी दबाव पड़ा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 96.01 अंक करीब 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ ही 72,989.93 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 22 हजार के नीचे आ गया। कारोबार के दौरान यह 21,964.60 अंक के इंट्राडे लो तक चला गया था। अंत में यह 36.65 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी फिसलकर 22,082 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर सबसे ज्यादा 2.7 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा, इन्फोसिस, मारुति, टाइटन, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी गिरे। वहीं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुए। इसके अलावा जोमैटो, टीसीएस, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एचडीएफ़सी बैंक, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी उछले।दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बाजारों से बिकवाली जारी रही। एफआईआई ने भारत में 4,788.29 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं जबकि डीआईआई ने 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में भी गिरावट रही। अमेरिका के ज्यादा शेयर बाजार बंद रहे। प्रमुख वॉल स्ट्रीट सूचकांक में एसएंडपी 500 में 1.76 फीसदी की गिरावट जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.48 फीसदी की गिरावट जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 2.64 फीसदी की गिरावट आई। वहीं एनवीडिया के शेयर 8 फीसदी से अधिक गिरे।

ट्रंप ने मैक्सिको और कनाडा से आयातित सामानों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला भी लागू कर दिया है। इसके जवाब में, कनाडा और मेक्सिको ने भी जवाबी कदम उठाये हैं जिससे दुनिया भर में कारोबारी घमासान बढ़ने के संकेत मिले हैं। वहीं गत दिवस ट्रंप ने कहा था कि चीन से आयातित सामानों पर टैक्स को दोगुना कर कर दिया जाएगा। वहीं आज सुबह बाजारों की शुरुआत खराब रही। ट्रंप ने टैरिफ लगाने की अपनी योजना को फिर से दोहराया है। जिससे सुबह से ही बाजार नीचे आने लगा। सुबबह खुलते ही सेंसेक्स 72,633 अंक तक फिसल गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी कारोबार खुलते ही 22 हजार के नीचे फिसल गया। विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजारों से बिकवाली का सिलसिला जारी है। सोमवार को एफआईआई ने भारत में 4,788.29 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं जबकि डीआईआई ने 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से की 2.81 अरब डॉलर के मुआवजा की मांग

आरआईएल का दावा ऐसी कोई देनदारी नहीं

मुंबई ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मुकेश अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और उसके कंसोर्टियम पार्टनर्स बीवी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और निको लिमिटेड से 2.81 अरब डॉलर के मुआवजा की मांग की है। यह विवाद ओएनसीजी के ब्लॉक्स से केजी-डी6 ब्लॉक में गैस माइग्रेशन से जुड़ा हुआ है। रिलायंस ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। यह मामला लंबे समय से विवाद का विषय बना है, जिसमें केंद्र सरकार और कंपनियों के बीच कानूनी और वित्तीय दावों पर चर्चा जारी है। आरआईएल ने कहा, ÷पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पीएससी ठेकेदारों-रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और निको लिमिटेड पर 2.81 अरब डॉलर की मांग उठाई है। यह दावा 2018 के एक मामले से जुड़ा है, जब भारत सरकार ने केजी-डी 6 कंसोर्टियम, जिसमें रिलायंस भी शामिल है, पर ओएनजीसी के निकटवर्ती ब्लॉकों से गैस माइग्रेशन के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया था।

शुरुआत में, पेट्रोलियम मंत्रालय ने कथित गैस माइग्रेशन के लिए करीब 1.55 अरब डॉलर का मुआवजा मांगा था। मामला कई कानूनी कार्यवाहियों में उलझ गया और अंततः दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच गया। मई 2023 में, दिल्ली हाईकोर्ट की एकल न्यायाधीश पीठ ने केंद्र सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें एक मध्यस्थता फैसले को चुनौती दी गई थी। इस फैसले में रिलायंस इंडस्ट्रीज के पक्ष में निर्णय दिया गया था। हालांकि, केंद्र सरकार ने डिवीजन बेंच में अपील की, जिसके बाद 3 मार्च 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने पहले के फैसले को पलट दिया।

इस फैसले के बाद, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अब मांग बढ़ाकर 2.81 अरब डॉलर कर दी है। मंत्रालय ने नए कानूनी घटनाक्रम और गैस माइग्रेशन मामले के पुनर्मूल्यांकन को आधार बनाते हुए यह कदम उठाया है। रिलायंस ने कहा कि कंपनी को कानूनी सलाह मिली है कि डिवीजन बेंच का फैसला और यह प्रोविजनल मांग अस्थिर है। कंपनी दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के फैसले को चुनौती देने के लिए कदम उठा रही है।

पूर्व सेबी प्रमुख बुच, पांच अन्य पर एफआईआर के आदेश पर रोक

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने विशेष अदालत के उस आदेश पर चार सप्ताह तक के लिए रोक लगा दी, जिसमें सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की एकल पीठ ने कहा कि विशेष अदालत का एक मार्च का आदेश बिना विस्तृत जानकारी के और आरोपी की कोई विशेष भूमिका बताए बिना यंत्रवत् पारित किया गया था। इसे लिए उच्च न्यायालय ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया जाता है। उच्च न्यायालय का यह निर्णय बुच, सेबी के तीन वर्तमान पूर्णकालिक निदेशकों - अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय तथा बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राममूर्ति और इसके पूर्व चेयरमैन तथा जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल द्वारा दायर याचिकाओं पर आया। याचिकाओं में विशेष अदालत द्वारा पारित आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी, जिसमें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को 1994 में बीएसई में एक कंपनी को सूचीबद्ध करते समय धोखाधड़ी के कुछ आरोपों से संबंधित उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाओं में कहा गया है कि यह आदेश अवैध और मनमाना है।

पच्चास साल बाद होने वाली परिसीमन को लेकर चिंताएँ

डॉ सत्यवान सौरभ

एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निषपक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले।

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ मिलीजुली हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए।

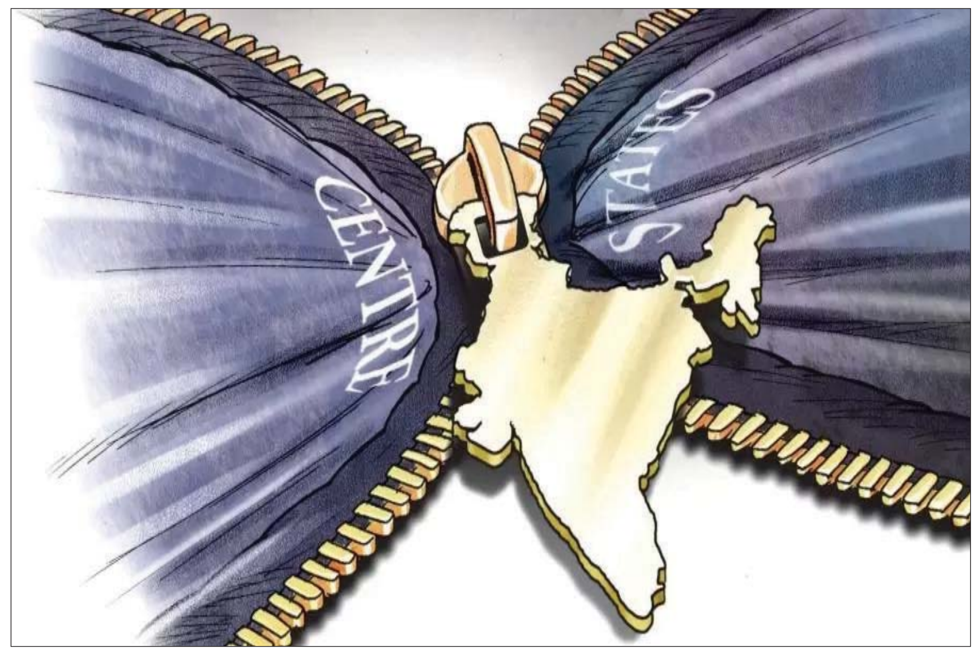

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत कर-के, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है।

प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्संरेखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है।

अपने महत्त्वपूर्ण आर्थिक इनपुट के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दी भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुकसान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा जैसा मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए।

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट के पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए।

एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत कर-के, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सांच को आंच नहीं

शेयर धोखाधड़ी के मामले में पूर्व सेबी प्रमुख माधबी बुच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश विशेष अदालत ने दिया है। अदालत ने इसे प्रथम दृष्टि नियामक चूक व मिलीभगत का सबूत माना और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई। याचिका में बुच के अतिरिक्त पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी लिस्टिंग में अनियमितताओं का दावा किया गया है। नियामक प्राधीकरणों, खासकर सेबी की मिलीभगत से कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में धोखाधड़ी से सूचीबद्ध करने को कॉरपोरेट धोखाधड़ी बताया है। सेबी की पहली महिला प्रमुख

बुच को अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग द्वारा हितों के टकराव के आरोप लगाए गए थे। बुच दंपति पर फंड़ संरचनाओं का हिस्सा रही संस्थाओं में निवेश का भी आरोप है, जिसमें अड़ानी समूह द्वारा भी निवेश किया गया था। बुच का कहना था, यह निवेश उनके नियामक में शामिल होने से पहले किया गया था। हालांकि सेबी ने इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कदम उठाने की बात की है। साथ ही बुच का समर्थन करते हुए याचिकाकर्ता को तुच्छ व आदतन मुकदमाकर्ता ठहराया। इस दरम्यान स्वयं हिंड़नबर्ग अपना कारोबार बंद करने की घोषणा भी कर चुकी है। बुच द्वारा तमाम सराहनीय सकारात्मक कदम उठाये जाने के बावजूद उनके तीन साल के कार्यकाल के दरम्यान कर्मचारियों में जबरदस्त रोष भी नजर आया। खुदरा निवेशकों को बाजार की तरफ आकर्षित करने में सफल रही बुच ने निवेश सलाहकारों के लिए नियमों को आसान बनाने व राइट्स इश्यू को तेजी देने सरीखा काम कर दिखाया। इसके बावजूद उन पर लगे आरोपों की अनदेखी नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद सरकार ने न सिर्फ पक्षपाती रवैया बनाये रखा बल्कि चिकने घड़े.की तरह आरोपों को झाड़ती रही। यूं भी मोदी सरकार का काम करने का रवैया ऐसा है, जो अपने चहेते अधिकारियों के बचाव को लेकर अड़ियलपन दिखाने में कोई लिहाज नहीं करती। बेशक सरकार को जांच का आश्वासन देते हुए नियामक प्राधीकरणों की गरिमा बनाए रखने के प्रति गंभीर नजर चाहिए। अदालती कार्रवाई का सामना करके बुच को अपना पक्ष रखना चाहिए। सफलताओं के झंडे.गाड़ने के बावजूद सेबी जैसे सम्मानित नियामक पर एक शख्स की वजह से बिला-वजह पड़ने वाले छींटों से बचाने के प्रति सरकार पहले ही प्रतिबद्धता दर्शा सकती थी।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदार्थ के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है।

बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

दोस्त तो चुन सकते हैं पर पड़ोसी नहीं: भारत-पाक के बीच बातचीत चलती रहना चाहिए

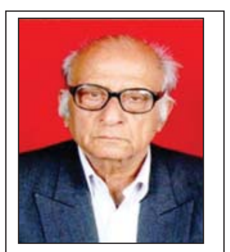

एल.एस. हरदेनिया

आप अपना दोस्त चुन सकते हैं परन्तु पड़ोसी तो स्वभाविक ही होता है। अटल बिहारी वाजपेयी के इन शब्दों को याद करते हुए दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस बातचीत में भारत और पाकिस्तान के अनेक प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। जिन लोगों ने इस बातचीत में भाग लिया उनमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और अनेक प्रमुख व्यक्ति शामिल थे।

इन सब प्रमुख व्यक्तियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत फिर से शुरू की जाए। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण किताब का विमोचन भी किया गया। किताब का शीर्षक था 'शांति की खोज और भारत और पाकिस्तान के रिश्ते'। इस किताब में 52 लेख शामिल हैं, जो दोनों देशों के अनेक विद्वानों ने लिखे हैं। इन विद्वानों में कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ, नेता और चिंतक शामिल हैं। इन सारे लेखों में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत चलती रहनी चाहिए। इस किताब का विमोचन पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने किया।

अपने भाषण में अंसारी ने कहा कि ये दोनों देश भारत और पाकिस्तान, एक तरह के एक्सीडेंट से बने हैं। ये ऐसे देश नहीं हैं जिनका कोई लंबा इतिहास हो। ये सिर्फ दुर्घटनावश बने थे।

अंसारी के बाद अनेक नेताओं ने अपने विचार प्रकट किए। सबने इस बात पर जोर दिया कि हर हालत में भारत और पाकिस्तान के बीच में बातचीत चलती रहनी चाहिए। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सबसे बड़ी जरूरत यह है कि हम एक-दूसरे से घृणा करना बंद कर दें। हम एक थे और अब एक नहीं हैं। हमें घृणा ने विभाजित कर दिया, घृणा ने ही हमें भारत और पाकिस्तान बना दिया। फारूक अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचार को उद्धृत करते हुए कहा कि 'हम दोस्त चुन सकते हैं पर पड़ोसी नहीं।'

पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी ने कहा कि हमें ऐसी आवाजें सुनना चाहिए जो शान्ति की हों और जो दोस्ती की हों। जिलानी पाकिस्तान के विदेश सचिव तो रहे ही वे कुछ समय के लिए वहां के विदेश मंत्री भी रहे। उन्होंने उन मुद्दों का उल्लेख किया जो भारत और पाकिस्तान की दोस्ती के रोड़े हैं। उन्होंने भी वाजपेयी जी के वर्ष 2003 में दिए गए एक भाषण का उल्लेख किया। वाजपेयी जी ने कहा था कि 'भारत और पाकिस्तान की दोस्ती इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत पर आधारित है।'

पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री जावेद जब्बार ने भी इस बात पर जोर दिया कि भले ही बंदूकें चलती रहें, तोपों से गोले बरसते रहें परन्तु बातचीत होती रहना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार इम्तियाज आलम ने कहा कि सार्क देशों के बीच बातचीत फिर से चालू होनी चाहिए। ये बातचीत किसी ऐसे देश में होनी चाहिए जिनके भारत और पाकिस्तान से दोस्ताना संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने अभी हाल में पाकिस्तान अपनी किक्रेट टीम भेजने ने इंकार कर दिया था। यह एक दुखद घटना है। बाद में दोनों देशों की टीमें दुबई में खेलीं। ऐसा नहीं होना चाहिए। कुल मिलाकर इन दोनों देशों के नेताओं, चिंतकों की यह बातचीत दोनों देशों की दोस्ती में मील का पत्थर साबित होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आधी आबादी: तेजी से बढ़ रही कैंसर मृत्यु दर

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

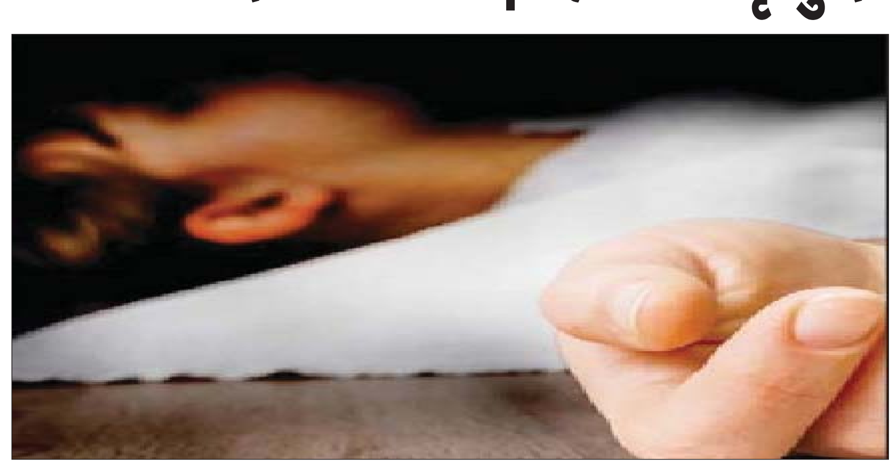

कैंसर आज भारत सहित पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए हालिया विश्लेषण में यह खुलासा हुआ है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है, विशेष रूप से महिलाओं में यह दर पुरु षों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। ग्लोबोकैन 2022 के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं में कैंसर से मृत्यु दर में 1.2 फीसद से 4.4 फीसद तक वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि पुरु षों में यह वृद्धि 1.2 फीसद से 2.4 फीसद तक रही है।

ये आंकड़े न केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर संकेत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करते हैं। महिलाओं में कैंसर से बढ़ती मृत्यु दर एक जटिल समस्या है, जो केवल जैविक या चिकित्सीय कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की भी बड़ी भूमिका है। भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि कैंसर न केवल एक गंभीर रोग है, बल्कि भारत में इसका उपचार भी उतना प्रभावी नहीं हो पा रहा है। खासकर महिलाओं में यह स्थिति अधिक गंभीर होती जा रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। परिवार की जिम्मेदारियां, सामाजिक दबाव, और आर्थिक निर्भरता उन्हें समय पर जांच और इलाज कराने से रोकते हैं। कई बार कैंसर के शुरू आती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे बीमारी तब पकड़ी जाती है जब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। महिलाओं में कैंसर की बढ़ती दर के पीछे कई महत्त्वपूर्ण कारण हैं। सबसे पहले, जागरूकता की भारी कमी एक प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जो भारत में महिलाओं में सबसे आम हैं, यदि प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लिए जाएं, तो इनका इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत नहीं होती। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का सेवन, और अत्यधिक तनाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। पहले के समय में महिलाएं अधिक शारीरिक श्रम करती थीं और उनका खान-पान भी पारंपरिक और पोषक तत्वों से भरपूर होता था, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह सब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, और मानसिक तनाव ने महिलाओं में कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं में कैंसर के कई मामले अनुवांशिक और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़े होते हैं। स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर मुख्य रूप से हार्मोनल परिवर्तन और अनुवांशिक प्रवृत्तियों के कारण होते हैं। महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसर में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। ये पांच कैंसर भारत में महिलाओं की कैंसर मृत्यु दर का 44 फीसद हिस्सा बनाते हैं। स्तन कैंसर सबसे आम है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है, क्योंकि यह देर से पहचाना जाता है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सके। महिलाओं को स्वयं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की मानसिकता विकसित करनी होगी। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन, निःशुल्क कैंसर जांच शिविर, और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है।

भारत में कैंसर की रोकथाम और इलाज को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होगा। सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं भी समय पर इलाज करा सकें। इसके अलावा, एचपीवी वैक्सीन को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सके। महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। यह केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मुद्दा भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संगठनों, समाज और स्वयं महिलाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। महिलाओं के जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सके और भारत को स्वस्थ राष्ट्र बनाया जा सके।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

तमन्ना ने क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी में शामिल होने पर तोड़ी चुप्पी

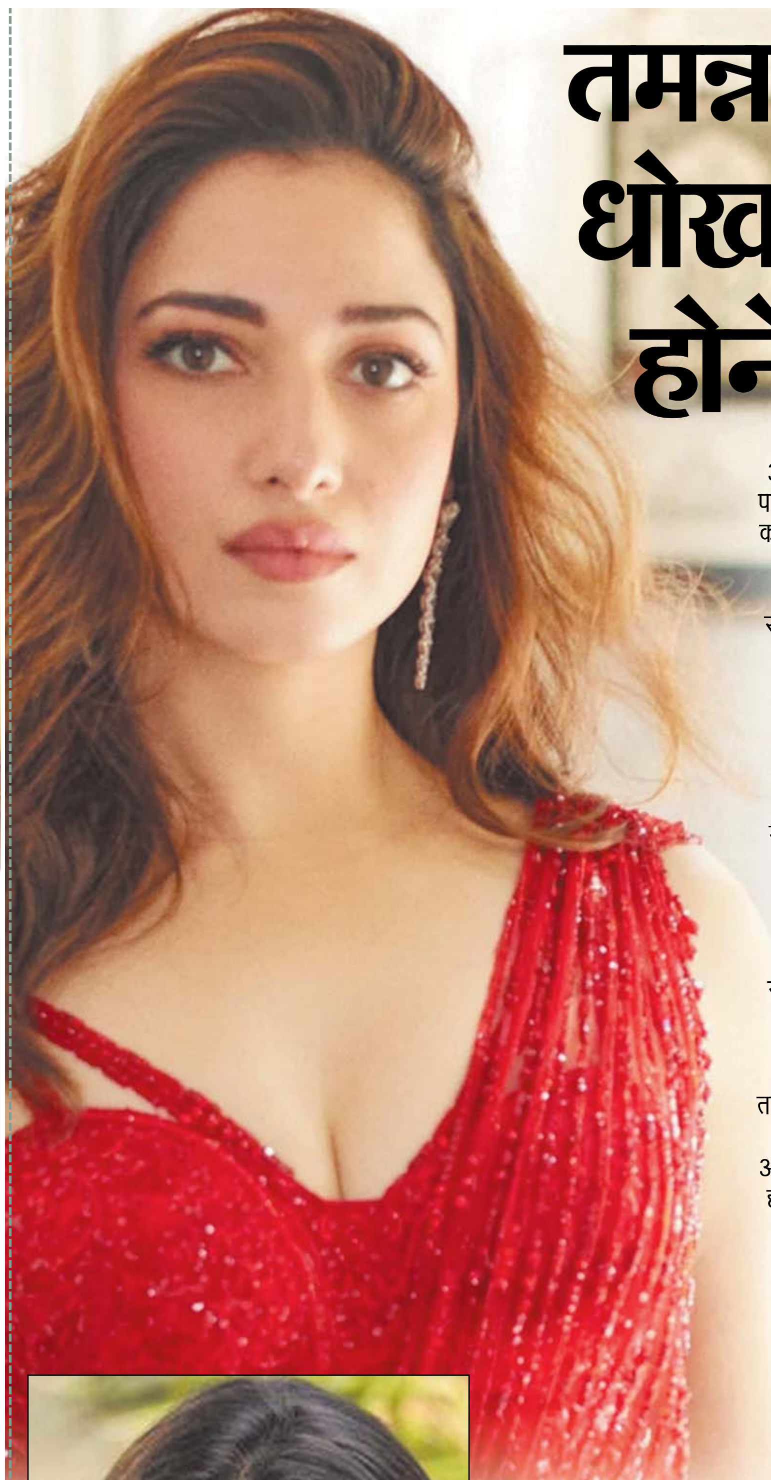

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने उन रिपोर्टों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिनमें कहा गया है कि उन्हें 2.4 करोड़ रुपये के क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले में पुडुचेरी पुलिस द्वारा तलब किया जा सकता है। दावों को फर्जी और भ्रामक बताते हुए अभिनेत्री ने आश्वासन दिया कि वह ऐसी झूठी रिपोर्टों के खिलाफ कार्रवाई करेंगी।

क्या है पूरा मामला

28 फरवरी को कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि तमन्ना और अभिनेत्री काजल अग्रवाल से कथित क्रिप्टोकरेंसी स्कीम के संबंध में पूछताछ की जा सकती है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से उनकी संलिप्तता के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

आरोपों पर बोलीं तमन्ना

तमन्ना ने साक्षात्कार में इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह मेरे ध्यान में आया है कि मेरे क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े होने और उससे जुड़े होने का आरोप लगाते हुए अफवाहें फैलाई जा रही हैं। मैं मीडिया में अपने दोस्तों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वे ऐसी कोई भी फर्जी, भ्रामक और झूठी रिपोर्ट और अफवाहें न फैलाएं। उन्होंने कहा, इस बीच मेरी टीम उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए इस पर विचार कर रही है।

ऐसे शुरू हुआ विवाद

दरअसल, पुडुचेरी के मूलकुलम के पूर्व सैनिक अशोकन ने कोयंबटूर स्थित एक फर्म के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसकी स्थापना 2022 में हुई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि क्रिप्टोकरेंसी निवेश योजना में उनके साथ धोखाधड़ी की गई। अशोकन ने दावा किया कि उन्होंने 1 करोड़ रुपये का निवेश किया और अपने 10 दोस्तों को कुल 2.4 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए राजी किया।

काजल की प्रतिक्रिया का इंतजार

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वह कंपनी के लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां तमन्ना मौजूद थीं और बाद में महाबलीपुरम में एक अन्य समारोह में शामिल हुए, जहां काजल मुख्य अतिथि थीं। कहा गया था कि इस कार्यक्रम में 100 से अधिक निवेशकों को 10 लाख से 1 करोड़ रुपये की लग्जरी कारें उपहार में दी गईं। पुलिस अधिकारियों ने कथित तौर पर काजल और तमन्ना से स्पष्टीकरण मांगा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वे केवल कंपनी के कार्यक्रमों का प्रचार कर रही थीं या उनकी कोई वित्तीय भागीदारी भी थी। काजल ने अभी तक इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

भूमि पेडनेकर ने सिनेमाई सफर में निभाए गए किरदार पर की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, जिन्हें 'मेरे हसबैंड की बीवी' के लिए काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने हाल ही में एक अभिनेत्री के रूप में फिल्म उद्योग में 10 साल पूरे किए हैं। अपनी इस उपलब्धि के बाद, अभिनेत्री ने अपने सफर में विभिन्न किरदारों को निभाने के बारे में बात की और बताया कि इसने उनके करियर को कैसे आकार दिया है। 'दम लगा के हईशा' में अपने यादगार डेब्यू से लेकर अपनी हालिया भूमिकाओं तक भूमि अपनी पीढ़ी की सबसे बहुमुखी और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उभरी हैं।

अपनी यात्रा पर भूमि ने कहा, मेरी यात्रा दम लगा के हईशा से शुरू हुई और तब से हर दिन मुझे याद दिलाता है कि मैं कितनी दूर आ गई हूं। इन 10 वर्षों ने मुझे जुनून और खुद पर विश्वास करने की शक्ति सिखाई है। उन्होंने आगे बताया, मुझे कुछ वाकई विविध किरदार निभाने का सौभाग्य मिला है, मेरी पहली फिल्म में एक अधिक वजन वाली दुल्हन, बधाई दो में एक विचित्र किरदार, भक्षक में न्याय के लिए लड़ने वाली एक पत्रकार, सांड की आंख में उम्र के मानदंडों को चुनौती देने वाली एक अस्सी वर्षीय महिला, बाला में रंग के आधार पर भेदभाव करने का सामना करने वाली एक महिला और थैंक यू फॉर कमिंग में अपनी स्वतंत्रता को अपनाने वाली एक महिला।

अभिनेत्री ने विभिन्न विधाओं में विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाई हैं। उनके करियर को असाधारण प्रदर्शन को फैंस ने सराहा भी है। जिससे वह बॉलीवुड की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं। भूमि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाती हैं, साथ ही वह सीखे गए सबक और अपने करियर को आकार देने वाले अवसरों पर भी विचार करती हैं। कहा जाता है कि अभिनेत्री के पास पाइपलाइन में कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, क्योंकि वह ऐसी भूमिकाएं निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो यथास्थिति को चुनौती देती हैं और समकालीन मुद्दों पर नए दृष्टिकोण पेश करती हैं। हाल ही में भूमि ने अपने 10 साल पूरे होने पर मुंबई में एक खास केक-कटिंग सेरेमनी रखी। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मीडिया और उनके प्रशंसक शामिल हुए। अभिनेत्री ने ब्लैक पैंट और स्टाइलिश लॉन्ग स्लीव शर्ट पहनी हुई थी।

सैफ मामले से आलिया ने लिया सबक!

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी बेटी राहा कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया से हटा ली हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम से बेटी की सभी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। अब फैंस राहा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर नहीं देख पाएंगे, सिवाय उन तस्वीरों के जिनमें उनका चेहरा नहीं नजर आ रहा है। अभिनेत्री के इस फैसले पर उनके फैंस भी उनके साथ हैं। अभिनेत्री के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को अब स्क्रॉल करने पर राहा की तस्वीरें नहीं दिख रही हैं। यहां तक कि जामनगर या परिवार की पेरिस टूर से पोस्ट की गई तस्वीरें भी हटा दी गई हैं। राहा-आलिया के नए साल के दिन के फोटो एलबम में दिखाई देती हैं, लेकिन उनका चेहरा नहीं दिखाई देता। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री के इस फैसले का उनके फैंस समर्थन कर रहे हैं। रेडिट पर फैंस ने इसका समर्थन किया।

सैफ पर हुए हमले से जोड़ रहे लोग

एक यूजर ने आश्चर्य जताया कि इसका क्या कारण हो सकता है? उसने लिखा, सैफ-जेह की घटना ने उन्हें प्रभावित किया है। उन्होंने पैपराजी को भी मना किया कि वह अब से राहा की तस्वीरें न लें। उनके लिए अच्छा है। हालांकि, यह सिर्फ अटकलें हैं, जो सोशल मीडिया यूजर्स लगा रहे हैं। इसकी असल वजह अभी तक सामने नहीं आई है।

मुनमुन दत्ता ने रिजेक्ट किया सेलिब्रिटी मास्टरशेफ, क्या रही वजह

इन दिनों एक कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में कई टीवी सेलिब्रिटी नजर आ रहे हैं। इस शो में वह अपनी कुकिंग स्किल्स को दिखा रहे हैं। इसी शो के लिए सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की पॉपुलर एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता को भी अप्रोच किया गया था। लेकिन वह 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' का हिस्सा नहीं बन पाईं।

रियालिटी शो का हिस्सा इसलिए नहीं बन पाईं

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' से जुड़े एक सोर्स का कहना है कि मुनमुन दत्ता को भी शो ऑफर हुआ था। वह एक अच्छी कुक हैं, साथ ही काफी पॉपुलर भी हैं। ऐसे में शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के लिए परफेक्ट थीं। लेकिन उनके अपने शो कॉमेडी शो को लेकर कुछ कमिटमेंट्स थे, जिसके कारण उन्हें कुकिंग रियालिटी शो को ना कहना पड़ा। इन दिनों सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में तेजस्वी, गौरव खन्ना, निक्की तंबोली जैसे टीवी सेलिब्रिटी नजर आ रहे हैं।

कॉमेडी शो में कई सालों से एक्टिव

सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का हिस्सा मुनमुन दत्ता काफी लंबे समय से हैं। वह इसमें बबीता जी नाम का किरदार निभाती हैं, जिसका पति एक साइंटिस्ट है। शो में कॉमेडी के साथ समय-समय पर सोशल मैसेज भी दिए जाते हैं। इस शो की वजह से मुनमुन को काफी पॉपुलैरिटी मिली है।

फिल्मों का भी हिस्सा बनीं

मुनमुन ने सीरियल्स के अलावा फिल्मों में भी काम किया है। वह मुंबई एक्सप्रेस और हॉली डे जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही 'बिग बॉस 15' में बतौर प्रतियोगी भी शामिल हो चुकी हैं। इन दिनों भी वह 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में नजर आ रही हैं।

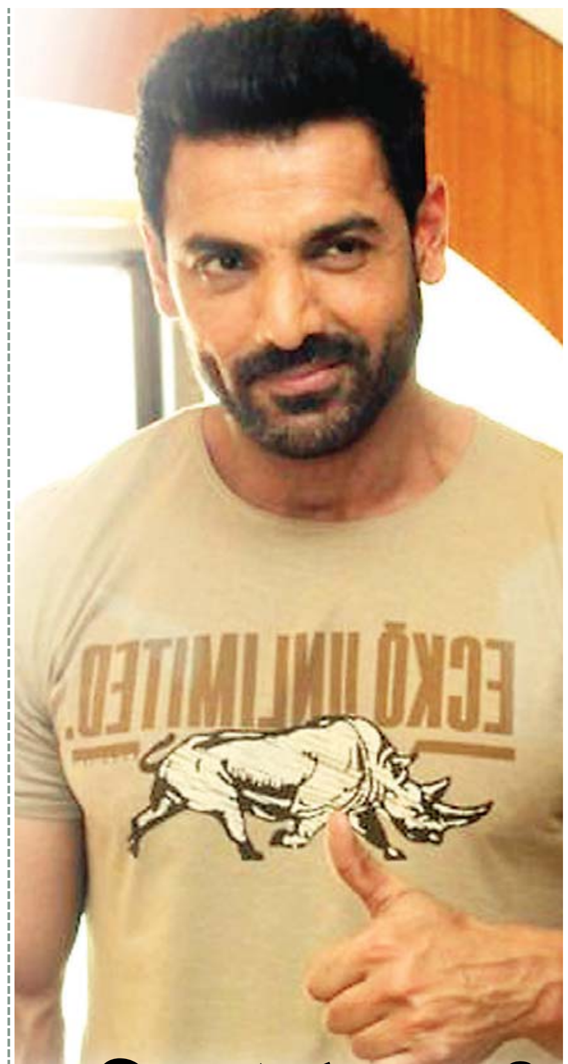

'डिप्लोमैट' की रिलीज से पहले जॉन ने मांगी माफी

फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों के ट्रेलर रिलीज या दूसरे सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाना अच्छा नहीं लगता। अपनी नई फिल्म 'द डिप्लोमैट' के लिए भी वह पत्रकारों से अलग-अलग ही मिल रहे हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर के साथ इस फिल्म की खासियतों के बारे में भी बता रहे हैं। 'अमर उजाला' से बातचीत के दौरान उन्होंने इस फिल्म के अलावा बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में हुए हादसे के बारे में भी बात की और पहली बार कैमरे के सामने माना कि इसमें गलती उनकी ही थी।

पहली बार शिवम नायर से मिले

पाकिस्तान में तैनात रहे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी जे पी सिंह के जीवन पर बनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' की शूटिंग बीते साल ही खत्म हो गई थी। लेकिन, जॉन बताते हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर को हर सीन को करीने से एडिट करने और उसमें कहीं भी कोई खामी न रहने देने का जुनून सा रहता है। वह फिल्म को शूट करने के बाद एडिट टेबल पर भी काफी करीने से संवारते हैं और उनके इसी जुनून को देखकर मुझे उनके साथ काम करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म के लिए ही मैं और शिवम पहली बार मिले।

गलतियों से सीखना ही बड़े होने की निशानी

ये पूछे जाने पर कि पचास साल की उम्र पार होने के बाद अमूमन इंसान का गुस्सा कम होने लगता है, तो क्या जॉन भी अपने भीतर ये बदलाव महसूस करते हैं। जॉन कहते हैं, हां, मैं अब उतना गुस्सा नहीं करता। अपनी बात कहने में मैं अब भी पीछे नहीं रहता, लेकिन अब मैं अपने उत्तरों को डिप्लोमैटिक तरीके से पेश करना सीख गया हूं। पहले मैं जो कुछ भी मन में आता था, कह देता था, लेकिन मुझे लगता है गलतियों से सबक लेना ही किसी इंसान के प्रौढ़ होने की निशानी है।

मैं अपनी गलती के लिए क्षमा मांगता हूं!

और, ऐसी ही गलती उनसे बीते साल फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर रिलीज कार्यक्रम में एक पत्रकार के सवाल के जवाब में अपशब्द कहने की हुई? जॉन शायद इस सवाल के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन, बात की संजीदगी को समझते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि हां उनसे गलती हुई। जॉन कहते हैं, मुझे इस तरह से अपनी प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी। वह 'बेचारा' तो अपना काम ही कर रहा था। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। मैं आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों में जाना टालता ही हूं। तब भी मैंने कहा था कि मुझे मत बुलाओ, अब देखिए ना, मैंने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली थी। फिल्म 'द डिप्लोमैट' 14 मार्च को रिलीज हो रही है।

रिलीज से पहले कुबेर को मिला ओटीटी पार्टनर, थिएटर के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी धनुष की फिल्म

हाल ही में धनुष की फिल्म कुबेर की रिलीज डेट से पर्दा उठा था। 27 फरवरी को आधिकारिक तौर पर यह खुलासा किया गया कि शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर 20 जून 2025 को कई भारतीय भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म में धनुष के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। अब इस फिल्म के ओटोटी पार्टनर से पर्दा उठ गया है।

कुबेर को मिला ओटीटी पार्टनर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलीज की तारीख की घोषणा करने के बाद कुबेर ने निर्माताओं ने अमेजन प्राइम वीडियो के साथ फिल्म की ओटीटी साझेदारी कर ली है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने भारी कीमत पर सभी भाषाओं में कुबेर के डिजिटल अधिकार हासिल कर लिए हैं।

फिल्म की स्टार कास्ट

फिल्म में धनुष और रश्मिका मंदाना के अलावा जिम सर्भ और अक्किनेनी नागार्जुन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुबेर को श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समर्थित किया गया है। देवी श्री प्रसाद ने फिल्म का संगीत तैयार किया है। कुबेर धारावी की पृष्ठभूमि पर आधारित है और यह एक व्यक्ति के गरीबी से अमीरी तक के विकास की कहानी दर्शाती है। सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले कुबेर को बनाया जा रहा है। वहीं देवी श्री प्रसाद फिल्म का संगीत दिया है।

एक्स पर दी रिलीज डेट की जानकारी

फिल्म कुबेर के निर्माताओं ने एक्स पर फिल्म के एक पोस्टर के साथ शेयर की रिलीज की तारीख। इस पोस्टर में धनुष और नागार्जुन नजर आ रहे हैं। साथ ही इस पोस्टर के साथ लिखा, शक्ति की कहानी, धन के लिए लड़ाई, भाग्य का खेल। शेखर कम्मुला कुबेर 20 जून, 2025 से एक आकर्षक अनुभव देने के लिए तैयार है।

आज टाइगर श्रॉफ बेंचमार्क हैं; आप कैसे सर्वाइव करेंगे बॉलीवुड में?

जॉनी गद्दार में अपने डेब्यू के अठारह साल बाद, नील नितिन मुकेश बॉलीवुड के विकास पर चर्चा करते हैं कि बॉलीवुड कैसे विकसित हुआ है, और इस बात पर जोर देते हैं कि इंडस्ट्री आज अपने अभिनेताओं से कहीं अधिक की उम्मीद करता है। बदलते परिदृश्य पर चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे टाइगर श्रॉफ ने फिटनेस और एक्शन में एक नया मानक स्थापित किया है, उन्होंने कहा, बेंचमार्क टाइगर श्रॉफ हैं- तो आप कैसे सर्वाइव करेंगे? बॉलीवुड के सबसे युवा एक्शन सुपरस्टार के रूप में जाने जाने वाले टाइगर श्रॉफ ने अपने हाई-ऑक्टेन प्रदर्शन, बेजोड़ चुस्ती और हैरतअंगेज़ एक्शन सीक्वेंस के साथ स्टारडम को फिर से परिभाषित किया है। चुनौती देने वाले स्टंट से लेकर मार्शल आर्ट को डांस के साथ सहजता से मिश्रित करने तक, टाइगर ने सभी पीढ़ियों के अभिनेताओं के लिए मानक बढ़ा दिए हैं। नील ने आगे इस बात पर जोर दिया कि कैसे इंडस्ट्री अब अभिनेताओं से सिर्फ कलाकार ही नहीं, बल्कि एक्शन हीरो, डांसर और फिटनेस आइकन भी बनने की उम्मीद करता है - एक ऐसा डोमेन जहां टाइगर आसानी से छाए हुए है। वर्तमान में, टाइगर श्रॉफ अपनी ब्लॉकबस्टर एक्शन फेंचाइजी की अगले भाग बागी 4 की शूटिंग कर रहे हैं। 5 सितंबर 2025 को रिलीज होने वाली इस फिल्म के साथ, उम्मीदें आसमान पर हैं क्योंकि प्रशंसक उत्सुकता से एक और एड्रेनालाईन-पैक ड्रामा का इंतजार कर रहे हैं।

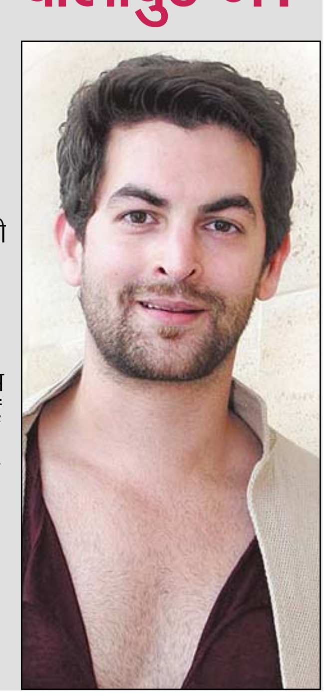

चैम्पियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में आज होगा दक्षिण अफ्रीका-न्यूजीलैंड मुकाबला

लाहौर (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम जहां ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच में इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत के कारण बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। वहीं न्यूजीलैंड को अंतिम लीग में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह उबरना चाहेगी। दोनो की टीम जीत की प्रबल दावेदार हैं। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी टीम जीत दर्ज कर उस धारणा को तोड़ना चाहेगी जिसमें कहा जाता है कि बड़े आईसीसी मुकाबलों के दौरान वह दबाव में बिखर जाती है। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने साल 1998 और 2000 में एक-एक बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती है पर तब इस टूर्नामेंट को आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी कहा जाता था। न्यूजीलैंड की टीम एकदिवसीय विश्व कप (2015 और 2019) में दो बार और टी20 विश्व कप (2021) में एक फाइनल में पहुंचने के बाद भी खिताब जीतने से रह गयी थी, इसलिए इस बार वह गलती नहीं करना चाहेगी। इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड ग्रुप ए में दूसरे पर रहा जबकि दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में नंबर एक पर रही है। दोनों टीमों के बीच कोई अधिक अंतर नहीं है हालांकि गेंदबाज में दक्षिण अफ्रीकी टीम कुछ बेहतर नजर आ रही है।

दोनों टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज हैं। इस मैच में स्पिनरों के अहम भूमिका निभाने की संभावना है क्योंकि गद्दाफी स्टेडियम की पिच थोड़ी धीमी है। ऐसे में स्पिनर अंतर पैदा कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड ने पिछले माह यहां हुई त्रिकोणीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को हराया था जिससे वह प्रेरित होना चाहेगा। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 305 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया और फिर फाइनल में पाकिस्तान को हराकर त्रिकोणीय सीरीज जीती थी। कीवी टीम के अनुभवी बल्लेबाज टॉम लाथम को लगता है कि ये अनुभव उनके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

उन्होंने हालांकि कहा, 'जिस दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ हमने खेला था वह थोड़ी अलग थी। उस टीम में बहुत से ऐसे खिलाड़ी थे जो इस टीम में नहीं थे। उनके कुछ मुख्य खिलाड़ी तब एसएटी20 में खेल रहे थे, इसलिए इस बार मुकाबला अलग होगा। मेरा

अनुमान है कि हमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने में लाहौर के अपने पिछले अनुभव का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ तैयारी करेंगे और पूरी कोशिश करेंगे। हम सेमीफाइनल की चुनौती का इंतजार कर रहे हैं। हमारा रवैया हमेशा एक जैसा ही रहता है। हम अपनी तरह का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं।

वहीं अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन भी भारत के खिलाफ 81 रन की पारी खेल कर लय में वापसी का प्रयास करेंगे। गेंदबाजी में टीम के पास मैट हेनरी ओर विल ओराउरकी जैसे खिलाड़ी हैं। हेनरी ने भारत के खिलाफ धीमी पिच पर सबसे अधिक आठ विकेट लिए थे। कीवी टीम के पास कप्तान मिशेल सेंटनर के अलावा माइकल ब्रेसवेल, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स और मार्क चैपमैन जैसे बेहतरीन स्पिनर भी हैं। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका भी अच्छे फॉर्म में है। उसने अपनी सबसे अच्छी टीम उतारी है। उसके बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के पास कप्तान तेम्बा बावुमा, रासी वैन डेर डुसेन और एडेन मारक्रम जैसे खिलाड़ी भी है। इसके अलावा वियान मुल्डर, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन जैसे तेज गेंदबाज उसके ताकत बढ़ाते हैं। स्पिन की जिम्मेदारी केशव महाराज और तबरेज शम्सी के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

न्यूजीलैंड : मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लाथम, डेरिल मिशेल, विल ओरउरकी, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को यानसेन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मारक्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

सचिन ने जंगल सफारी की तस्वीरें साझा कर वनों को बचाने का संदेश दिया

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जंगल सफारी का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें सचिन काफी खुश नजर आ रहे हैं। सचिन प्रकृति प्रेमी होने के कारण जंगलों की सैर से आनंद का अनुभव करते हैं। सचिन वाइल्डलाइफ डे के अवसर पर सोमवार को जंगल सफारी पर गये थे। इसी की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने एक खास संदेश भी दिया। उनकी इस तस्वीर में एक बाघ भी नजर आ रहा है। सचिन ने फेसबुक पर किए पोस्ट में लिखा,÷ जंगल में कोई वाई-फाई नहीं है, फिर भी यह आपको हर उस चीज से जोड़ता है जो वाकई मायने रखती है। इसकी हर यात्रा एक अनूठा अनुभव रही है जो प्रकृति के चमत्कारों को अपने तरीके से सामने लाती है। आइए हम अपने जंगली खजानों को बचाये रखें।÷

उनका संदेश न केवल प्रकृति की सुंदरता को सराहने की प्रेरणा देता है, बल्कि इसके संरक्षण की भी अपील करता है। जंगल और वन्यजीव हमारे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं पर तेजी से हो रहे शहरीकरण और इंसानी दखल के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर खतरा बढ़ रहा है।

गौरतब है कि सचिन संन्यास के बाद से ही कई एनजीजो से भी जुड़े हुए हैं और समाज की भलाई में लगी संस्थाओं की सहायता करते है। उनका एक एनजीओ बच्चों गरीब बच्चों की सहायता करता है। सचिन ने अपने करियर में भारतीय टीम की ओर से 200 टेस्ट, 463 एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेलकर। 15921, 18426 और 10 रन बनाए हैं। तीनों ही प्रारुपों को मिलाकर सचिन ने अब तक कुल 100 शतक लगाये हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। लीग मुकाबलों के बाद चार टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची हैं। भारतीय टीम सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। डिविलियर्स ने भविष्यवाणी की है कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ही फाइनल खेला जाएगा। डिविलियर्स ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी के दो फाइनलिस्ट बताना संभव नहीं है पर मेरी अंतरात्मा कहती है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम टी20 विश्व कप फाइनल की तरह ही यहां भी मुकाबला करेंगी। इंग्लैंड के खिलाफ जीत से दक्षिण अफ्रीका का मनोबल बढ़ा है।'

डिविलियर्स ने कहा, 'मुझे अफ्रीकी टीम का लुक पसंद है। मार्को जेनसन शानदार फॉर्म में हैं, क्लासेन जैसे खिलाड़ी फॉर्म में हैं। रासी वैन डेर डुसेन, केशव महाराज सभी। मुझे लगता है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल बेहद रोमांचक होगा हालंकि आप निश्चित रूप से न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की उपेक्षा नहीं कर सकते। ये दो भी उतनी ही मजबूत टीमें हैं। विशेषकर जब आईसीसी ट्रॉफी की बात आती है। तो भारतीय टीम इंडिया ने पिछले साल बारबाडोस के केंसिंग्टन में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

पूर्व पाक क्रिकेटर ने भारतीय टीम को दी चुनौती, बेहतर है तो खेलें 10-10 मुकाबले

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सहित उसके दिग्गज क्रिकेटर भारतीय टीम को पाक दौरे पर भेजने का लगातार अनुरोध करते रहे है पर भारतीय बोर्ड सुरक्षा कारणों से उसे ठुकराता रहा है। पीसीबी ने आईसीसी के जरिये भी भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया था पर जब आईसीसी ने मना कर दिया तो पाक के पूर्व क्रिकेटर घटिया स्तर पर उतर आये हैं। इस कड़ी में पाक के पूर्व स्पिन गेंदबाज सकलेन मुश्ताक ने भारतीय टीम को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय टीम वास्तव में हमसे बेहतर टीम है तो पाकिस्तान के साथ 10 टेस्ट, 10 एकदिवसीय और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलकर दिखाये। सकलेन ने ये बात पाकिस्तानी मीडिया में कही।

इस दौरान वहां पूर्व क्रिकेटर इंजमाम-उल-हक भी उपस्थित थे। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंदिता पर कई पूर्व दिग्गजों ने सवाल उठाते हुए कहा कि ये अब पहले की तरह रोमांचक नहीं रही क्योंकि अब मुकाबले एकतरफ हो रहे हैं क्योंकि पाक टीम काफी कमजोर हो गयी है। हाल के मैचों में भारत का प्रदर्शन पाकिस्तान से कहीं बेहतर रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत ने पाकिस्तान को आसाने से हरा दिया था।

वहीं सकलेन इस बात से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर हम राजनीतिक बातों को छोड़ दें तो उनके खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं और वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। सकलेन ने साथ ही कहा, अगर आप सच में एक अच्छी टीम हैं, तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान के खिलाफ एक-एक सीरीज खेलें तब सब कुछ साफ हो जाएगा। सकलेन का मानना है कि कुछ मैचों के आधार पर दोनों टीमों की तुलना करना सही नहीं है। ज्यादा मैच खेलने से असली तस्वीर साफ होगी। सकलेन ने भी माना कि इस समय पाकिस्तान टीम में सब कुछ ठीक नहीं है। लेकिन उनका मानना है कि सही इरादे से इसे ठीक किया जा सकता है।

सकलेन मुश्ताक ने कहा, अगर हम अपनी तैयारी सही तरीके से करें और चीजों को सही दिशा में ले जाएं, तो हम ऐसी स्थिति में होंगे जहां हम दुनिया और भारतीय टीम को भी करारा जवाब दे सकते हैं। भारतीय टीम अभी पाकिस्तान के साथ केवल आईसीसी जैसे बड़े टूर्नामेंट में ही खेलती है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज फिलहाल नहीं हो रही है। ऐसे में सकलेन की चुनौती को स्वीकार किया जाना मुश्किल लग रहा है।

आईपीएल के लिए अभ्यास में लगी है पंजाब किंग्स

धर्मशाला । पंजाब किंग्स की टीम इसी माह शुरु होने वाले आईपीएल के 18वें सत्र की तैयारियों में लग गयी है। इस बार पंजाब की टीम नये कप्तान रेयस अय्यर के साथ उतरेगी। आईपीएल कार्यक्रम जारी होने के बाद से ही पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरु कर दिया। टीम यहां के धर्मशाला स्टेडिमय में अभ्यास कर रही है। अभ्यास में प्रभ सिमरन सिंह, शशांक सिंह, यजुवेंद्र चहल सहित करीब 10 खिलाड़ी शामिल रहे। इस अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों ने पिच पर भी अभ्यास कर उनका अंदाजा लेने का प्रयास किया। इस दौरान एचपीसीए के खिलाड़ियों को भी पंजाब के खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करने का अवसर मिला। वहीं इस सत्र के साथ ही पंजाब की टीम यहां अभ्यास मैच भी खेलेगी। इन मैचों का आयोजन मौसम के हालात पर निर्भर करेगा, साथ ही यह मैच किसके साथ होगा, यह इसकी स्थिति भी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। गौरतलब है कि पंजाब किंग्स के लिए घरेलू मैदान माने जाने वाले धर्मशाला स्टेडियम में इस साल 3 आईपीएल मैच खेले जाएंगे। इन 3 मैचों में पंजाब की टीम का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के साथ होगा। पंजाब की टीम को उम्मीद है कि जिस प्रकार पिछले सत्र में श्रेयस ने केकेआर को जीत दिलायी थी। उसी प्रकार वह उसे भी जीत दिलाएगी।

बाबा निराला की शरण में पहुंचे चहल

मुम्बई । भारतीय टीम से बाहर चल रहे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल आजकल खराब दौर से गुजर रहे हैं। पत्नी धनश्री वर्मा से भी उनका तलाक को गया है। वहीं इसी बीच चहल का एक ऐसा वीडिया सामने आया है जिसे देखकर आप हंसे बिना नहीं रह पायेंगे। इस पोस्ट में परेशान नजर आ रहे चहल बाबा निराला से सहायता मांगते दिख रहे हैं। पिछले हफ्ते एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज 'आश्रम' के तीसरे सत्र का दूसरा पार्ट रिलीज हुआ था और इस सीरीज में बॉबी देओल ने बाबा निराला की भूमिका निभाई थी। चहल, बाबा निराला के दरबार पहुंचते हैं, जिससे उनका सलामी बल्लेबाज बनने का सपना पूरा हो सके। चहल कहते हैं, ' कृपया मुझे सलामी बल्लेबाज बना दो।' बाबा कहते हैं, 'तथास्तु।' इसके तुरंत बाद युजवेंद्र चहल पानी की बोतलें, टिफिन और जाम दरवाजे खोलते दिखाई देते हैं। चहल इसके बाद कहते हैं, 'अच्छा ओपनर बना दिया बाबा।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बाबा निराला कहते हैं, 'बाबा के आश्रम से कोई भी खाली हाथ नहीं जाता।' वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने इस वीडियो को मजेदार बताया है।

आईपीएल 25 में नई जर्सी में नजर आयेंगे केकेआर के खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल 2025 में नई जर्सी में नजर आयेगी। गत विजेत केकेआर ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी नई जर्सी जारी कर दी है। सोशल मीडिया पर जो नई जर्सी पेश की गयी है उसमें तीन स्टार बने हुए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नई जर्सी का वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में टीम की जर्सी पर तीन स्टार्स को कोरबो-लड़बो-जीतबो का सिंबल बताया गया है। गौरतलब है कि केकेआर ने अभी तक तीन बार आईपीएल खिताब जीता है। इस तरह से यह तीन स्टार उसके तीन आईपीएल खिताब के बारे में भी बताते हैं। इसके अलावा जर्सी पर गोल्डन बैज भी लगा है।

केकेआर ने नई जर्सी का वीडियो जारी

किया है। इस वीडियो में 'कुछ कुछ होता है' फिल्म में स्टार्स काउंट करने वाला छोटा बच्चा, यहां पर भी स्टार्स काउंट कर रहा है। वह स्टार काउंट करते हुए बोलता है, कोरबो, लड़बो, जीतबो। इसके अलावा केकेआर के कई स्टार खिलाड़ी भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इन खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह समेत कई अन्य क्रिकेटर्स शामिल हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 में केकेआर ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। इस सत्र के लिए हालांकि अभी तक टीम के कप्तान को नाम सामने नहीं आया है। वहीं हाल ही में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने कहा था कि अगर उन्हें अवसर दिया गया तो वह कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश को हालांकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है। आईपीएल के 2025 सत्र की शुरुआत 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबले के साथ होगी। इसका समापन भी 25 मई को इसी जगह होगा।

एशियाई चैंपियंस लीग : रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अल–नासेर ने एस्तेघलाल से ड्रॉ खेला

तेहरान । दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्ड की गैरमौजूदगी में सऊदी अरब के अल–नासेर ने एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) फुटबॉल मैच में ईरान के एस्तेघलाल के साथ पहले चरण के मैच को गोलरहित ड्रॉ खेला। 40 साल के रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड और रीयाल मैड्रिड के साथ पांच बार यूएफा चैंपियंस लीग खिताब जीते हैं। इस साल जनवरी में एस्टन विला से अनुबंधित किए गए जॉन डुरान सोमवार को खेले गये मैच में गोल करने के करीब पहुंच कर चूक गए। लीवरपूल के पूर्व स्टार सादियो माने के पास मौके थे लेकिन एस्तेघलल के गोलकीपर सईद होसैन होसैनी ने शानदार खेल से उनके सभी प्रयासों को विफल कर दिया। दोनों टीमों के बीच दूसरे चरण का मैच 11 मार्च को रियाद में होगा, जिसे जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी। एक अन्य मैच में संयुक्त अरब अमीरात के अल वस्ल को कतर के अल–साद ने गोलरहित बराबरी पर रोका।

अब रिचर्ड्स बोले, दुबई में खेलने का भारतीय टीम को मिल रहा लाभ

–आईसीसी एक ही जगह मैच रखने पर जवाब दे

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आलोचना की है। रिचर्ड्स ने कहा है कि आईसीसी ने भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में रखे हैं जिसका लाभ उसे मिल रहा है। रिचर्ड्स से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस और कुछ अन्य क्रिकेटरों ने भी कहा था कि दुबई में ही मैच होने से भारतीय टीम को लाभ हुआ है जबकि अन्य टीमों को अलग-अलग मैच स्थलों पर जाना पड़ रहा है। रिचर्ड्स के अनुसार भारतीय टीम को एक ही जगह खेलने की सुविधा दी गयी है जिसको लेकर उन्होंने सवाल भी उठाये हैं। रिचर्ड्स ने ये भी कहा कि आईसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को पता नहीं था कि उनके सेमीफाइनल मुकाबले कहां होंगे जबकि भारतीय टीम को पता था कि उ से दुबई के एक ही मैदान पर खेलना है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने भी ये सवाल उठाया था। रिचर्ड्स ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के दौरान कहा, हो सकता है कि लोगों का अनुमान सही हो। मुझे भी लगता है कि ऐसा राजनीति के कारण होता है। मैं राजनीति पक्ष में नहीं जाना चाहता पर मेरा मानना है कि आईसीसी को इस बारे में विचारा करना चाहिये था। आईसीसी की ही ये समस्या है और उसे जवाब देना चाहिये।

रोहित पर टिप्पणी करने वाली कांग्रेस नेता शमा पर भड़के हरभजन

–पूछा क्या फिटनेस कोच हैं शमा

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा है कि किसी को भी टीम के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर विवादस्पद टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। अपने इस बयान से हरभजन ने रोहित को मोटा और औसत कप्तान करने वाली कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद को करारा जवाब दिया है। हरभजन ने कहा कि रोहित ने एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम को अपनी सेवाएं दी हैं और अभी भी वह टीम का नेतृत्व काफी अच्छी तरह से कर रहे हैं। साथ ही कहा कि रोहित एक महान खिलाड़ी हैं, जिन्होंने देश के लिए बहुत कुछ किया है। वह अभी भी भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान हैं और अपनी फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर टीम में बने हुए हैं। अगर उनकी फिटनेस ठीक नहीं होती, तो वह टीम का हिस्सा नहीं होते।

हरभजन ने शमा को दिये अपने करारे जवाब में कहा कि टीम में शामिल होने के लिए कई स्तरों की फिटनेस से गुजरना पड़ता है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या शमा फिटनेस कोच हैं, बीसीसीआई की अध्यक्ष हैं या किसी खेल से जुड़ी हुई हैं, जो रोहित की फिटनेस को कम बता रही हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने तथ्यों को सही तरीके से समझा है। उन्होंने आगे कहा कि रोहित की तुलना किसी ऐसे खिलाड़ी से की जा रही है, जो अभी भी टीम में हैं, लेकिन यह तुलना बिल्कुल भी सही नहीं है। मुझे लगता है कि शमा को फिटनेस के सही मापदंडों की ही जानकारी नहीं है। हमें सिर्फ रोहित शर्मा की फिटनेस या व्यक्तिगत मामलों पर चर्चा करने के बजाय उनके योगदान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वहीं इससे पहले कांग्रेस नेता शमा ने रोहित की फिटनेस को लेकर सवाल उठाए थे। शमा ने सोशल मीडिया पर कहा था कि उनका वजन अधिक है और वह एक कुशल कप्तान भी नहीं है पर किस्मत से यहां तक पहुंच गये हैं।

नीदरलैंड के दिग्गज ताइकेमा भारतीय महिला ड्रैग फ्लिकर के साथ काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक अल्पकालिक आधार पर राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम के ड्रैग फ्लिकर के साथ काम करने के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ताइके ताइकेमा से करार किया है। ताइकेमा ने पिछले महीने भुवनेश्वर में भारत के एफआईएच प्रो लीग अभियान से पहले 10 से 16 फरवरी तक सात दिवसीय शिविर में भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था।

भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ मुकाबला किया था। इस सात दिवसीय शिविर में दीपिका, मनीषा चौहान, सोनम और अन्नू जैसी खिलाड़ियों के साथ-साथ कुछ जूनियर खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। मैंने हॉकी इंडिया से उन्हें इस क्षेत्र में सुधार करने में हमारी मदद करने के लिए लाने का अनुरोध किया। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं।''

हरेंद्र ने कहा, ''ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे।'' हरेंद्र ने इससे दीपिका के प्रदर्शन में सुधार का जिक्र करते हुए कहा, '' हमने दीपिका के साथ निश्चित प्रगति देखी है, खासकर हाल के प्रो लीग मैचों के दौरान।''

इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए। उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है। वह 2002 और 2006 चैंपियंस ट्रॉफी, 2006 विश्व कप, 2008 ओलंपिक खेलों और 2010 एफआईएच विश्व कप सहित कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में शीर्ष स्कोरर थे। उन्होंने 2022 से 2024 तक चीन की महिला टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया।

दीपिका ने भी कहा कि उन्हें शिविर से बहुत लाभ हुआ। प्रो लीग में पेनल्टी कॉर्नर से अपने तीन में से दो गोल करने वाली दीपिका ने कहा, ''यह सिर्फ एक सप्ताह का शिविर था, लेकिन यह एफआईएच प्रो लीग के घरेलू चरण के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। मैंने इस दौरान फुटवर्क, शॉट रिलीज और

फिनिशिंग को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। इससे मुझे उन तकनीकी समायोजनों की स्पष्ट समझ मिली जिसे मुझे करने की जरूरत थी।

संक्षिप्त समाचार

जॉर्डन के सैनिक की गोली से भारतीय नागरिक की मौत

अम्मान, एजेंसी। इजराइल-जॉर्डन सीमा पर एक भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। उसकी पहचान केरल के थुंबा निवासी एनी थॉमस गेब्रियल (47) के तौर पर हुई है। गेब्रियल चोरी से इजराइल की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। तभी उसे जॉर्डन के सैनिक ने गोली मार दी।जॉर्डन में स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना के बारे में जानकारी साझा की है। दूतावास ने कहा कि वे मृतक के परिवार के संपर्क में हैं और उसके शव को लाने की कोशिश में जुटे हैं। मृतक गेब्रियल के परिवार ने बताया है कि उन्हें बीते 1 मार्च को भारतीय दूतावास की ओर से एक ईमेल मिला जिसमें एनी थॉमस गेब्रियल की मौत की पुष्टि की गई। इसमें बताया गया कि घटना 10 फरवरी की है। रिश्तेदार के मुताबिक, गेब्रियल 5 फरवरी को तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कह कर निकला था। लेकिन वह चार लोगों के साथ एक एजेंट की मदद से जॉर्डन पहुंच गया। चारों लोग 3 महीने के पर्यटन वीजा पर जॉर्डन पहुंचे थे। यहां से वे इजराइल की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। जॉर्डन की सेना ने उन्हें सीमा पर रोक लिया, लेकिन जब वे भागने की कोशिश कर रहे थे, तो सैनिकों ने उन पर गोलियां चला दीं।

इजराइल ने गाजा में मानवीय मदद की एंट्री रोकी, दूसरे फेज के सीजफायर पर सहमति न बनने के चलते लिया फैसला

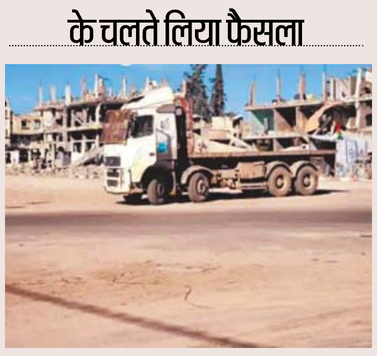

गाजा, एजेंसी। इजराइल ने रविवार को गाजा में जानी वाली मदद पर एंट्री बैन कर दी है। शनिवार को इजराइल और गाजा के बीच पहले फेज का सीजफायर खत्म हो गया। अगले फेज के लिए कोई सहमति न बनने के चलते इजराइल इससे पीछे हट गया है। इजराइली पीएम के ऑफिस ने इस फैसले को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है लेकिन ये चेतावनी दी है कि अगर हमास सीजफायर जारी रखने के अमेरिकी प्रस्ताव को नहीं मानेगा तो उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। दरअसल, इजराइल ने अमेरिका समर्थित एक प्रस्ताव को अपनाने की बात कही थी, जिसके तहत रमजान और पासओवर के दौरान सीजफायर जारी रखने की योजना थी। इसके बदले, गाजा में बचे हुए आधे बंधकों को रिहा करने की शर्त रखी गई थी।

बोलीविया में बस दुर्घटना में 37 लोगों की मौत, 39 घायल

सूक्रे, एजेंसी। बोलीविया के पोटोसी क्षेत्र में शनिवार (स्थानीय समयानुसार) सुबह सात बजे दो बसों की भिड़ंत हो गई। हादसे में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई। जबकि 39 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसा उयूनी और कोलचानी के बीच हुआ, जब एक बस सड़क की विपरीत लेन में चली गई। पोटोसी के विभागीय पुलिस कमांड के प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को उयूनी शहर के चार अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस कर्मी हादसे में मरे लोगों और घायलों की पहचान करने में लगे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक बस ओरुरो जा रही थी, जहां एक बड़ा कार्निवल समारोह चल रहा है। अधिकारियों को शक है कि जीवित बचे ड्राइवरों में से एक ने दुर्घटना से पहले शराब पी थी। यात्रियों ने कथित तौर पर उसे शराब पीते हुए देखा था।

पुतिन को बातचीत की मेज पर लाने का प्रयास, रुबियो बोले- यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी शांति स्थापना पर निर्भर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता की संभावना के बारे में चल रही चर्चाओं पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस समय की प्राथमिकता रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर लाना है। रुबियो ने एक साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी शांति स्थापना पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा आश्वासन तभी सार्थक हो सकते हैं, जब पहले शांति समझौता हो। रुबियो ने कहा, सुरक्षा गारंटी- जिसे मैं निवारण कहना पसंद करता हूं- सभी शांति होने पर निर्भर हैं। हर कोई शांति के लिए सुरक्षा गारंटी की बात कर रहा है, लेकिन हमें पहले शांति स्थापित करनी होगी। हालांकि, हम नहीं जानते कि शांति संभव है या नहीं।

लंदन शिखर सम्मेलन में जेलेंस्की ने की यूरोप के मजबूत समर्थन की प्रशंसा

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार (स्थानीय समय) को लंदन में यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन को मिले समर्थन के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने यूक्रेन की स्वतंत्रता और सुरक्षा का समर्थन करने में यूरोप द्वारा अपनाए गए एकजुट रुख पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि लंदन में शिखर सम्मेलन यूक्रेन और हमारे साझा यूरोपीय भविष्य को समर्पित था.

उन्होंने एक्स पर लिखा कि हम यूक्रेन, हमारे लोगों - सैनिकों और नागरिकों दोनों के लिए और हमारी स्वतंत्रता के लिए मजबूत समर्थन महसूस करते हैं. जेलेंस्की ने यूरोप के भीतर उच्च स्तर की एकता पर भी प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि यह लंबे समय से नहीं देखा गया था.

उन्होंने लिखा कि हम यूरोप में मिलकर सच्ची शांति और गारंटीकृत सुरक्षा की खोज में अमेरिका के साथ सहयोग के लिए एक ठोस आधार स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं. यूरोप की एकता असाधारण रूप से उच्च स्तर पर है, जो लंबे समय से नहीं देखी गई है. उन्होंने कहा कि हम अपने भागीदारों के साथ सुरक्षा गारंटी और यूक्रेन के लिए न्यायपूर्ण शांति की शर्तों पर चर्चा कर रहे हैं. जेलेंस्की ने कहा कि निकट भविष्य के लिए कई महत्वपूर्ण बैठकें और निर्णय तैयार किए जा रहे हैं. उन्होंने यूक्रेन के लिए एक स्थिर और गारंटीकृत शांति का समर्थन करने के लिए वैश्विक समुदाय के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि मैं यूक्रेन में एक स्थिर और गारंटीकृत शांति लाने के लिए अपने सभी मित्रों और भागीदारों के प्रयासों के लिए उनका आभारी हूं. उन्होंने कहा कि संयुक्त ताकत हमारे भविष्य की रक्षा कर सकती है. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, शिखर सम्मेलन के दौरान, यूके के प्रधान मंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि यह अधिक बातचीत का समय नहीं है।

यूक्रेन अभी भी अमेरिका के साथ खनिज सौदा करने को तैयार: जेलेंस्की

लंदन, एजेंसी। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि वह बिना किसी समझौते के जाने के बावजूद अमेरिका के साथ खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए अभी भी तैयार हैं. लंदन में पत्रकारों से बात करते हुए, जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी हालिया मुलाकात कठिन रही. हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि यूक्रेन अपने सहयोगियों के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार है, उन्होंने कहा कि मैं बस इतना चाहता हूं कि यूक्रेनी स्थिति को सुना जाए. खनिज सौदे को मूल रूप से दोनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा गया था. हालांकि, इस बीच अमेरिका और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ गया है. खासकर रूस के साथ शांति वार्ता को कैसे संभाला जा रहा है. ओवल ऑफिस में जेलेंस्की, ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच तीखी नोकझोंक के बाद स्थिति और खराब हो गई, जहां यूक्रेनी नेता समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना चले गए. अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने सीबीएस न्यूज को बताया कि शांति समझौते के बिना आर्थिक समझौता करना असंभव है. उन्होंने बातचीत को निजी रखने के बजाय सार्वजनिक रूप से चर्चाओं को पुनः शुरू करने के लिए जेलेंस्की की आलोचना की. असहमति के बावजूद, जेलेंस्की ने कहा कि अगर उन्हें आमंत्रित किया जाता है तो वे व्हाइट हाउस जरूर जायेंगे.

ऑस्कर 2025 : एड्रिअन ब्रॉडी को बेस्ट एक्टर , मिकी मेडिसन रहीं बेस्ट एक्ट्रेस

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। 97वें ऑस्कर अवॉर्ड में 'द ब्रूटलिस्ट' के सितारे बुलंद हैं। 10 कैटेगरी में नॉमिनेट होने वाली फिल्म 'द ब्रूटलिस्ट' की झोली में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड गिरा। वहीं, मिकी मेडिसन ने फिल्म अनोरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड अपने नाम किया। 23 कैटेगरी (श्रेणियों) में ऑस्कर विजेताओं की घोषणा हो चुकी है। सबसे ज्यादा 5 अवॉर्ड फिल्म अनोरा ने बेस्ट पिक्चर, बेस्ट डायरेक्शन, बेस्ट स्क्रीनप्ले, बेस्ट एडिटिंग, बेस्ट एक्ट्रेस कैटेगरी में जीते। वहीं दूसरे नंबर पर द ब्रूटलिस्ट को 3 अवॉर्ड मिले हैं।

'द ब्रूटलिस्ट' को अलग-अलग कैटेगरी में कुल 10 नॉमिनेशन मिले थे। मिकी मेडिसन ने फिल्म अनोरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया। 'द ब्रूटलिस्ट' के निर्माता-निर्देशक ब्रैडी कॉर्बेट हैं। द ब्रूटलिस्ट एक आर्किटेक्ट लास्जलो टोथ की कहानी कहती है, जो अपने करियर और शादी को संभालने की कोशिश में लगा रहता है और इसके लिए वह अमेरिका चला जाता है। फिल्म में एड्रियन ब्रॉडी, फेलिसिटी जोन्स, गाइ पीयर्स और जो अल्विन जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

अनोरा सीन बेकर के निर्देशन में बनी फिल्म है, जो कि एक सेक्स वर्कर की शादी पर आधारित है। 97वें एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर में भारत की तरफ से शॉर्ट फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेट होने वाली फिल्म 'अनुजा' पुरस्कार पाने से चूक गई। इस कैटेगरी में फिल्म 'आई एम नॉट ए रोबोट' ने बाजी मारी। डच फिल्म निर्माता विक्टोरिया वार्मरडैम और निर्माता ट्रेंट की फिल्म आई एम नॉट ए रोबोट के लिए बेस्ट लाइव एक्शन शॉर्ट का पुरस्कार जीतकर अनुजा के सपने को तोड़ दिया।

संघर्ष के कारण महीनों तक बंद रहने के बाद इजरायल में फिर से खुले स्कूल

यरूसलम, एजेंसी। उत्तर इजरायल में लगभग डेढ़ साल बाद स्कूल दोबारा खुले हैं। अक्टूबर 2023 में लेबनान सीमा पर इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद ये स्कूल बंद कर दिए गए थे। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, इजरायली शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को धीरे-धीरे खोला जाएगा क्योंकि युद्ध के दौरान स्कूलों की इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, और बहुत से छात्र अपने परिवारों के साथ देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में चले गए थे। रविवार को अभिभावकों के लिए जारी एक सूचना में मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 में उत्तरी इजरायल के 43 शहरों, कस्बों और गांवों के 195 स्कूलों और किंडरगार्टन के करीब 12,600 छात्रों को उनके परिवारों के साथ निकाला गया था। मंत्रालय ने कहा कि अब प्रत्येक परिवार यह तय कर सकता है कि वे अपने घर लौटकर बच्चों को फिर से पुराने स्कूल में दाखिला दिलाएं या जहां वे स्थानांतरित हुए थे, वहीं पढ़ाई जारी रखें। इसके अलावा, सरकार ने स्कूल के बाद की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 50 मिलियन शेकेल (करीब 13.89 मिलियन डॉलर) का बजट जारी किया है।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार, वेंटिलेटर हटाए गए; अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं

रोम, एजेंसी। पोप फ्रांसिस की हालत फिलहाल स्थिर है और अब उन्हें किसी भी तरह के वेंटिलेशन की जरूरत नहीं है। यह संकेत है कि उन्होंने शुक्रवार को आई सांस की तकलीफ को सफलतापूर्वक पार कर लिया है और उनकी फेफड़ों की स्थिति में सुधार हो रहा है। पोप फिलहाल निमोनिया के दोहरे वार से उबर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पोप अभी भी हाई-फ्लो ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, लेकिन शुक्रवार को आए तेज खांसी के दौरे के बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर जो चिंता थी, वह अब कुछ हद तक कम हो गई है। डॉक्टरों ने रविवार को उनकी सेहत के बारे में बताया कि वे स्थिर हैं, लेकिन अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं। अस्पताल में पूजा-अर्चना और काम जारी

पोप फ्रांसिस 14 फरवरी से रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती हैं। रविवार को उन्होंने सुबह वेटिकन के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट कार्डिनल

पिएत्रो पैरोलिन और उनके चीफ ऑफ स्टाफ आर्चबिशप एडगर पेना पार्रा से मुलाकात की। हालांकि, उनकी बातचीत का विषय सार्वजनिक नहीं किया गया।

यूक्रेन और दुनिया भर में शांति की प्रार्थना: पूरे दिन पोप ने आराम किया, अपनी निजी चैपल में प्रार्थना की और मास में हिस्सा लिया। वे वेटिकन से बाहर होने के कारण हर रविवार को दिए जाने वाले दोपहर के आशीर्वाद में भी शामिल नहीं हो पाए। इसके बजाय, वेटिकन ने जेमेली अस्पताल से ही उनका एक संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने डॉक्टरों और शुभचिंतकों का धन्यवाद किया। पोप ने अपने संदेश में यूक्रेन और दुनिया भर में शांति की प्रार्थना की और कहा कि अस्पताल में रहकर उन्हें महसूस हो रहा है कि युद्ध कितनी बेतुकी चीज है।

सेहत में सुधार के संकेत दिखे: डॉक्टरों के अनुसार, शुक्रवार को पोप की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जब उन्हें खांसी के दौरे के दौरान उल्टी सांस की नली में चली गई। इससे संक्रमण का खतरा बढ़ गया था। डॉक्टरों ने तुरंत इलाज किया और उन्हें एक विशेष ऑक्सीजन मास्क पर रखा। शनिवार को उन्होंने ऑक्सीजन सपोर्ट और वेंटिलेशन दोनों का सहारा लिया, लेकिन रविवार तक वेंटिलेटर की जरूरत खत्म हो गई। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि पोप को बुखार नहीं है और उनके खून में सफेद रक्त कणिकाओं (व्हाइट ब्लड सेल्स) की संख्या सामान्य है, जो यह दर्शाता है कि उनके शरीर में कोई नया संक्रमण नहीं हुआ है। शुक्रवार के बाद डॉक्टरों को 24 से 48 घंटे का इंतजार करना था, ताकि यह देखा जा सके कि क्या पोप की सेहत पर कोई नकारात्मक असर पड़ा है। रविवार को आई रिपोर्ट्स से यह स्पष्ट हुआ कि पोप संक्रमण के खतरे से बच गए हैं। पोप फ्रांसिस ने युवावस्था में अपने एक फेफड़े का एक हिस्सा हटवाया था, इसलिए उन्हें पहले से ही फेफड़ों की बीमारी है।

दुनियाभर से प्रार्थनाएं जारी: पोप की बीमारी के कारण दुनिया भर से उनके लिए दुआएं और प्रार्थनाएं की जा रही हैं। इस समय वेटिकन में पवित्र वर्ष मनाया जा रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोम आ रहे हैं।

शेख हसीना के शासन काल में अत्याचारों के रिकॉर्ड होंगे संरक्षित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रशासन के तहत किए गए कथित अत्याचारों के अभिलेखों के सावधानीपूर्वक संरक्षण का आह्वान किया है। एक स्थानीय अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान, यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है।

यूनुस ने किया न्यायिक हत्याओं का उल्लेख: मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि मुख्य सलाहकार ने संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ अपनी बातचीत के दौरान शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई, देलवर हुसैन सईदी फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और कथित न्यायेतर हत्याओं के वर्षों का हवाला दिया। इसके जवाब में, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मानवाधिकारों के हनन के दस्तावेजीकरण में बांग्लादेश की सहायता करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञता की पेशकश करते हुए लुईस ने कहा, यह उपचार और सत्य-निर्माण की एक प्रक्रिया है।

शरणार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता में कमी

मोहम्मद यूनुस ने जुलाई–अगस्त 2024 में हुए उत्थान के बाद संयुक्त राष्ट्र की तरफ से प्रकाशित मानवाधिकार उल्लंघन पर आधारित रिपोर्ट की सराहना की, जिससे 15 वर्षों तक चलने वाली अवामी लीग सरकार का पतन हो गया। लुईस ने बताया कि मानवाधिकार परिषद में 5 मार्च को जेनेवा में यह रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। वहीं इस बैठक में रोहिंग्या शरणार्थियों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। लुईस ने शरणार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता में कमी की चिंता व्यक्त की। इस पर यूनुस ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि संयुक्त राष्ट्र ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है ; यह समय पर है।

13-16 मार्च तक बांग्लादेश के दौरे पर रहेंगे गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस 13–16 मार्च तक बांग्लादेश का दौरा करेंगे। ग्वेन लुईस का कहना है कि उनका दौरा शरणार्थी संकट पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने में मदद करेगा। लुईस ने कहा, हम पैसे की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं, उन्होंने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए खाद्य आपूर्ति और अन्य बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति माह 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर की जरूरत है।

उरुग्वे के राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में पहुंचे पाबित्रा मार्गेरिटा

मोंटेवीडियो, एजेंसी। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने रविवार को उरुग्वे के राष्ट्रपति यामांडू ओरसी और उपराष्ट्रपति कैरोलिना कॉसे के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने उरुग्वे की नई सरकार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं।

मार्गेरिटा ने कहा कि वे भविष्य में दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। मार्गेरिटा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, उरुग्वे की नई सरकार को भारत के प्रधानमंत्री की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। इस ऐतिहासिक अवसर पर उरुग्वे के लोगों को बधाई। भारत-उरुग्वे साझेदारी को और मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हूं।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की: इससे पहले शनिवार को, मार्गेरिटा ने उरुग्वे में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और वहां भारतीय प्रवासियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि इस तरह से भारत-उरुग्वे संबंधों को मजबूत करने पर उन्हें गर्व है। उन्होंने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, मोंटेवीडियो, उरुग्वे में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और भारतीय समुदाय से बातचीत की। महात्मा गांधी की विरासत को कायम रखने और भारत-उरुग्वे के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने पर गर्व है।

उरुग्वे के उद्योग मंत्री फर्नांडा कार्डोना से की मुलाकात: इससे पहले, मार्गेरिटा ने मोंटेवीडियो में उरुग्वे के उद्योग, ऊर्जा और खनन मंत्री (नामित) फर्नांडा कार्डोना से भी मुलाकात की और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, फर्नांडा कार्डोना से मिलकर खुशी हुई। आपसी हितों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और हमने दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा और विविधतापूर्ण बनाने पर सहमति व्यक्त की।

जापान में जंगल की आग से निपटने के लिए करीब 1,700 अग्निशामक तैनात

ओफुनाटो, एजेंसी। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि करीब 1,700 अग्निशामक तीन दशकों में जापान की सबसे बड़ी जंगल की आग से जूझ रहे हैं. करीब 4,600 निवासियों को निकासी सलाह के तहत रखा गया है. पिछले सप्ताह इवाते के उत्तरी क्षेत्र में लगी आग में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी. बता दें कि इस साल रिकॉर्ड कम बारिश और पिछले साल जापान में रिकॉर्ड की सबसे गर्म गर्मी के बाद इस तरह की वारदातें बढ़ गई है.

अग्निशमन और आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को बताया कि गुरुवार से ओफुनाटो शहर के पास लगी आग ने करीब 2,100 हेक्टेयर (4,450 एकड़) क्षेत्र को जलाकर राख कर दिया है. टोक्यो की इकाइयों सहित 14

जापानी क्षेत्रों के अग्निशामक अब आग से निपट रहे हैं, 16 हेलीकॉप्टरों के साथ (इनमें सेना के हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं) आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं.

एजेंसी ने कहा कि रविवार तक 84 इमारतों को नुकसान पहुंचने का अनुमान है, हालांकि विवरण का अभी भी आकलन किया जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार, लगभग 2,000 लोग दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ रहने के लिए क्षेत्र छोड़ चुके हैं, जबकि 1,200 से अधिक लोगों को आश्रय स्थलों में ले जाया गया है.

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके पर ओफुनाटो से सुबह-सुबह फुटेज में इमारतों के पास नारंगी लपटें और हवा में सफेद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 1970 के दशक में चरम पर पहुंचने के बाद से जापान में जंगल की आग की संख्या में कमी आई है. लेकिन 2023 में देश भर में लगभग 1,300 जंगल की आग होंगी, जो फरवरी से अप्रैल की अवधि में केंद्रित होंगी जब हवा सूख जाती है और हवाएं तेज हो जाती हैं. फरवरी में ओफुनाटो में केवल 2.5 मिलीमीटर (0.1 इंच) बारिश हुई, जिसने 1967 में महीने के लिए 4.4 मिलीमीटर के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया और सामान्य औसत 41 मिलीमीटर से कम रही. अधिकारियों ने बताया कि रविवार को उत्तरी जापान के कई हिस्सों से हजारों लोगों को निकाला गया. जापान में तीन दशकों में लगी सबसे बड़ी जंगल की आग ने कम से कम एक व्यक्ति की जान ले ली है. अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी जापान के शहर ओफ़ुनाटो के आस-पास के इलाकों से लगभग 2,000 लोग अपने दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ रहने के लिए भाग गए, जबकि 1,200 से ज्यादा लोगों को आश्रय स्थलों पर ले जाया गया.

यूपी में सपा नेता की गला रेत कर हत्या, गांव में तनाव के चलते पुलिस बल तैनात

जौनपुर (एजेंसी)। यूपी के जौनपुर में बाइक सवार बदमाशों ने धारदार हथियार से सोमवार देर रात समाजवादी पार्टी नेता की गला काट कर हत्या कर दी। उनका शव परियावा गांव में टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। हत्या के बाद वहां लोगों में आक्रोश फैल गया। हत्या की जानकारी मिलते ही एसपी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तनाव को देखते हुए गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक लाइन बाजार थाना क्षेत्र परियावां गांव के रहने वाले राजेश यादव नाटे सक्रिय सपा कार्यकर्ता थे। वह बूथ अध्यक्ष थे। सोमवार देर रात उनका शव गांव के ही टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। उनका गला काटकर हत्या की गइ थी। किसी ने सपा नेता का शव देखा तो शोर मचाया। सपा नेता का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस को लोगों से पूछताछ चुनावी रंजिश और वर्चस्व में हत्या किए जाने की बात सामने आई है। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सपा नेता की हत्या की सूचना मिलते ही सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या मौके पर पहुंचे और मीडिया से बातचीत में कहा कि मृतक राजेश यादव हमारे पार्टी का बूथ अध्यक्ष थे, जो रात में बाजार से घर लौट रहे थे। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने राजेश यादव की हत्या कर फरार हो गए। वहीं कानून व्यवस्था पर भी सपा जिलाध्यक्ष राकेश ने सवाल उठाए हैं। एसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने बताया कि हत्या की जांच शुरू कर दी गई है और टीम गठित की गई है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी।

ओडिशा हाईकोर्ट ने 13 साल की रेप पीड़ित को गर्भपात की अनुमति दी

कटक (एजेंसी)। ओडिशा हाईकोर्ट ने 6 माह (27 हफ्ते) की गर्भवती 13 साल की रेप पीड़ित को गर्भपात (अबॉर्शन) की अनुमति दी है। पीड़िता सिकल सेल एनीमिया और मिर्गी से पीड़ित है। कोर्ट ने माना कि प्रेग्नेंसी से बच्ची के जीवन और सेहत को गंभीर खतरा है। बीमारियों की वजह से बच्चे को जन्म देना उसके लिए बहुत खतरनाक हो सकता था। कंधमाल निवासी पीड़ित अनुसूचित जाति (एससी) से है। पिछले साल एक लड़के ने उसके साथ कई बार रेप कर जान से मरने की धमकी दी। इस डर से बच्ची ने घर पर कुछ नहीं बताया। जब बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी, तब मां डॉक्टर के पास ले गई। इसके बाद रेप का मामला सामने आया। 11 फरवरी को पीड़ित के माता-पिता ने एफआईआर दर्ज करवाई। बच्ची की मेडिकल जांच हुई। जांच में प्रेग्नेंसी सामने आई। इसके बाद मामला उड़ीसा हाईकोर्ट पहुंचा, जहां बच्ची के पिता ने गर्भपात की इजाजत मांगी। इसके बाद कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया था। बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि प्रेग्नेंसी से बच्ची के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को गंभीर खतरा होगा। रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने याचिका पर कोई आपत्ति नहीं जाहिर की।

मार्च में ही गर्मी दिखाने लगी असर, कई जिलों में पारा 35 से 38 डिग्री पार

-होली पर गर्म हवाएं चलने का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार मार्च में तेज गर्मी झेलनी पड़ सकती है। सर्दी के मौसम में तुलनात्मक रूप से बारिश कम हुई है। इसके असर से तापमान में बढ़त देखने को मिल रही है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार मार्च में कई जिलों में तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। आगरा गर्म रहने वालों जिलों में से एक है। बुधवार से यहां दिन में तेज हवाएं चलेंगी। इस बार मार्च से मई के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान के सामान्य से अधिक रहने के संकेत हैं, बल्कि हीटवेव में भी इजाफा हो सकता है। होली पर भी लू चल सकती है। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रही। यही कारण है कि सामान्य से 88 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। इससे फरवरी का अंत असामान्य रूप से गर्म रहा है। इन गर्मियों में भी पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रहने का अनुमान है। प्रशांत महासागर में कमजोर ला-नीना परिस्थितियों के आगामी सीजन के दौरान तटस्थ नीनो परिस्थितियों में संभावित परिवर्तन के आसार हैं। मौसम विभाग की मानें तो बुधवार और गुरुवार को आगरा में तेज सतही हवाएं चलेंगी। इन दोनों दिनों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक आगरा में दिन का तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। ये सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। न्यूनतम तामपान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। ये सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम है। हवा में आर्द्रता 75 फीसदी रही है। चिकित्सकों के मुताबिक स्वास्थ्य के प्रति सावधानी जरूरी है।

पाकिस्तानी लड़की ने की सीआरपीएफ जवान से शादी, 15 दिन के वीजा पर आई भारत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के भलवाल गांव में एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। सीआरपीएफ जवान मुनीर अहमद ने पाकिस्तानी दुल्हन मनेल खान से शादी की है। मनेल 15 दिन के वीजा पर भारत आई हैं। ये शादी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई थी। भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्तों के बीच यह शादी चर्चा का विषय बन गई है। मुनीर अहमद सीआरपीएफ में जवान हैं और शिव खोरी, रियासी जिले, जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं। उनकी दुल्हन मनेल खान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गुजरांवाला इलाके के मोहम्मद असगर खान की बेटी हैं। 24 मई 2024 को दोनों ने अनोखे अंदाज में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शादी की थी, क्योंकि वीजा मिलने में दिक्कत थी। शादी के बाद मनेल को 15 दिन का वीजा मिला। इसके बाद वह अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत आईं हैं। ससुराल वालों ने उनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया। मनेल के आने की खबर सुनकर गांव वाले भी उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़े।

क्या दक्षिण भारत से होगा बीजेपी का नया अध्यक्ष? इन नामों को लेकर अटकलों का दौर जारी

-दोनों की कीमत और मेंटेनेंस भी काफी कम, क्षमताएं भी एडवांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी को होली के बाद और 21 मार्च से पहले किसी भी समय अपना अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने की संभावना है। इसको लेकर लगातार चर्चाओं का दौर जारी है। माना जाता है कि 21 से 23 मार्च तक बैंगलोर में होने वाली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक से पहले भाजपा को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। हालांकि, भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा, इसपर फैसला अब तक नहीं हो सका है। हालांकि, कई नामों को लेकर अटकलों का दौर जारी है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए पार्टी संविधान के तहत 50 फीसदी राज्यों में संगठन चुनाव को लेकर भाजपा नए सिरे से सक्रिय हो गई है। चयनित राज्यों को 14 मार्च तक संगठन चुनाव कराने का निर्देश दिया गया है। अब तक, पार्टी 50 प्रतिशत की कसौटी पर खरा उतरने के लिए आवश्यक 18 राज्यों में से केवल 12 में ही संगठनात्मक चुनाव करा पाई है। बीजेपी के एक सूत्र की मानें तो अगले कुछ दिनों में पार्टी बाकी छह राज्यों में अपने संगठनात्मक चुनाव संपन्न कराने के लिए कड़ी मेहनत करेगी।

आने वाले वर्षों में भाजपा का मुख्य फोकस दक्षिण पर होगा, इसलिए संभावना है कि अगला भाजपा अध्यक्ष विंध्य के दक्षिण से आएगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी, जो आंध्र प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष भी थे, का नाम चर्चा में है। संयोग से, वह उस राज्य से आते हैं जिसने बंगारू लक्ष्मण को जन्म दिया, जो आगे चलकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। एक और नाम जो दक्षिण से चर्चा में है वह आंध्र प्रदेश से भी है - दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, जो वर्तमान में एनडीए शासित राज्य में भाजपा प्रमुख हैं।

बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर से विधायक वनाथी श्रीनिवासन की भी चर्चा हो रही है। हालाँकि, पिछले साल की शुरुआत से, धर्मेंद्र प्रधान, विनोद तावड़े और भूपेन्द्र यादव का नाम लगातार उनकी संगठनात्मक क्षमता और टीम वर्क मानसिकता के कारण संभावितों में शामिल हो रहा है। जब उनसे अगले संभावित बीजेपी अध्यक्ष के बारे में पूछा गया तो बीजेपी सूत्र ने हंसते हुए कहा, 'हम भी उतना ही जानते हैं जितना आप अगले बीजेपी अध्यक्ष के बारे में जानते हैं। दरअसल, हम नए नामों के बारे में जानने के लिए टीवी या वेबसाइट देखते हैं।'

किसान चंडीगढ़ कूच करते उसके पहले ही पुलिस ने कर दिया बड़ा एक्शन, कई नेता हिरासत में

टांडा (एजेंसी)। पंजाब में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 5 मार्च को चंडीगढ़ में धरना प्रदर्शन के ऐलान के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है। इसके चलते पुलिस ने अनेक किसान नेताओं के घरों पर छापेमारी कर उन्हें हिरासत में ले लिया। जानकारी अनुसार किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल को रात करीब 2-30 बजे हिरासत में लिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष जंगवीर सिंह चौहान को टांडा पुलिस ने सुबह 4 बजे उनके गांव रसूलपुर से हिरासत में लिया। बीकेयू कादियां के जिला लुधियाना अध्यक्ष हरदीप सिंह ग्यासपुरा, मोहन सिंह संधेर, और बलबीर सिंह खीरनिया को भी हिरासत में लिया गया। समराला विधानसभा क्षेत्र में करीब एक दर्जन जगहों पर छापेमारी कर कई अन्य किसान नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि सीएम भगवंत मान और किसान नेताओं के बीच चली बैठक बेनतीजा रही है। चंडीगढ़ कूच से पहले किसान संगठनों और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच बातचीत हुई थी, लेकिन बैठक विवादों में घिर गई। सीएम भगवंत मान ने किसानों से चक्का जाम और आंदोलन न करने की अपील की, लेकिन किसानों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे सीएम बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए। इस बैठक के बाद सीएम भगवंत मान ने एक्स पर लिखा— सड़कों और रेल को रोकना किसी समस्या का हल नहीं है। इससे आम जनता को परेशानी होती है और कारोबार प्रभावित होता है।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले डीके शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के नेतृत्व पर नए सिरे से चर्चा के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। यह बैठक वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का पुरजोर समर्थन करने के कुछ दिनों बाद हुई। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि खड़गे से मुलाकात प्रोटोकॉल का मामला था। उन्होंने कहा कि वह मेरे अध्यक्ष हैं। वह मेरे नेता है। एक प्रोटोकॉल है कि मुझे जाकर उन्हें रिसीव करना है, इसलिए मैं गया।

शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने खड़गे को बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय के शिलान्यास समारोह में भी आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि हम बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय की नींव रख रहे हैं। मैंने उन्हें इसके लिए भी आमंत्रित किया है। इससे पहले, मोइली ने कहा कि शिवकुमार ने अपने नेतृत्व और पार्टी को मजबूत करने के प्रयासों से यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यहाँ-वहाँ बयान हो सकते हैं, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। कुछ लोग व्यक्तिगत कारणों से उनकी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिवकुमार का नेतृत्व श्रद्धेय जैन देवता की तरह फलेगा-फूलेगा। उन्होंने कहा कि आपने (डीके शिवकुमार) अच्छा नेतृत्व दिया है। आपने पार्टी बनाई है। लोग बयानबाजी कर रहे हैं लेकिन आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। इसे लेकर उत्तेजित होने की जरूरत नहीं है। आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री बनना कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे उपहार के रूप में दिया जाना चाहिए, यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने कड़ी मेहनत से अर्जित किया है।

आकाश आनंद का हो रहा था नया गुट तैयार, मायावती ने दिखाया बाहर का रास्ता

-बसपा सुप्रीमो के करीबी नेताओं की हो रही थी उपेक्षा, इसलिए उठाया सख्त कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती इस वक्त फुल एक्शन में हैं। वह अचानक लिए फैसलों से सबको हैरान कर रही हैं। इस बार तो उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को ही पार्टी से निकाल दिया है। पहले आकाश आनंद को मायावती ने नेशनल कॉर्डिनेटर के पद से हटाया और फिर सोमवार को उन्हें बसपा से ही बाहर निकाल दिया। उनके इस फैसले को पार्टी के अंदर पैदा हुए संकट से जोड़कर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि आकाश आनंद को मायावती ने उत्तराधिकारी घोषित किया था तो दिल्ली, राजस्थान समेत कई राज्यों का प्रभारी भी बनाया था। वह चुनाव की कमान संभाल रहे थे। उम्मीदवार उनके स्तर पर तय हो रहे थे तो वहीं प्रचार का भी वही नेतृत्व कर रहे थे। 2017 में आकाश आनंद के पिता आनंद कुमार को मायावती ने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। इसके बाद 2019 में आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक बनाया। 2023 में उन्हें अपना राजनीतिक वारिस घोषित कर दिया। कुछ महीने सब ठीक चला, लेकिन लोकसभा चुनाव में आकाश के आक्रामक तेवरों और सीधे पीएम मोदी पर हमले को मायावती ने सही नहीं माना। उन पर एफआईआर हुई तो पद से ही हटा दिया। फिर से वापसी कराई गई तो आकाश को फिर सभी जिम्मेदारी मिल गई, लेकिन अब बाजी फिर पलट गई। बुआ मायावती ने आकाश से सारे पद छीने लिए हैं और उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि आकाश का अपना एक गुट तैयार हो गया था। यह गुट मायावती के करीबी नेताओं की उपेक्षा कर रहा था। इससे बचने के लिए उन्होंने भतीजे को बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनकी जगह पर अपने भाई आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी है और यह भी साफ कर दिया है कि कोई उनका राजनीतिक वारिस नहीं होगा। इस तरह उन्होंने सत्ता का कोई दूसरा केंद्र उभरने की संभावना ही खत्म कर दी है। रामजी गौतम को भी राष्ट्रीय संयोजक बनाया है, जो उनके बेहद करीबी हैं।

बसपा के कुछ नेताओं का कहना है कि आकाश आनंद को कमान मिली तो रामजी गौतम साइडलाइन हो गए थे। इसके अलावा भी मायावती के कई करीबी किनारे लगे थे। ऐसे में मायावती ने भतीजे को ही हटाना सही समझा ताकि कोई दूसरा गुट न उभर सके।

पहले से कमजोर बसपा में गुटबाजी होना उनके लिए चिंता की बात है। आकाश पर एक आरोप फंड में गड़बड़ी का भी लगा है। मायावती ने उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को बाहर किया था और उनसे करीबी बनाए रखने की सजा भी उन्होंने भतीजे को दी है। इस तरह मायावती ने यह संदेश भी दिया है कि उनके लिए सब एक समान हैं। यदि कोई परिवार का है तो उसे वह कोई छूट नहीं देंगी।

फास्टैग में लो बैलेंस या भुगतान में देरी हुई तो देना होगा अतिरिक्त शुल्क

-सरकार के सख्त कदम से गलत टोल कटौती के मामलों में आई कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सख्त कदम उठाए हैं और गलत टोल कटौती के मामलों में भारी कमी दर्ज की है। फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम है, जो गाड़ी के फ्रंट शीशे पर लगाया जाता है और आपके प्रीपेड वॉलेट से जुड़ा होता है। जब वाहन टोल प्लाजा से गुजरता है, तो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक के अपने आप भुगतान हो जाता है। एनपीसीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2024 में फास्टैग लेनदेन 6 फीसदी बढ़कर 38.2 करोड़ हो गए, जबकि इसका कुल मूल्य 9 फीसदी बढ़कर 6,642 करोड़ रुपए हो गया।

कई बार टोल ऑपरेटर वाहन का गलत नंबर दर्ज कर देते हैं। जब फास्टैग ठीक से स्कैन नहीं करता तो ऑपरेटर मैन्युअल रूप से एंट्री करता है, जिससे गलत कटौती हो जाती है। स्कैनर में तकनीकी दिक्कत या सिस्टम एरर के कारण भी यह समस्या आती है। गलत टोल कटौती के मामलों पर हाईवे ने सख्ती बरती है। कम से कम 250 मामलों में टोल ऑपरेटरों को दंडित किया है। टोल प्रबंधन इकाई ने 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया। इस सख्ती से 70 फीसदी तक मामलों में कमी आई और अब हर महीने 50 शिकायतें मिल रही हैं।

सरकार ने फास्टैग को लेकर नए नियम लागू किए हैं जिसमें अगर फास्टैग में लो बैलेंस है या भुगतान में देरी होती है, तो अतिरिक्त शुल्क देना होगा। टोल से गुजरने के 10 मिनट बाद तक फास्टैग सक्रिय नहीं रहा, तो लेनदेन अस्वीकार हो जाएगा। टोल पार करने के 15 मिनट बाद भुगतान होने पर अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। बैंकों और डिजिटल वॉलेट्स से फास्टैग खरीदा जा सकता है। टोल प्लाजा और पेट्रोल पंप पर भी फास्टैग उपलब्ध होते हैं। इसे समय-समय पर रिचार्ज करना जरूरी है। एनएचएआई की कड़ी निगरानी और सख्त जुर्माने से गलत फास्टैग कटौती के मामले कम हुए हैं, लेकिन अगर आपके साथ यह समस्या हो, तो शिकायत दर्ज कराकर पैसे वापस लिए सकते हैं।

यूपी विधानसभा के प्रवेश द्वार पर थूका पान मसाला, भड़क गए अध्यक्ष

कहा- सदन की गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक अनुशासनहीन की घटना पर नाराजगी जताई है। मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरु होने से पहले विधानसभा मंडप के प्रवेश द्वार पर पान मसाला खाकर थूके जाने की सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल वहां जाकर सफाई करवाई और इस अव्यवस्थित व्यवहार की भर्त्सना की।

इसके बाद सदन को संबोधित करते हुए अध्यक्ष महाना ने कहा कि विधानसभा के प्रति केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस अनुशासनहीन कृत्य का वीडियो उपलब्ध है, लेकिन किसी सदस्य को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना उनका उद्देश्य नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि यदि भविष्य में वे किसी को ऐसा करते देखें, तो उसे वहीं रोकें और विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें।

अध्यक्ष महाना ने कहा कि जिसने यह कार्य किया है, वह खुद आगे आकर स्वीकार करे, अन्यथा उन्हें बुलाना पड़ेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यूपी विधानसभा प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों का सम्मान और उनकी आस्था का प्रतीक है। इसकी स्वच्छता और मर्यादा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। सत्र के 9वें दिन मंगलवार को बजट पर चर्चा हुई। इससे पहले सोमवार को सदन में काफी गहमागहमी हुई थी। सपा के सदस्यों ने विश्वविद्यालयों में कार्य परिषद के चुनाव नहीं कराए जाने और कुलपतियों की नियुक्तियों में पीडीए के प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने के विरोध में सदन से वॉक-आउट कर दिया था। इसके साथ ही विधानसभा में सोमवार को चार विभागों गन्ना, सिंचाई, कृषि और एमएसएमई विभाग का बजट पास हुआ। इसके साथ ही ऊर्जा और नगर विकास विभाग का बजट पेश हुआ।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विभाग के परिव्य को चुकाने और जरूरी खर्चों के लिए 9075 करोड़ 3 लाख 96000 रुपए का प्रस्ताव रखा। जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने 14033 करोड़ 8 लाख 47 हजार 3000 का बजट पेश किया। गन्ना विकास एवं चीनी मिले मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने 769 करोड़ 5 लाख 83 हजार और लघु उद्योग मंत्री राकेश सचान ने 3209 करोड़ 84 लाख 24000 रुपये बजट पेश किया। कटौती प्रस्तावों पर चर्चा के बाद इसे पास किया गया। इसके साथ ही नगर विकास और ऊर्जा विभाग का बजट भी पेश किया गया।

सड़क दुर्घटना में घायलों को अब मिलेगा डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज

-केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरु की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क दुर्घटना में घायलों को इसी माह से डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। यह नियम निजी हॉस्पिटल के लिए भी अनिवार्य होगा। देशभर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। एनएचएआई इसके लिए नोडल एजेंसी का काम करेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अधिकारी के मुताबिक, योजना के लिए मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 162 में पहले ही संशोधन हो चुका है। इस योजना को पूरी तरह से लागू करने से पहले बीते 5 महीनों में पुडुचेरी, असम, हरियाणा और पंजाब सहित छह राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया, जो कि सफल साबित हुआ है।

अधिकारी ने बताया कि घायल को पुलिस या कोई आम नागरिक या संस्था जैसे ही हॉस्पिटल पहुंचाएगी, उसका इलाज तुरंत शुरू होगा। इसके लिए कोई फीस भी जमा नहीं करनी होगी। घायलों के साथ चाहे परिजन हो या नहीं, हॉस्पिटल उसकी देखरेख करेगा। प्राइवेट और सरकारी दोनों ही हॉस्पिटल को कैशलेस इलाज देना होगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च 2024 को रोड एक्सीडेंट पीड़ितों को कैशलेस इलाज देने के लिए पायलट प्रोजेक्ट कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरु की थी। इसके बाद 7 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने योजना को देशभर में अधिकारी रुप से लांच करने की घोषणा की। इस योजना के तहत देश में कहीं भी सड़क एक्सीडेंट होने पर घायल व्यक्ति को इलाज के लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 1.5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। जिससे घायल शख्स 7 दिनों तक अस्पताल में इलाज करा सकेगा।

डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज होने के बाद उसके भुगतान में नोडल एजेंसी के रूप में एनएचएआई काम करेगा, यानी इलाज के बाद मरीज या उनके परिजन को डेढ़ लाख तक की रकम का भुगतान नहीं करना है। यदि इलाज में डेढ़ लाख से ज्यादा का खर्च आता है, तब बढ़ा बिल मरीज या परिजन को भरना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोशिश यह हो रही है कि डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपए तक किया जा सके।

अब रिश्वत लेने व देने के ठोस सबूत होने पर ही माना जाएगा भ्रष्टाचार

-सुप्रीमकोर्ट ने कहा- आरोप लगाकर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भ्रष्टाचार तभी माना जाएगा, जब रिश्वत की मांग या लेनदेन के ठोस सबूत मौजूद होंगे। महज शक्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाकर किसी अधिकारी को भ्रष्टाचार का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मामला एक फिशिंग ठेकेदार से जुड़ा था, जिसमें एक सरकारी अधिकारी पर बिना टेंडर जारी किए करोड़ों का नुकसान करने का आरोप लगाया था। इसके तहत प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला 27 फरवरी को खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अगर कोई अधिकारी सरकारी नीति से भटककर कार्य करता है, तो केवल इस आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि उसने रिश्वत ली है। जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि रिश्वत की मांग और उसे स्वीकार किया गया था, तब तक भ्रष्टाचार का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 20 के मुताबिक यदि कोई पब्लिक सर्वेंट अनुचित लाभ स्वीकार करता है, तो यह माना जाएगा कि उसने किसी कार्य को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक यह साबित न हो कि रिश्वत की मांग की गई और उसे स्वीकार किया गया, तब तक केवल अनुमान के आधार पर उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

इस मामले में अधिकारी पहले हाईकोर्ट गए थे, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जहां कोर्ट ने अवैध लाभ की ठोस मांग और स्वीकार्यता के अभाव में मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से अथॉरिटी के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित हो गया है। अब रिश्वत की मांग और स्वीकार्यता का प्रमाण जरूरी होगा, केवल शक्ति के दुरुपयोग के आधार पर भ्रष्टाचार का मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। सिर्फ प्रशासनिक गलतियों को भ्रष्टाचार नहीं माना जाएगा। अधिकारियों पर लगाए जाने वाले आरोपों की जांच में अब अधिक सबूतों की जरूरत होगी। सजा केवल तभी मिलेगी जब रिश्वत लेने या देने के पुख्ता सबूत होंगे।